ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मुडा घोटाला मामला : 11,200 पन्नों की रिपोर्ट अदालत को सौंपी गई @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 21 फरवरी, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-7 | अंक-51

सुप्रीम कोर्ट का फरमान : किसी भी जज के खिलाफ नहीं होगी जांच

हाईकोर्ट के भ्रष्ट जज के खिलाफ जारी लोकपाल की कार्रवाई रोकी

ये सबमें झांकें, पर इनकी गिरेबान में कोई न झांके

विभिन्न अदालतों में न्यायाधीश के आसन पर बैठे महानुभावों को अभयदान मिला हुआ है। वे चाहे कोई भी अनैतिक और अनियमित हरकत करें, उनके खिलाफ न कोई जांच होगी और न कोई कार्रवाई होगी। अब तो सुप्रीम कोर्ट ने भी इस पर मुहर लगा दी है कि जजों के खिलाफ आरोप चाहे जितने भी गंभीर क्यों न हों, जांच नहीं होगी और न कोई कार्रवाई होगी। भ्रष्ट और अनैतिक जजों का नाम भी सार्वजनिक नहीं किया जाएगा, ताकि ऐसे जजों की पहचान छुपी रहे। कोई जान न पाए कि अदालतों में भी भारत की मुख्य धारा की तरह बेईमानी, रिश्वतखोरी और चरित्रहीनता करने वाले जज कौन कौन हैं। सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश ने लोकतांत्रिक और नैतिक मूल्यों पर गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है। शीर्ष स्तर के महानुभावों के भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए जो लोकपाल की व्यवस्था लोकतंत्र में की गई है, उसे भी सुप्रीम कोर्ट ने ध्वस्त कर दिया है। अब लोकपाल भी किसी भी स्तर के जज के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर सकते।

हाईकोर्ट के एक भ्रष्ट और मैनिपुलेटिव जज के खिलाफ लोकपाल ने कार्रवाई की तो सुप्रीम कोर्ट को गुस्सा आ गया। सुप्रीम कोर्ट ने फौरन उस कार्रवाई पर रोक लगा दी और लोकतांत्रिक प्रक्रिया ठप्प कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने लोकपाल के आदेश पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, यह बहुत परेशान करने वाली बात है। सुप्रीम कोर्ट ने न्यायपालिका की स्वतंत्रता (?) पर चिंता जाहिर की। सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर आनन-फानन केंद्र सरकार को भी नोटिस जारी किया। साथ ही लोकपाल रजिस्ट्रार और हाईकोर्ट के भ्रष्ट न्यायाधीश की शिकायत करने वाले

शिकायतकर्ता को भी नोटिस जारी किया है। लोकपाल ने उच्च न्यायालय के मौजूदा न्यायाधीश के खिलाफ मिली शिकायत पर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट को इतना नागवार लगा कि उसने स्वतः संज्ञान लेते हुए इस मुद्दे पर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने इस कार्रवाई पर यह कहते हुए रायता फैलाया कि क्या उच्च न्यायालय के न्यायाधीश भारत के लोकपाल की कार्रवाई के क्षेत्र में आते हैं?

शुभ-लाभ चिंता

लोकपाल की कार्रवाई से नाराज होने वाले सुप्रीम कोर्ट के जजों में जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस अभय ओक शामिल हैं। इस पीठ ने सुनवाई के दौरान लोकपाल द्वारा उच्च न्यायालय के जज के खिलाफ शिकायत सुनने पर नाराजगी जताई और इसे बेहद परेशान करने वाली बात बताया। पीठ ने उन न्यायाधीश के नाम का खुलासा करने पर भी रोक लगा दी है, जिनके खिलाफ लोकपाल ने शिकायत सुनी। सुप्रीम कोर्ट ने शिकायतकर्ता को निर्देश दिया है कि वे हाईकोर्ट के जज के नाम को गोपनीय रखें। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की तरफ से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि उच्च न्यायालय के न्यायाधीश लोकपाल और लोकायुक्त कानून 2013 के अधिकार क्षेत्र में कभी नहीं आएंगे। अब पीठ इस मामले पर 18 मार्च को सुनवाई करेगी। बीती 27 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस एएम खानविलकर की अध्यक्षता वाले लोकपाल ने अपने आदेश में कहा कि लोकपाल एक्ट के तहत उच्च न्यायालय के न्यायाधीश भी लोकपाल की कार्रवाई की परिधि में आते हैं। लोकपाल ने यह टिप्पणी एक शिकायत पर सुनवाई करते हुए की। शिकायत में आरोप लगाया गया कि एक निजी कंपनी से जुड़े मामले में उच्च न्यायालय के मौजूदा न्यायाधीश ने अतिरिक्त जिला जज और एक अन्य उच्च न्यायालय के जज को प्रभावित करने की कोशिश की। लोकपाल ने देश के मुख्य न्यायाधीश से इसे स्पष्ट करने की मांग की थी।

भारत की चुनावी प्रक्रिया में विदेशी हस्तक्षेप की पुष्टि हुई

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारतीय चुनाव में अमेरिकी फंडिंग को लेकर सवाल उठाए जाने के बाद भारत में राजनीति गरमा गई है। ट्रम्प के बयान से नरेंद्र मोदी के खिलाफ अमेरिका से हो रहे षडयंत्र पर मुहर लग गई है। भाजपा नेता अमित मालवीय ने डोनाल्ड ट्रम्प के बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है। इस वीडियो के साथ ट्रम्प के बयान के अंश भी साझा किए हैं। जिसमें ट्रम्प ने कहा, मुझे लगता है कि वे (बाइडेन) किसी और को निर्वाचित कराना चाहते थे। हमें इस बारे में भारत सरकार को बताना चाहिए। क्योंकि यह चौंकाने वाला मसला है। ट्रम्प ने गुरुवार को मियामी में एक कार्यक्रम के दौरान भारतीय चुनाव में अमेरिकी एजेंसी यूएसएड के जरिए 2.1 करोड़ डॉलर की फंडिंग पर नाराजगी जाहिर की। भाजपा ने भी ट्रम्प के बयान को हाथों हाथ लिया और इसे भारत की चुनावी प्रक्रिया में विदेशी हस्तक्षेप बताया है। भाजपा नेता अमित मालवीय ने हाल ही में अमेरिका के सरकारी दक्षता विभाग के एक सोशल मीडिया पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ डॉलर? यह पक्के तौर पर भारत की चुनावी प्रक्रिया में विदेशी हस्तक्षेप की कोशिश है।

अमित मालवीय ने कहा कि साल 2012 में तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी ने जॉर्ज सोरोस की ▶10पर

मोदी के खिलाफ बाइडेन सरकार की साजिशों की आधिकारिक पुष्टि

बाइडेन भारत में किसी और की सरकार बनाना चाहते थे : ट्रम्प

वॉशिंगटन, 20 फरवरी (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारतीय चुनाव में अमेरिकी फंडिंग को लेकर पूर्व की जो बाइडेन सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं। ट्रम्प ने एक चौंकाने वाले बयान में कहा है कि पूर्ववर्ती बाइडेन सरकार भारत में किसी और की सरकार बनवाना चाहती थी। ट्रम्प ने गुरुवार को मियामी में एक कार्यक्रम के दौरान यह बात कही। बुधवार को भी ट्रम्प ने भारत को फंडिंग देने के पूर्व की सरकार के फैसले पर सवाल उठाए थे।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ डॉलर की फंडिंग पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, हमें भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ डॉलर देने की क्या जरूरत है? मुझे लगता है कि वे (बाइडेन) चाहते थे कि चुनाव में किसी और को चुना जाए। हमें इस बारे में भारत सरकार को बताना चाहिए। यह बहुत चौंकाने वाला मसला है। हाल ही में एलन मस्क के नेतृत्व वाले सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) ने खुलासा किया है कि अमेरिका द्वारा दुनियाभर के देशों को फंडिंग देने वाली एजेंसी यूएसएड के जरिए भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ डॉलर का योगदान दिया गया। बुधवार को भी ट्रम्प ने भारत में मतदान

प्रतिशत बढ़ाने के लिए अमेरिकी फंडिंग पर सवाल खड़े किए थे। उन्होंने कहा था कि हम भारत को 2.1 करोड़ डॉलर क्यों दे रहे थे? उनके पास पहले से ही काफी पैसा है। वे सबसे ज्यादा टैक्स लगाने वाले देश हैं। हम मुश्किल से उनके बाजार में अपना सामान भेज पा रहे हैं क्योंकि उनके टैरिफ बहुत ज्यादा हैं। मैं भारत और उनके प्रधानमंत्री का सम्मान करता हूं, लेकिन भारत के चुनाव में 2.1 करोड़ की फंडिंग देने का क्या मतलब है? वहां के मतदान प्रतिशत का अमेरिका से क्या मतलब?

ट्रम्प ने जताया आश्चर्य, हमें इस बारे में भारत को बताना चाहिए

भारत के लोकसभा चुनाव में फंडिंग को लेकर बाइडेन पर आरोप

सरकारी दक्षता विभाग ने फिलहाल यूएसएआईडी द्वारा की जाने वाली अधिकतर फंडिंग पर रोक लगा दी है। डोनाल्ड ट्रम्प सरकार ने संघीय सरकार की लागत में कटौती करने के उद्देश्य से सरकारी दक्षता विभाग का गठन किया था। दक्षता विभाग ने ये भी बताया है कि अमेरिकी सरकार बांग्लादेश में राजनीतिक स्थिरता को मजबूत करने के नाम पर 2.9 करोड़ डॉलर की भी वित्तीय मदद दे रही थी। बांग्लादेश को फंडिंग का खुलासा ऐसे वक्त हुआ है, जब बीते साल बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार का पतन हुआ और उसकी जगह मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का गठन हुआ है। अमेरिका द्वारा बांग्लादेश में राजनीतिक स्थिरता को मजबूत करने के नाम पर फंडिंग की गई, लेकिन फिलहाल बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता का माहौल है और अमेरिका पर ये आरोप भी लगे हैं कि बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के गिरने के पीछे भी अमेरिका समर्थित डीप स्टेट हो सकते हैं। ट्रम्प ने मियामी के कार्यक्रम में ये भी बताया कि अमेरिका सरकार जैव विविधता संरक्षण के नाम पर नेपाल को भी 3.9 करोड़ डॉलर की फंडिंग कर रही है।

दाल में काला : ट्रम्प के बयान से कांग्रेस को लगी मिर्ची

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)।

जो बाइडेन सरकार द्वारा भारत के लोकसभा चुनाव को प्रभावित करने के लिए की गई फंडिंग की अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा आधिकारिक पुष्टि किए जाने के बाद भारत में कांग्रेस पार्टी को मिर्ची लग गई है। इससे जाहिर हो रहा है कि कांग्रेस की दाल में काला है।

ट्रम्प के बयान को कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बेतुका बताया और कहां कि भारत सरकार को इस मसले पर श्वेत पत्र जारी करना चाहिए।

जयराम रमेश ने कहा, यूएसएड इन दिनों काफी चर्चा में है। भारत सरकार को जल्द से जल्द एक श्वेत पत्र जारी करना चाहिए जिसमें दशकों से भारत में सरकारी और गैर-सरकारी दोनों संस्थानों को यूएसएड द्वारा दिए गए समर्थन का विवरण हो।

अमेरिकी दक्षता विभाग ने बांग्लादेश में भी शेख हसीना की सरकार को अस्थिर करने के लिए करोड़ों डॉलर भेजे गए थे। इस फंडिंग के बारे में कहा गया था कि अमेरिका सरकार बांग्लादेश में राजनीतिक स्थिरता को मजबूत करने के नाम पर 2.9 करोड़ डॉलर की वित्तीय मदद दे रही थी।

जबकि वास्तविकता इसके ठीक विपरीत थी। ट्रम्प ने मियामी के कार्यक्रम में यह भी बताया कि अमेरिका सरकार जैव विविधता संरक्षण के नाम पर नेपाल को भी 1.9 करोड़ डॉलर की फंडिंग कर रही थी। इसके अलावा एशिया में शिक्षण परिणामों में ▶10पर

बीमारी का पूर्वानुमान लगाने वाली फर्म ने किया आगाह

संक्रामक बीमारियों की चपेट में भारत समेत कई देश

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)।

बीमारी का पूर्वानुमान लगाने वाली एयर फिनिटी फर्म ने एक हालिया विश्लेषण में बताया कि कोरोना के बाद परिस्थितियों में काफी नकारात्मक रूप से परिवर्तन आया है। भारतीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक रिपोर्ट में बताया कि साल 2024 में एक्यूट डायरिया डिजीज ने पिछले 15 साल के रिकार्ड को तोड़ दिया। करीब 44 देशों में किए गए सर्वे में पाया गया कि कम से कम एक संक्रामक बीमारी महामारी से पहले की तुलना में दस गुना ज्यादा फैली है। हालिया रिपोर्ट्स में अमेरिका-भारत सहित कई देशों में तेजी से बढ़ रहे एच5एन1 संक्रमण (बर्ड फ्लू) को लेकर वैज्ञानिक आगाह कर रहे हैं, वहीं

भारत में एक्यूट डायरिया ने तोड़ा 15 साल का रिकॉर्ड

ब्रिटेन के कई हिस्सों में नोरोवायरस का संक्रमण भी तेजी से बढ़ा है।

पिछले एक दशक के आंकड़े उठाकर देखें तो पता चलता है कि दुनिया के कई देश तेजी से गंभीर और संक्रामक बीमारियों की चपेट में आते जा रहे हैं। वहीं पिछला पांच साल और भी गंभीर चुनौतियां बढ़ाने वाला रहा है। साल 2019 के आखिरी के महीनों में शुरू हुई कोरोना महामारी ने वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य संबंधित जोखिमों को तो बढ़ाया ही, इसी के पैरेलल म्यूकोरमाइकोसिस, बर्ड फ्लू, नोरोवायरस सहित कई अन्य बीमारियों ने भी स्वास्थ्य सेवाओं को खूब प्रभावित किया।

विशेषज्ञों ने सभी लोगों को इन संक्रामक बीमारियों से बचाव के उपाय करते रहने और इम्यूनिटी बढ़ाने पर जोर दिया है। भारतीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक रिपोर्ट में बताया कि साल 2024 में एक्यूट डायरिया डिजीज ने पिछले 15 साल के रिकार्ड को तोड़ दिया। पिछले साल (2024 में) तीव्र दस्त रोग का प्रकोप रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, जो दुनियाभर में सबसे आम जीवाणु और वायरल बीमारियों की असामान्य वृद्धि को दर्शाता है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत में 22 दिसंबर तक देशभर में एक्यूट डायरिया डिजीज के 1,000 से अधिक प्रकोप दर्ज किए गए। 2009 के बाद से यह उच्चतम स्तर है।

स्वास्थ्य विभाग ने देशभर में फूड पॉइजनिंग के 300 से अधिक प्रकोपों की भी सूचना दी, जो 2019 के बाद से सबसे अधिक है। ▶10पर

अमेरिका से अवैध प्रवासियों के निष्कासन से हड़कंप

पनामा के होटल में फंसे हैं सैकड़ों भारतीय

पनामा सिटी, 20 फरवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका से निर्वासन और घर न पहुंच पाने की अनिश्चितता के साथ-साथ तमाम दिक्कतों से जूझ रहे 300 लोग पनामा के एक होटल में फंसे हुए हैं। इन 300 लोगों में सबसे ज्यादा भारतीय और नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और चीन नागरिक हैं। ये सभी वहां तब तक रहेंगे, जब तक उनकी वापसी की व्यवस्था नहीं हो जाती, इसके साथ ही उन्हें होटल से बाहर जाने की अनुमति नहीं मिली है। अधिकारियों के अनुसार, 40 प्रतिशत से ज्यादा प्रवासी अपने देश लौटने के लिए तैयार नहीं हैं।

पनामा ने भारत को अमेरिका से निर्वासित भारतीयों के एक समूह के बारे में सूचित किया है और देश में भारतीय मिशन उन तक काउंसलर एक्सेस पहुंचाने के बाद उनकी भलाई सुनिश्चित करने के लिए मेजबान सरकार के साथ

होटल की खिड़की पर लिख कर मांग रहे मदद

मिलकर काम कर रहा है। ये लोग पिछले हफ्ते तीन उड़ानों से देश में पहुंचे, जब राष्ट्रपति जोस राउल मुलिनो ने इस बात पर सहमति जताई कि पनामा निर्वासितों के लिए सहायक देश बनेगा।होटल में बंद सभी प्रवासियों की हालत काफी दयनीय है, इसका पता इससे चलता है कि होटल में फंसे लोग खिड़कियों पर संदेश लिखकर मदद की गुहार लगा रहे हैं। पनामा के होटल से कई तस्वीरें सामने आई है, जिसमें लोग हाथों में सादे कागज पर- मदद करें और हम अपने देश में सुरक्षित नहीं हैं, लिख कर खड़े हैं। जानकारी के मुताबिक, सभी प्रवासी 10 एशियाई देशों से आए हैं, जिसमें ईरान, भारत, नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और चीन के लोग शामिल हैं। अमेरिका के लिए इन देशों में सीधा निर्वासन करना मुश्किल है, इसलिए पनामा को एक ठहराव के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।

इधर पनामा के सुरक्षा मंत्री फ्रैंक एब्रेगो ने दावा किया है कि, सभी प्रवासियों चिकित्सा सुविधा और खाना मिल रहा है। यह पूरी व्यवस्था अमेरिका और पनामा के बीच हुए एक समझौते के तहत हो रही है। अमेरिका इस पूरे ऑपरेशन का खर्च उठा रहा है। वहीं पनामा के राष्ट्रपति जोसे राउल मुलिनो, जो ट्रंप की पनामा नहर पर नियंत्रण को लेकर दी गई धमकियों के कारण राजनीतिक दबाव में हैं, ने पिछले गुरुवार को पहली डिपोर्टेशन फ्लाइट के आने की घोषणा की थी। रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक 300 लोगों में से 171 प्रवासी अंतरराष्ट्रीय संगठनों की मदद से अपने-अपने देशों को लौटने के लिए तैयार हो गए हैं। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (यूएनएचआरसी) और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) बाकी 128 लोगों के लिए विकल्प की तलाश कर रहे हैं, ताकि वे किसी तीसरे देश में बस सकें। वहीं जो प्रवासी अपने देश वापस जाने के लिए तैयार नहीं हैं, उन्हें पनामा के दारिएन प्रांत के एक विशेष केंद्र में रखा जाएगा।

श्री पंचदेव मंदिर स्वर्ण जयंती समारोह 16 अप्रैल से

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्थान झुंझुनूं में श्री पंचदेव मंदिर में आगामी 16 व 17 अप्रैल को दो दिवसीय विशाल मेले का आयोजन किया जायेगा। बाबा गंगाराम धाम श्री पंचदेव मंदिर की स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में आयोजित दो दिवसीय स्वर्ण जयंती समारोह के अंतर्गत विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। इस भव्य आयोजन में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकारों को आमंत्रित किया जा रहा है। देश के विभिन्न भागों से बड़ी संख्या में प्रवासी भक्तगण झुंझुनूं धाम पधारेंगे। जिनके लिए विशेष प्रबंध किये जा रहे है। मंदिर परिसर में बिजली से रंगबिरंगी रोशनी के आकर्षक सजावट के लिए पश्चिम बंगाल की विश्वप्रसिद्ध विद्युत सज्जा की टीम आयेगी और कोलकाता के कारीगरों द्वारा विशेष सजावट की जायेगी। समारोह में भव्य शोभायात्रा, विशाल भजन संध्या, नृत्य नाटिकाएं, सामूहिक संगीतमय, अमृतवाणी पाठ, लीला मंचन एवं बधाई उत्सव आयोजित होंगे। इसके अलावा बनारस के पंडितों द्वारा सुविख्यात गंगा आरती का मनोरम दृश्य प्रस्तुत किया जायेगा। मेले का शुभारम्भ विशाल शोभायात्रा से किया जायेगा, जो 16 अप्रैल को प्रातः 7 बजे श्री पंचदेव मंदिर परिसर से देवविग्रहों की आरती पूजन के पश्चात प्रारंभ होकर नगर परिभ्रमण करते हुए वापस मंदिर पहुंचेगी। शोभायात्रा में बाबा गंगारामजी, भक्त शिरोमणि श्री देवकीनंदन एवं शक्ति स्वरूपा देवी गायत्री की फूलों से सुसज्जित रथयात्रा, महिलाओं की कलश-यात्रा, ध्वज-यात्रा के अलावा केरल की सुप्रसिद्ध सजीव देव दर्शन झांकियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। शोभायात्रा में पारंपरिक वेष-भूषा में बड़ी संख्या में महिलाएं व पुरुष भाग लेंगे। मेले की तैयारियों के सम्बन्ध में पंचदेव मंदिर परिसर में मंदिर के ट्रस्टी अनिल कुमार मोदी की अध्यक्षता में स्वर्ण जयंती समारोह आयोजन समिती के अखिल भारतीय पदाधिकारियों की एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सुचारू व्यवस्था के लिए उप समितियों का गठन किया गया, जिनमें मुख्य रूप से ट्रस्टी प्रवीण कुमार मोदी, सुनील मोदी मुंबई, गिरीश सराफ मुंबई, संजय जालान हैदराबाद, पंकज सुरेका कोलकाता, संजय चिरानिया कोलकाता, संदीप मोदी कोलकाता, पीयूष मित्तल दिल्ली, प्रदीप मुंशी मुजफ्फरपुर, शैलेश सिंघानिया लखनऊ, शुभकरण अग्रवाल बेंगलूरु, प्रमोद मोदी सूरत, वेदान्त खेमानी राउरकेला, विमल सिंघानिया नेपाल, अनिल झुंझुनूवाला पटना, प्रदीप मोदी सूरत ने भाग लिया। ज्ञात हो पंचदेव मंदिर की स्थापना आज से 50 वर्ष पूर्व तत्कालीन जगद्गुरु शंकराचार्य श्री निरंजन देव जी तीर्थ पूरी के सनिध्य में सन 1975 में भक्त शिरोमणि श्री देवकीनंदन एवं शक्ति स्वरूपा गायत्री देवी द्वारा करायी गई थी। मंदिर स्थापना के पश्चात उन्होंने अपनी करोड़ों की संपति का त्याग कर आज के इस भौतिक युग में त्याग, तपस्या और भक्ति का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया।

अगले बजट में जैनोत्थान पर भी सरकार ध्यान करे केंद्रीत

जीतो केकेजी जोन की सरकार से मांग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में बसे जैन समाज की आर्थिक, सामाजिक, व्यावहारिक व धार्मिक जरूरतों की उचित भरपाई हेतु प्रावधानों को राज्य सरकार के अगले बजट में सम्मिलित करवाने की मांग की सूची लेकर जीतो केकेजी जोन के अध्यक्ष प्रवीण बाफना के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने कर्नाटक अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष यू. निसार अहमद से भेंट की।

प्रवीण बाफना ने अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष से अनुरोध किया कि सबसे पहले जैन समाज आर्थिक रूप से संपन्न है जैसी दिमाग में रची बसी मान्यता को बाहर निकालते हुए जैनोत्थान हेतु आने वाले बजट में जैन विकास निगम गठन की बात मुख्यमंत्री तक पहुँचाये। उन्होंने अनुरोध किया कि इस निगम में जैनों के विकास हेतु 200 करोड़ रुपयों का भी प्रावधान रखा जाये। जोन महामंत्री दिलीप जैन ने निसार अहमद से अनुरोध किया कि कर्नाटक में 1500 से 2000 वर्ष पुराने जैन तीर्थ व मंदिर है जो ऐतिहासिक महत्व भी रखते है, सरकार को ऐसे स्थलों को उसी रूप में सहेंजते हुए पर्यटन स्थल के रूप में भी विकसित करना चाहिए।

जीतो केकेजी जोन के अल्पसंख्यक योजना संयोजक सिद्धार्थ बोहरा ने जीतो द्वारा समाज हित में संचालित योजनाओं का विवरण रखा। उन्होंने जैन विद्यार्थियों के लिये अलग से हॉस्टल, जैनो के कौशल विकास हेतु सामुदायिक भवन, पैदल विहारी धर्म गुरुओं के लिये विहार धाम, जैन उद्योगपतियों के लिये औद्योगिक जमीन में आरक्षण एवं प्रत्येक जिले की अल्पसंख्यक समितियों में जैनो की नियुक्ति जैसी लंबित मांगों को पूरा कराने का अनुरोध किया। निसार अहमद ने जीतो प्रतिनिधि मंडल से कहा कि वैसे तो अन्य अल्पसंख्यक जातियों की तरह जैनों को भी राज्य सरकार द्वारा अनेकों योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। फिर भी जैनोत्थान हेतु समयानुसार उठ रही अन्य मांगों को सरकार तक पहुचाकर उन माँगों के क्रियान्वयन का अनुरोध भी करेंगे। इस अवसर पर जीतो केकेजी जोन कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश जैन, सीएफई योजना संयोजक नीतिन प्रकाश कटारिया इत्यादि भी मौजूद थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विष्णुवर्धन युवक संघ द्वारा पाइपलाइन रोड विजयनगर में अन्नमा देवी उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अन्नदान कार्यक्रम एवं निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। विशेष अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

गुजरात की भुज धरा पर गुरुदेव की विहार सेवा लाभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित आयाम युवावाहिनी के तहत तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर के अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया के नेतृत्व में तेयुप एवं किशोर मण्डल अपनी सहभागिता निभाने हेतु गुजरात की पावन धरा भुज पहुंचे। इसी बीच गुरुवार प्रातः प्राथमिक कन्या शाला दहिंसरा भुज से आचार्य श्री महाश्रमणजी अपनी धवल सेना के साथ विहार कर नवजीवन होम्स पुनरी, भुज मांडवी पधारे। कुल विहार 11 किमी का रहा। इस अवसर पर तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया, निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश गन्ना, उपाध्यक्ष राजेश देरासरिया, मंत्री जयंतीलाल गांधी एवं किशोर मण्डल से आर्यन गोलेच्छा ने सेवा का लाभ लिया।

दिल्ली दौरा निजी था, राज्य की राजनीति से संबंधित नहीं: गृह मंत्री परमेश्वर

नेताओं से मिलने की मेरी कोई योजना नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने गुरुवार को अपने दिल्ली दौरे को कमतर आंकते हुए कहा कि यह एक निजी यात्रा थी और उन्होंने राज्य की राजनीति पर चर्चा नहीं की। हालांकि, सूत्रों ने दावा किया कि उनका दौरा कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को बदलने के लिए चल रहे प्रयास का हिस्सा था। सूत्रों के अनुसार, हाशिए पर पड़े समुदायों के कई वरिष्ठ नेता शिवकुमार के खिलाफ एकजुट हो गए हैं, जिन्होंने कथित तौर पर उनकी बैठकों को रोकने का प्रयास किया है। मंत्री सतीश जारकीहोली और के एन राजन्ना ने अलग-अलग दिल्ली का दौरा किया और पार्टी हाईकमान से खुले तौर पर शिवकुमार को राज्य प्रमुख के रूप में बदलने का आग्रह किया। सूत्रों ने कहा कि परमेश्वर का दौरा कथित तौर पर इन प्रयासों की अगली कड़ी है। जारकीहोली, राजन्ना और परमेश्वर, सभी प्रमुख दलित नेता, कथित तौर पर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के पीछे लामबंद हो गए और शिवकुमार के खिलाफ हो गए, खासकर तब जब उच्च न्यायालय ने उनके खिलाफ सीबीआई जांच की मांग करने वाली याचिका को खारिज कर दिया। शिवकुमार को मुख्यमंत्री पद के लिए एक मजबूत दावेदार के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, बेंगलूरु में पत्रकारों से बात करते हुए परमेश्वर ने कहा सबसे पहले मेरा दिल्ली दौरा निजी कारणों से था और इसका कोई राजनीतिक एजेंडा नहीं था। मैं नए एआईसीसी भवन के उद्घाटन में शामिल नहीं हुआ था। मैं केवल नए कार्यालय का दौरा करना चाहता था।

इसके अलावा, वरिष्ठ नेताओं से मिलने की मेरी कोई योजना नहीं थी। मेरे दौरे का अपने तरीके से विश्लेषण करने के लिए मीडिया का धन्यवाद। मैं इसकी सराहना करता हूं। लेकिन कोई राजनीतिक घटनाक्रम नहीं हुआ है। मैंने राज्य की राजनीति से जुड़ी कोई बात नहीं की है। छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। मेरे विचार से, राजनीति का मतलब समुदाय

और मीडिया से जुड़ना है। अगर मेरा ऐसा कोई एजेंडा होता, तो मैं इसे आपके साथ साझा करने में संकोच नहीं करता। मैंने कभी भी मुख्यमंत्री को बदलने या शिवकुमार को राज्य पार्टी अध्यक्ष के रूप में बदलने के बारे में नहीं कहा। यह आपकी जानकारी के लिए है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने हाशिए के समुदायों के लिए एक सम्मेलन आयोजित करने पर चर्चा की है, तो उन्होंने जवाब दिया मैंने शोषित वर्गों के सम्मेलन के बारे में कुछ भी चर्चा नहीं की है, न ही मैंने राजनीति पर चर्चा की है। मेरी यात्रा एक शिष्टाचार भेंट थी, और मैंने केवल राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) से बात की, जो कार्यालय में उपलब्ध थे। अगर मेरा कोई राजनीतिक एजेंडा होता तो मैं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिलता। मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं। उन्होंने कहा राज्य की राजनीति के बारे में कोई अनौपचारिक चर्चा भी नहीं हुई। हालांकि हम जो भी चर्चा करते हैं, उसे सार्वजनिक रूप से साझा नहीं किया जा सकता, लेकिन इस मामले में कोई राजनीतिक चर्चा नहीं हुई। कुछ भी गुप्त रूप से करने की कोई आवश्यकता नहीं है। पत्रकारों द्वारा आगे पूछे जाने पर उन्होंने कहा मैं राजनीतिक सवालों का जवाब नहीं दूंगा और न ही उन पर बोलूंगा। नकद प्रोत्साहन गारंटी लागू करने में देरी के बारे में पूछे जाने पर परमेश्वर ने स्वीकार किया गारंटियां दी जा रही हैं। मैं मानता हूं कि देरी हुई है, लेकिन भविष्य में प्रक्रिया को व्यवस्थित किया जाएगा। हमने गारंटी लागू की है। उन्होंने एक सवाल का जवाब देते हुए दोहराया कृपया राजनीतिक सवाल न पूछें।

मुडा मामले में सीबीआई जांच की कोई जरूरत नहीं

मीडिया को अपना दृष्टिकोण बदलने और सीधे सवाल पूछने की जरूरत है। सिद्धरामैया को क्लीन चिट दिए जाने पर भाजपा की आपत्ति के बारे में परमेश्वर ने कहा हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया है कि मुडा मामले में सीबीआई जांच की कोई जरूरत नहीं है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि एक ही मामले की दो एजेंसियों द्वारा जांच करना कानून के खिलाफ है। इसके अलावा, अगर लोकायुक्त ने क्लीन चिट दे दी है और भाजपा खुद जांच पर सवाल उठा रही है, तो उन्हें समझना चाहिए कि रिपोर्ट सबूतों पर आधारित है। अगर सबूत नहीं थे, तो लोकायुक्त कैसे निष्कर्ष पर पहुंच सकते थे? उन्होंने कहा भाजपा चाहती है कि सब कुछ उसके हिसाब से हो। मुझे समझ में नहीं आता कि यह किस तरह की राजनीति है। अगर वे सीबीआई जांच चाहते हैं, तो उन्हें कोर्ट में जाकर अपनी दलील देनी चाहिए। लोकायुक्त एक स्वतंत्र संस्था है और सरकार उसके फैसलों में हस्तक्षेप नहीं करती है।

ट्रेन की चपेट में आने से तीन की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के बाहरी इलाके सिद्धनायकनहल्ली के पास बुधवार को ट्रैक पर वीडियो रिकॉर्ड करते समय एक पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आने से तीन युवकों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान राहुल (18), विकास (20) और लल्लन (24) के रूप में हुई है। मृतक उत्तर प्रदेश के अलग-अलग इलाकों से थे और डोड्डबल्लापुरा में बढ़ई का काम करते थे। जांच के दौरान पता चला कि तीनों अपने मोबाइल फोन पर वीडियो रिकॉर्ड कर रहे थे, ताकि उन्हें सोशल मीडिया पर रील के रूप में पोस्ट कर सकें। पुलिस ने बताया कि जब वे वीडियो रिकॉर्ड कर रहे थे, तभी वे एक पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आ गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। यशवंतपुरा रेलवे पुलिस ने अप्राकृतिक मौत की रिपोर्ट (यूडीआर) दर्ज की है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आफत बांधव चैरिटेबल ट्रस्ट एवं कर्नाटका रक्षणा वेदिके के संयुक्त तत्वावधान में चंद्रा लेआउट में बेंगलूरु नगर हब्बा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत को ट्रस्ट के प्रसाद शेट्टी एवं सतीश ने सम्मानित किया।

हम जानते थे कि मुख्यमंत्री ने कुछ भी गलत नहीं किया: महादेवप्पा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उनकी पत्नी और दो अन्य को मुडा द्वारा मुआवजा स्थलों के आवंटन में कथित अनियमितताओं के मामले में लोकायुक्त पुलिस द्वारा क्लीन चिट दिए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मैसूरु जिले के प्रभारी मंत्री एच.सी. महादेवप्पा ने गुरुवार को कहा कि यह मुख्यमंत्री और उनके परिवार के सदस्यों को बदनाम करने के लिए एक राजनीतिक साजिश के अलावा कुछ नहीं है। महादेवप्पा ने कहा, हम जानते थे कि मुख्यमंत्री बेदाग निकलेंगे, क्योंकि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। सरकार को अस्थिर करने और कांग्रेस पार्टी को बदनाम करने के एकमात्र उद्देश्य से, केंद्र और राज्य में भाजपा ने कथित मामले को आगे बढ़ाते हुए साजिश रची, जबकि उन्हें पता था कि कानून का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है और राजनीतिक शक्तियों का कोई उपयोग नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, मैंने शुरू में ही यह कहा था और मेरा तर्क सही साबित हुआ है। कम से कम अब विपक्ष को मुख्यमंत्री के खिलाफ झूठा प्रचार बंद कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब कोई गलत काम न हो तो राजनीतिक कारणों से नेताओं को बदनाम न करें। जब गठबंधन सहयोगियों द्वारा मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर बेंगलूरु से मैसूरु तक पदयात्रा के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि गठबंधन सहयोगियों के नेताओं को अपनी अंतरात्मा से सवाल करना चाहिए। विपक्ष ने सरकार को अस्थिर करने का हरसंभव प्रयास किया। जब कानून का उल्लंघन और राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं हुआ तो वे जांच से क्या उम्मीद कर सकते हैं। भाजपा और जद-एस पर कथित मुडा मामले का इस्तेमाल मुख्यमंत्री पर हमला करने और उन्हें पद छोड़ने के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री की कुर्सी हिलाने की कोशिश की लेकिन कुछ हासिल नहीं हो सका क्योंकि सिद्धरामैया अपनी अंतरात्मा से मजबूत होकर उभरे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या सिद्धरामैया अटकलों के बावजूद मुख्यमंत्री बने रहेंगे, मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री को बदलने का सवाल ही नहीं उठता। पार्टी विधायकों ने उन पर विश्वास जताते हुए उन्हें नेता चुना है। उन्होंने कहा कि पार्टी हाईकमान ने सिद्धरामैया का समर्थन किया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में एक जोड़े का शव बरामद

चिक्कमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक पुलिस ने सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील चिक्कमगलूरु जिले के दसराहल्ली गांव से गुरुवार को संदिग्ध परिस्थितियों में एक जोड़े के शव बरामद किए। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि युगल बेंगलूरु का रहने वाला था। युवती का शव कार के अंदर मिला, जबकि युवक का शव वाहन के पास एक पेड़ की टहनी से लटका मिला। 25 से 30 वर्ष की आयु के युगल रहस्यमय परिस्थितियों में पाए गए। पुलिस को महिला के गले पर गला घोंटने के निशान मिले, और कथित तौर पर पुरुष ने खुद को फांसी लगाने के लिए दुपट्टे का इस्तेमाल किया था। हालांकि, अधिकारियों को संदेह है कि इसमें कुछ गड़बड़ है, क्योंकि दुपट्टा पुरुष के वजन को सहन करने के लिए पर्याप्त मजबूत नहीं था।

इसके अलावा, वाहन के दो पहिए सड़क के किनारे एक छोटे से गड्ढे में फंसे पाए गए, जिससे और संदेह पैदा हो गया। पुलिस जांच कर रही है कि क्या इस घटना में कोई बाहरी संलिप्तता थी। बेंगलूरु में पंजीकृत कार पर पीले रंग का बोर्ड लगा है। पुलिस को संदेह है कि वह व्यक्ति बेंगलूरु के पास मगदी शहर का रहने वाला ड्राइवर हो सकता है, लेकिन महिला के बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। दोनों मृतकों की पहचान की पुष्टि होनी बाकी है। ग्रामीण पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया है और जांच कर रही है। पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है और मृतक के माता-पिता द्वारा दर्ज कराई गई गुमशुदगी की शिकायतों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। यह मामला एक अन्य ऐसी घटना की तर्ज पर लगता है, जिसमें 20 वर्षीय छात्रा और उसका 25 वर्षीय प्रेमी, जो तीन दिनों से लापता थे, 3 जुलाई, 2024 को बेंगलूरु के बाहरी इलाके तलघट्टापुरा में नाइस रोड पर एक झील में मृत पाए गए थे। बीबीए की पढ़ाई कर रही अंजना और श्रीकांत के बीच कथित तौर पर प्रेम संबंध थे, जिसका उनके परिवारों ने विरोध किया था। दोनों ने अपने पीछे एक सुसाइड नोट छोड़ा है, जिसमें उन्होंने इस कदम की जिम्मेदारी ली थी। दोनों परिवारों ने पुलिस में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। घटना तब प्रकाश में आई जब राहगीरों ने झील में शव तैरते हुए देखे और पुलिस को इसकी सूचना दी।

मुडा घोटाला मामला : 11,200 पन्नों की रिपोर्ट अदालत को सौंपी गई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

लोकायुक्त ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) के अवैध भूमि अधिग्रहण मामले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उनके परिवार के सदस्यों को क्लीन चिट दे दी है, जिससे राज्य की राजनीति में भारी हलचल मच गई है। मामले की जांच करने वाले मैसूरु के लोकायुक्त एस.पी. उदेश ने गुरुवार को बेंगलूरु स्थित विशेष जनप्रतिनिधि न्यायालय के न्यायमूर्ति संतोष गजानन भट की पीठ को सीलबंद लिफाफे में लगभग 11,200 पृष्ठों की रिपोर्ट सौंपी। अदालत ने अगली सुनवाई आगामी सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी है। पुलिस ने 50 लोगों के बयान दर्ज किए हैं और 27 खंडों वाली 11,200 पृष्ठों वाली जांच रिपोर्ट को बी रिपोर्ट बताया है।

जांच में पाया गया कि साइट आवंटन घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की कोई भूमिका नहीं थी। इसके अलावा, आरोपों के समर्थन में साक्ष्य के अभाव के कारण बी-रिपोर्ट भी दायर की गई। लोकायुक्त ने इस संबंध में शिकायतकर्ता स्नेहमयी कृष्णा को नोटिस जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि सीएम सिद्धरामैया, उनकी पत्नी पार्वती, उनके भाई मल्लिकार्जुन स्वामी और सिद्धरामैया के बेटे यतींद्र के खिलाफ आरोपों को साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं मिला है। इससे पहले कर्नाटक लोकायुक्त ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) भूमि आवंटन मामले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उनके परिवार के सदस्यों को क्लीन चिट दे दी है। सिद्धरामैया को मामले में पहला आरोपी बनाया गया था, जबकि उनकी पत्नी बी एम पार्वती और उनके साले मल्लिकार्जुनस्वामी को क्रमशः दूसरा और तीसरा आरोपी बनाया गया था। भूस्वामी जे देवराजू को चौथा आरोपी बनाया गया था।

आरोपों में दावा किया गया था कि सिद्धरामैया ने 3.16 एकड़ भूमि के बदले में मुडा से अपनी पत्नी के नाम पर 14 साइटों का आवंटन धोखाधड़ी से हासिल किया। हालांकि, जांच के बाद लोकायुक्त ने सभी आरोपियों को गलत काम करने से मुक्त कर दिया। लोकायुक्त ने याचिकाकर्ता स्नेहमयी कृष्णा को एक नोटिस के माध्यम से यह निर्णय सुनाया, जिसमें उन्हें सूचित किया गया कि यदि वे निष्कर्षों को चुनौती देना चाहते हैं तो वे एक सप्ताह के भीतर मजिस्ट्रेट से संपर्क कर सकते हैं। पुलिस अधीक्षक टी जे उदेश ने नोटिस में कहा कि जांच से यह निष्कर्ष निकला है कि मामला दीवानी प्रकृति का है और इसमें आपराधिक कार्यवाही की आवश्यकता नहीं है। आरोप या तो गलत धारणा या कानून की गलत व्याख्या पर आधारित पाए गए, और कोई कार्रवाई शुरू नहीं की जा सकी। नोटिस में आगे कहा गया है कि सिद्धरामैया और अन्य आरोपियों के खिलाफ कोई सबूत नहीं मिला है और अंतिम रिपोर्ट को अदालत ने स्वीकार कर लिया है। हालांकि, मुडा द्वारा 50:50 अनुपात के तहत साइटों के आवंटन में कथित अनियमितताओं की आगे जांच की जाएगी, जिसमें सीआरपीसी की धारा 173(8) के तहत अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी।

अपनी अंतरात्मा से समझौता किया

इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए स्नेहमयी कृष्णा ने कहा पूरा देश इस रिपोर्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहा था और अब लोकायुक्त अधिकारी, जो इसे अदालत में प्रस्तुत करने की तैयारी कर रहे हैं, ने मुझे नोटिस जारी किया है। ऐसा लगता है कि मेरे आरोपों का समर्थन करने के लिए कोई सबूत नहीं है। केवल वे अधिकारी ही ऐसी रिपोर्ट पेश कर सकते हैं जिन्होंने अपनी अंतरात्मा से समझौता किया हो। उन्होंने आरोप लगाया यह मामला इस बात का ज्वलंत उदाहरण है कि कैसे जांच अधिकारी 'दबाव' में ऐसे व्यवहार करते हैं जैसे कि उन्हें आरोपों का समर्थन करने वाले सबूतों के बारे में पता ही न हो।

मुडा मामला राजनीति से प्रेरित है

सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ साजिश रची गई: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि मुडा मामला राजनीति से प्रेरित है। उन्होंने इस बात पर असंतोष व्यक्त किया कि संपत्ति के बदले मुआवजे की मांग को अपराध बताकर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ साजिश रची गई। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा हमें पता है कि भाजपा ने लोकायुक्त मामले में अपनी दलीलें पेश करने के लिए दिल्ली से वकीलों को बुलाया है। उन्होंने कहा हम सभी समझते हैं कि इसके पीछे किस तरह की राजनीति है। लोकायुक्त जांच मुख्यमंत्री या किसी अन्य के कहने पर नहीं की गई थी। मुकदमा अदालत की निगरानी में चल रहा है। इसके अलावा, लोकायुक्त भी चुनाव आयोग की तरह एक पूर्ण स्वायत्त निकाय है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री की ओर से कोई हस्तक्षेप नहीं किया गया। उन्होंने शुरुआत में मुडा मामले के बारे में एक बयान दिया था, लेकिन उसमें कोई सबूत नहीं है। मैंने भाजपा के अचानक मार्च के दौरान बयान दिया था कि मुख्यमंत्री द्वारा हस्ताक्षरित कोई भी कागजात नहीं थे। मुडा मामला भाजपा और जेडीएस की साजिश है। उन्होंने कहा कि ऐसा लंबे समय तक नहीं होगा। जब मुझसे मुडा मामले में लोकायुक्त द्वारा बी रिपोर्ट प्रस्तुत करने और सिद्धरामैया को क्लीन चिट देने के बारे में पूछा गया तो मैंने इस मामले की शुरुआत में ही यह बात कह दी थी। जब भाजपा और जेडीएस ने बेंगलूरु से मैसूरु तक मार्च किया तो मैंने वही कहा जो मुझे कहना था। यह राजनीति से प्रेरित आरोप है। सिद्धरामैया की भूमिका कैसे स्थापित की जा सकती है, जब उनके पास किसी भी दस्तावेज पर हस्ताक्षर नहीं हैं और उनका कोई संबंध भी नहीं है? जिन लोगों ने अपनी संपत्ति खो दी है, उनके लिए मुआवजे की मांग करना स्वाभाविक है। उन्होंने हमसे कभी भी ऐसी ही जगह पर जमीन देने के लिए नहीं कहा। हालाँकि, अनावश्यक भ्रम से बचने के लिए उन्होंने इन साइटों को वापस कर दिया है। कोई भी मामला दायर करते समय सहायक दस्तावेज की आवश्यकता होती है। लोकायुक्त संस्था ने अपना कर्तव्य निभाया है। भाजपा को अपनी लड़ाई खुद लड़ने दीजिए। क्या हम नहीं जानते कि दलीलें पेश करने के लिए दिल्ली से वकील कैसे बुलाएं? यह भाजपा और जेडीएस पार्टियों की चाल है। उन्होंने कहा कि यह ज्यादा दिन तक नहीं चलेगा।

जब उनसे भाजपा के इस आरोप के बारे में पूछा गया कि लोकायुक्त संस्था सरकार की इच्छा के आगे झुक रही है, तो उन्होंने कहा क्या आप जानते हैं कि सर्वोच्च न्यायालय का फैसला क्या है? स्थानीय स्तर पर किसी भी संस्था को कमजोर न करने का निर्देश दिया गया है। उच्च न्यायालय ने यह भी कहा है कि लोकायुक्त एक स्वायत्त निकाय है। वे अपना काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री कोई भी हो, चाहे बोम्मई मुख्यमंत्री हों, क्या लोकायुक्त पुलिस मुख्यमंत्री की बात सुनेगी? यहां मुख्यमंत्री का कोई हस्तक्षेप नहीं है। यहां जो भी अधिकारी नियुक्त होगा, वह काम लोकायुक्त की अनुमति से ही होगा। उन्होंने कहा कि यहां केवल कर्नाटक के अधिकारी ही चुने जाते हैं, अन्य राज्यों के अधिकारी नहीं चुने जाते। जब उनसे विजयेंद्र के इस बयान के बारे में पूछा गया कि सरकारी खजाने में पैसा नहीं है, तो उन्होंने कहा कि वह इसका जवाब किसी और समय देंगे।

लोकायुक्त की क्लीन चिट फर्जी क्लीन चिट

यदि 14 साइटें अवैध रूप से अधिग्रहित नहीं की गई थीं, तो उन्हें वापस क्यों किया गया: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेन्द्र ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने अपने गारंटी के लिए लगभग 14-15 हजार करोड़ रुपये का उपयोग किया है, जिसका उपयोग पिछले बजट में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के विकास के लिए किया जाना चाहिए था। मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए उन्होंने बताया कि आज 'एससीपी-टीएसपी फंड का दुरुपयोग करने वाली दलित विरोधी राज्य कांग्रेस सरकार के खिलाफ जन आंदोलन' पर प्रारंभिक कार्यशाला आयोजित की गई है। अब, एक और बजट प्रस्तुति निकट आ रही है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि ऐसे लोग भी हैं जो गारंटी के लिए 18 से 20 हजार करोड़ रुपये का उपयोग कर रहे हैं। हमारे नेता आगामी दिनों में 14 टीमों के साथ दौरा करेंगे।

उन्होंने घोषणा की कि भाजपा लोकसभा क्षेत्रों और जिला मुख्यालयों में जाकर प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगी और जागरूकता बढ़ाएगी। कुल मिलाकर, उनकी मांग थी कि अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आवंटित धन का उपयोग उनके लिए किया जाना चाहिए। मुडा मामले में क्लीन

चिट के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा प्रियांक खड़गे, सभी विभागों के मंत्री क्या कहते हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मुडा घोटाले में लोकायुक्त या पुलिस द्वारा दी गई बी रिपोर्ट से उन्हें कोई आश्चर्य नहीं हुआ। उन्होंने कहा हमने यह बात पहले भी कई बार कही है। जब लोकायुक्त जांच कर रहे थे, तो मुख्यमंत्री के परिवार के सदस्य रात 8-9 बजे लोकायुक्त कार्यालय जाते थे, जैसे कि वे अपने ससुराल जा रहे हों। मैसूरु मुडा घोटाले में करीब 5 हजार करोड़ रुपये की अवैधता थी। सिद्धरामैया ने शुरू में कहा था कि मुडा में कोई घोटाला नहीं हुआ है। उन्होंने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया कि उनके परिवार को 14 भूखंड अवैध रूप से नहीं मिले थे। भाजपा-जेडीएस ने इस मुद्दे को उठाया और बेंगलूरु से मैसूरु तक मार्च निकाला। उन्होंने बताया कि सिद्धरामैया ने हमारे संघर्ष के दबाव के आगे झुकते हुए रातों-रात मुडा को एक पत्र लिखकर 14 साइटें वापस कर दी। उन्होंने मुख्यमंत्री से सवाल किया अगर 14 भूखंड अवैध रूप से अधिग्रहित नहीं किए गए थे, तो उन्हें वापस क्यों किया गया? उन्होंने आपत्ति जताई कि लोकायुक्त की क्लीन चिट फर्जी क्लीन चिट है। यह जांच स्वयं मुख्यमंत्री द्वारा चयनित अधिकारियों द्वारा की गई थी। इससे और क्या उम्मीद की जा सकती है? उन्होंने कहा कि वह वरिष्ठ नेताओं से इस बारे में चर्चा करेंगे कि भाजपा को इस बारे में क्या करना चाहिए। मैं यतनाल के आरोपों का एक बार और हमेशा के लिए जवाब देने जा रहा हूं। प्रतिदिन उत्तर नहीं दे सकते। उन्होंने कहा कि वह प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर पार्टी को संगठित करने में व्यस्त हैं।

लोकायुक्त द्वारा क्लीन चिट दिए जाने का मामला

जीटी देवेगौड़ा ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया का किया बचाव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जनता दल (सेक्युलर) के वरिष्ठ नेता और चामुंडेश्वरी के विधायक जी.टी. देवेगौड़ा, जो अपनी पार्टी के साथ उलझन भरे रिश्ते में हैं, ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया का बचाव किया है, क्योंकि लोकायुक्त पुलिस ने उनकी पत्नी को मुडा द्वारा भूखंड आवंटित करने में कथित अनियमितताओं की जांच में उन्हें क्लीन चिट दे दी है। मैसूरु में गुरुवार को मीडियाकर्मियों से बात करते हुए देवेगौड़ा ने मुख्यमंत्री के पद छोड़ने की जल्दबाजी में की गई मांग की आलोचना की। उन्होंने जोर देकर कहा कि केवल एफआईआर दर्ज होने से दोष सिद्ध नहीं होता। उन्होंने कहा केवल एफआईआर दर्ज होने के कारण इस्तीफे की मांग करना अनुचित है। जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों के बारे में लोगों के मन में संदेह के बीज नहीं बोना जरूरी है। इसी बात को जारी रखते हुए देवेगौड़ा ने कहा कि अगर एफआईआर में नामजद सभी लोगों को इस्तीफा देना पड़ता है, तो केंद्र के मंत्रियों सहित अधिकांश मंत्रियों को

भी इस्तीफा देना होगा। उन्होंने कहा कि केवल एफआईआर दर्ज होने से कोई दोषी नहीं हो जाता। उन्होंने अपनी पिछली टिप्पणी दोहराई कि सीएम की पत्नी पार्वती, जो मुडा घोटाले में कथित लाभार्थी थीं, कभी सार्वजनिक जीवन में नहीं रहीं और उनके भाई मल्लिकार्जुनस्वामी बड़े पैमाने पर रियल एस्टेट विकास में शामिल नहीं थे। उन्होंने कहा लोग सिद्धरामैया का इस्तीफा सिर्फ इसलिए मांग रहे हैं क्योंकि मल्लिकार्जुनस्वामी सीएम के साले हैं, जो सही नहीं है। देवेगौड़ा ने विवादास्पद 50:50 भूमि विकास फॉर्मूले से संबंधित आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि इसका कर्नाटक में व्यापक रूप से पालन किया जा रहा है। उन्होंने कहा 50:50 फॉर्मूले के बिना, स्थानीय विकास प्राधिकरणों के पास अपने कर्मचारियों को वेतन देने के लिए भी धन नहीं होगा। उन्होंने बताया कि भाजपा और कांग्रेस दोनों ने इस योजना को लागू किया है, क्योंकि यह भूमि अधिग्रहण के लिए किसानों को मुआवजा देने का एकमात्र व्यवहार्य समाधान है। जेडी(एस) विधायक ने राजनीति में सिद्धरामैया के उदय पर प्रकाश डाला और कहा कि सीएम की राजनीतिक यात्रा भाग्य, दृढ़ संकल्प और गरीबों के प्रति वास्तविक प्रतिबद्धता से चिह्नित है, जो उनकी विनम्र पृष्ठभूमि से उपजी है। उन्होंने कहा सिद्धरामैया को भाग्य का अच्छा साथ मिला है और कोई भी इसे बदल नहीं सकता है। डी.के. शिवकुमार (डीकेएस) जैसे अन्य नेताओं के भविष्य के बारे में अटकलों को संबोधित करते हुए, देवेगौड़ा ने भविष्यवाणी की कि डीकेएस एक दिन सीएम बनेंगे, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि कोई भी सिद्धरामैया को उनके पद से नहीं हटा सकता। 138 विधायकों के समर्थन के साथ, कोई भी सिद्धरामैया को पद से नहीं हटा सकता। उनके पद छोड़ने की बातें निराधार हैं। देवेगौड़ा ने कहा कि जनता उन अफवाहों से तंग आ चुकी है कि सिद्धरामैया इस्तीफा देने वाले हैं और नया मुख्यमंत्री होगा। उन्होंने कहा सिद्धरामैया पूरे कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री बने रहेंगे और लोग ऐसी अफवाहों से तंग आ चुके हैं। जब मैं सच बोलता हूं तो कुछ लोग इसका गलत मतलब निकालते हैं और कहते हैं कि मैं सिद्धरामैया का समर्थन कर रहा हूं।

कश्मीरी छात्र की रैगिंग करने के आरोप में पांच एमबीबीएस छात्र गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक पुलिस ने कश्मीर के प्रथम वर्ष के छात्र की कथित रैगिंग के सिलसिले में एमबीबीएस के अंतिम वर्ष के पांच छात्रों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह घटना उत्तर कर्नाटक के विजयपुरा ग्रामीण पुलिस स्टेशन की सीमा में हुई। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान मोहम्मद कैसर (23), समीर तदापत्री (24), मंसूर बाशा (24), शेख दाऊद (23) और मोहम्मद जमादार (23) के रूप में हुई है। उन पर बीएनएस अधिनियम की धारा 155(2), 329(4), 352, 351(2), 189(2), 191(2) और 190 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना मंगलवार को विजयपुरा शहर के बाहरी इलाके में अथानी रोड पर स्थित अल अमीन मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में हुई। कथित रैगिंग कथित तौर पर क्रिकेट मैच के दौरान सीनियर्स और जूनियर्स के बीच झगड़े के बाद हुई। बाद में उस रात, आरोपी कथित तौर पर जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के प्रथम वर्ष के छात्र हमीम के छात्रावास के कमरे में घुस गए।

उन्होंने कथित तौर पर अपने मनोरंजन के लिए उसे नाचने और गाने के लिए मजबूर किया, उसे चेतावनी दी कि उसे अभी कॉलेज में चार और साल बिताने हैं। पीड़ित ने बाद में सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री, जम्मू-कश्मीर और कर्नाटक के मुख्यमंत्रियों और कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को टैग करते हुए संदेश पोस्ट किए। सूचना मिलने पर, विजयपुरा ग्रामीण पुलिस कॉलेज पहुंची और मेडिकल सुपरिंटेंडेंट, प्रिंसिपल और छात्रों से बयान एकत्र करते हुए जांच की। हमीम ने कहा उनमें से एक ने मुझे सलामी देने के लिए कहा, जबकि अन्य ने मुझे गाने और नृत्य करने के लिए मजबूर किया। जब मैंने मना किया, तो उन्होंने मेरे साथ मारपीट की। जूनियर को इस तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। हालांकि, मैंने पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई है। हालांकि, डीन, प्रिंसिपल और मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. जिलानी ए. अवती सहित कॉलेज प्रशासन ने रैगिंग की किसी भी घटना से इनकार किया है। क्रिकेट मैच के दौरान झगड़ा हुआ था, लेकिन हमने प्रारंभिक जांच की है और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हमारा संस्थान 40 वर्षों से चल रहा है और हम ऐसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं करते हैं। हमीम को कोई चोट नहीं आई है और हमने उसके माता-पिता से बात की है। पुलिस अपनी जांच कर रही है।

सीएम सिद्धरामैया ने पुरानी पेंशन योजना लागू करने का किया वादा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कांग्रेस के घोषणापत्र के अनुसार, नई पेंशन योजना के तहत आने वाले राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना को लागू करने के लिए अध्ययन समिति की रिपोर्ट के बाद कार्रवाई करने का वादा किया है।

शहर के पैलेस ग्राउंड में आयोजित बेंगलूरु शहर राज्य परिषद के सदस्यों और जिला व तालुक शाखा निदेशकों के पदाधिकारियों के सम्मेलन में ऑनलाइन बोलते हुए उन्होंने कहा कि सरकारी कर्मचारियों की इस

मांग के पक्ष-विपक्ष का अध्ययन करने के लिए एक समिति गठित की गई है कि 1 अप्रैल 2006 के बाद नियुक्त कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू की जाए। यह बैठक का अंतिम चरण है। उन्होंने आश्वासन दिया कि रिपोर्ट मिलने के बाद अधिकारियों के साथ इस पर चर्चा की जाएगी और इसे लागू किया जाएगा। इसी प्रकार, वर्ष 2015 में 7 गंभीर बीमारियों के लिए कैशलेस ज्योति संजीवनी योजना लागू की गई थी। उन्होंने कहा कि कर्नाटक आरोग्य संजीवनी योजना में तकनीकी कारणों से देरी हुई है और इसे जल्द ही लागू किया जाएगा। सरकारी कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए 1 करोड़ रुपये के ऋण सुविधा योजना को लागू करने के लिए कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है और जल्द ही शासनादेश जारी कर दिया जाएगा। सरकारी कर्मचारियों को जनता को अच्छी सेवा प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें सरकारी योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, लोकायुक्त बी.एस. पाटिल, राज्य सरकार कर्मचारी संघ के अध्यक्ष शदाक्षरी और संघ के पदाधिकारी उपस्थित थे।

कुमारस्वामी के खिलाफ भूमि हड़पने के आरोपों पर निखिल ने दी प्रतिक्रिया

केतगनहल्ली में जमीन खेती के लिए खरीदा गया था

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस की राज्य युवा शाखा के अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने कहा कि केवल एक ही भूमि है, एक ही टुकड़ा। इसे केतगनहल्ली में खेती के लिए खरीदा गया था। हम कानूनी तौर पर जो भी जरूरी होगा, उस तरीके से लड़ेंगे। शहर के एक निजी रिसॉर्ट में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने अदालत के माध्यम से केतगनहल्ली भूमि सर्वेक्षण के मुद्दे पर प्रतिक्रिया दी और कहा कि उनके पिता कुमारस्वामी ने 1985 में केतगनहल्ली में जमीन खरीदी थी। उस समय उन्होंने राजनीति में प्रवेश नहीं किया था। उन्होंने अपना करियर एक फिल्म वितरक के रूप में शुरू किया। उन्होंने कहा कि यह वही जमीन है जिसे देवेगौड़ा ने चुनाव से पहले रामनगर जिले में राजनीतिक पैर जमाने के लिए खरीदा था। अदालत ने कुछ निर्देश दिए और उनसे कुछ सर्वेक्षण संख्याएं उपलब्ध कराने तथा रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। हम कानूनी तरीके से हरसंभव तरीके से लड़ेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमने यह जमीन कृषि गतिविधियों के लिए ली है तथा वहां कोई व्यावसायिक भवन नहीं बनाया है। हम मूल किसान हैं, आप आकर किसानों

को देख सकते हैं। हमारे बगीचे में कितने सुपारी और नारियल के पेड़ हैं? यह भूमि कृषि गतिविधियों के लिए उपयोग की जाती है। चार-पांच कांग्रेस नेताओं ने इस जमीन को मीडिया के सामने पेश किया है। चाहे कुछ भी हो हम कानूनी तरीके से लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि हम इस मुद्दे को लेकर 15-20 वर्षों से आरोपों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा राज्य की कांग्रेस सरकार गारंटी योजना का पैसा केवल चुनाव के दौरान ही जारी करेगी। बाद में वे भूल जाएंगे। उन्होंने कहा हमने आगामी जिला पंचायत और तालुक पंचायत चुनावों के संदर्भ में एक बैठक की है। पार्टी सदस्यता पंजीकरण तेजी से चल रहा है। उन्होंने कहा कि बैठक में हासन, शिवमोग्गा और चिकमंगलूरु जिलों के पार्टी अध्यक्ष, विधायक, पूर्व विधायक और नेताओं ने भाग लिया। हमने बैठक में बहुत चर्चा की। आगामी चुनावों को गंभीरता से लिया गया और बैठक में सकारात्मक चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि कुमारस्वामी अगले 10 दिनों में जेडीएस विधायक और अन्य नेताओं की बैठक बुलाएंगे। देवेगौड़ा ने उन्हें लोकसभा चुनाव के दौरान पार्टी संगठन में शामिल होने का निर्देश दिया था। निखिल ने कहा कि वह पार्टी संगठन से जुड़े हुए हैं। इस अवसर पर विधायक स्वरूप प्रकाश, ए. मंजू, सी.एन. बालकृष्ण, विधान परिषद सदस्य सूरज रेवन्ना, जेडीएस जिला इकाई के अध्यक्ष के.एस. लिंगेश, पूर्व विधायक एच.के. कुमारस्वामी, नेता एन.आर. संतोष, शिवमोग्गा से शारदा अप्पाजी गौड़ा, चिकमंगलूरु से प्रसन्ना कुमार, अशोक, सुधाकर शेट्टी और अन्य उपस्थित थे। इससे पहले केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार 14 एकड़ सरकारी जमीन पर अतिक्रमण के आरोपों को लेकर उन्हें निशाना बनाने की कोशिश कर रही है। बेंगलूरु में पत्रकारों से बात करते हुए कुमारस्वामी ने दावा किया कि राज्य सरकार उन्हें फंसाने के लिए जानबूझकर विवादित केतगनहल्ली जमीन का सर्वेक्षण कर रही है। मैं किसी भी जांच का सामना करने के लिए तैयार हूं। मेरे पास यह साबित करने के लिए सभी दस्ता-वेज हैं कि यह जमीन मेरी संपत्ति है। उन्होंने कहा मैंने 40 साल पहले केतगनहल्ली जमीन खरीदी थी। संपत्ति का 10 से अधिक बार सर्वेक्षण किया जा चुका है और कई बार जांच की जा चुकी है। मुझे सभी आरोपों से मुक्त कर दिया गया है। मैं किसी भी जांच के लिए तैयार हूं, लेकिन कुछ स्थानीय कांग्रेस नेता इसे मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए, मुझे निशाना बनाया जा रहा है। वे कब तक मेरी जांच करते रहेंगे? चल रही जांच के बारे में बोलते हुए कुमारस्वामी ने कहा मेरी संपत्ति की जांच मंगलवार को पूरी हो गई। उन्हें रिपोर्ट जमा करने दीजिए। मुझे डरने की कोई बात नहीं है। वे चार दशक पहले खरीदी गई जमीन को मुद्दा बना रहे हैं। मुझे इस मामले को लेकर सीएम सिद्धरामैया की बैठकों की श्रृंखला के बारे में पता है, और मुझे पता है कि उनमें कौन-कौन शामिल हुए थे। उन्होंने पांच सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। शुरू में यह पुलिस के नेतृत्व वाली एसआईटी थी, लेकिन अब उन्होंने आईएएस अधिकारियों वाली एसआईटी गठित की है। मेरे पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है और मैं किसी भी जांच का स्वागत करता हूं।

फर्जी दस्तावेज बनाकर सरकारी जमीन नहीं खरीदी

सीएम सिद्धरामैया के विपरीत, मैंने कभी भी फर्जी दस्तावेज बनाकर सरकारी जमीन नहीं खरीदी। वह सत्ता में हैं और वह कुछ भी कर सकते हैं। उन्होंने 40 साल तक इस मामले पर सवाल नहीं उठाया, तो शिकायतकर्ता अब अचानक सामने क्यों आए हैं? 1986-87 में राजनीतिक नेता सीएम निंगप्पा और रामचंद्र ने पहले ही मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री के समक्ष इस मुद्दे को उठाया था। उन्होंने कहा, उन्होंने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि जमीन अवैध रूप से खरीदी गई थी, लेकिन उन्होंने यह दावा नहीं किया कि इस पर अतिक्रमण किया गया था या धोखाधड़ी से इसे हासिल किया गया था। मेरे पास सभी जरूरी दस्तावेज हैं। सच्चाई यह है कि हाई कोर्ट ने मुझे कोई नोटिस जारी नहीं किया है या कोई स्पष्टीकरण नहीं मांगा है।

मुडा मामले में सीएम को लोकायुक्त की क्लीन चिट

भाजपा ने मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले में कर्नाटक लोकायुक्त द्वारा मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को क्लीन चिट दिए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, राज्य भाजपा ने जोर देकर कहा कि केवल केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की जांच ही सच्चाई को उजागर कर सकती है। यहां मीडिया से बात करते हुए, विपक्ष के नेता आर. अशोक ने आरोप लगाया कि क्लीन चिट मामले को दबाने की साजिश का हिस्सा है। उन्होंने कहा स्थानांतरण और पदोन्नति चाहने वाले पुलिस अधिकारियों ने बदले में यह क्लीन चिट दी है। सच्चाई केवल सीबीआई जांच से ही सामने आ सकती है। लोकायुक्त रिपोर्ट में सुविधाजनक तरीके से अधिकारियों को दोषी ठहराया गया है, जबकि सीएम सिद्धरामैया के परिवार को निर्दोष बताया गया है। यह केवल क्लीन चिट नहीं है। अधिकारियों ने अपने अपराधों को धो डाला है। मुख्यमंत्री के कानूनी खर्चों पर सवाल उठाते हुए अशोक ने कहा अगर मामले में कुछ भी गलत नहीं था, तो सिद्धरामैया ने महंगे, हाई-प्रोफाइल वकील क्यों रखे? स्थानीय वकीलों द्वारा केस लड़ा जा सकता था। यह एक पूर्व-नियोजित रिपोर्ट है। अगर वह दोषी नहीं थे, तो 14 साइटें क्यों वापस कर दी गईं? लोकायुक्त का दावा है कि ए1 (सिद्धरामैया),

ए2 (उनकी पत्नी बी एम पार्वती) और ए3 (उनके साले मल्लिकार्जुनस्वामी) दोषी नहीं हैं। मुख्यमंत्री पर भूमि घोटाले में मिलीभगत का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा लेआउट और भूमि हस्तांतरण एक घोटाले का हिस्सा हैं, फिर भी लोकायुक्त अज्ञानता का दावा करते हैं। सिद्धरामैया कोई मूर्ख नहीं हैं जो सीधे घोटाले में फंस जाएं- उन्होंने एक भी कॉल नहीं किया या एक भी पत्र नहीं लिखा। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि लोकायुक्त की रिपोर्ट से कांग्रेस के नेता भी परेशान हैं। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री बनने की चाहत रखने वालों की नींद उड़ गई है। उनके सपने चकनाचूर हो गए हैं। इस बीच, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने भी सीबीआई जांच की मांग की। उन्होंने सवाल किया सीबीआई जांच के लिए कांग्रेस का विरोध आश्चर्यजनक है। कांग्रेस शासन के दौरान की गई सीबीआई जांच के बारे में क्या? क्या उन्होंने एजेंसी का दुरुपयोग किया? उन्होंने मुडा मामले के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखने के भाजपा के रुख को दोहराया। उन्होंने कहा हम पार्टी के भीतर इस बात पर चर्चा करेंगे कि मामले को कानूनी रूप से कैसे आगे बढ़ाया जाए और अपनी अगली कार्रवाई कैसे तय की जाए। हमने न्याय की मांग करते हुए बेंगलूरु से सिद्धरामैया के गृहनगर मैसूरु तक मार्च किया। शुरू में, उन्होंने दावा किया कि उनका मुडा मामले से कोई संबंध नहीं है। बाद में, उन्होंने 14 साइटें वापस कर दीं और अब लोकायुक्त ने उन्हें क्लीन चिट दे दी है। इसमें न्याय कहां है? यह परिणाम अपेक्षित था। नारायणस्वामी ने कहा कि जब तक मामला सीबीआई को नहीं सौंपा जाता, तब तक सच्चाई सामने नहीं आएगी। उन्होंने आरोप लगाया सीबीआई जांच को रोकने के लिए सिद्धरामैया अदालत भी गए। उन्होंने जांच से लड़ने के लिए शीर्ष कानूनी विशेषज्ञों को नियुक्त किया और भारी रकम खर्च की। जब आरोप सामने आए तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए था। इस मामले को व्यवस्थित तरीके से दबा दिया गया है।

कारों के बीच टक्कर में तीन लोग घायल

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मणि-मैसूरु राष्ट्रीय राजमार्ग पर पॉली के पास स्थित पुलिटाडी के पास दो कारों की टक्कर में तीन लोग घायल हो गए। यह दुर्घटना तब हुई जब मेंगलूरु से पुत्तुर जा रही एक कार बीसी रोड ऑडिटोरियम में एक शादी समारोह में जा रही एक अन्य कार से टकरा गई।

शादी के लिए जा रही कार, जिसके आगे फूलों के गुलदस्ते लगे हुए थे, तेज हवाओं के कारण ड्राइवर की तरफ की खिड़की पर गुलदस्ता लगने के बाद नियंत्रण खो बैठी। इससे वाहन विपरीत लेन में चला गया और सामने से आ रही कार से जा टकराया।

मेंगलूरु से आ रही कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार तीन लोग घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए स्थानीय अस्प-ताल ले जाया गया। दुर्घटना के बाद कुछ समय के लिए राजमार्ग पर यातायात बाधित रहा। पुत्तुर यातायात पुलिस मौके पर पहुंची और वाहनों को हटाकर यातायात को सामान्य किया।

उडुपी-कासरगोड विद्युत पारेषण लाइन परियोजना के खिलाफ विशाल विरोध रैली

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उडुपी-कासरगोड 400 केवी बिजली ट्रांसमिशन लाइन और पलाडका-कडांडेल 400/220 केवी परियोजना के खिलाफ गुरुवार की सुबह शहर में बड़े पैमाने पर विरोध रैली आयोजित की गई। रैली का आयोजन कैथोलिक सभा मेंगलूरु प्रदेश, कैथोलिक सभा उडुपी प्रदेश और कई अन्य संगठनों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। बालमट्टा में सीएसआई मैदान से शुरू हुई रैली घंटाघर की ओर बढ़ी, जिसमें किसानों, पर्यावरण कार्यकर्ताओं और चिंतित नागरिकों ने भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने कृषि भूमि और वन क्षेत्र के विनाश के खिलाफ नारे लगाए, आरोप लगाया कि परियोजना को भूमि मालिकों के साथ उचित परामर्श के बिना और

कानूनी मानदंडों का उल्लंघन करके लागू किया जा रहा है। मेंगलूरु डायोसीज पीआरओ फादर जे बी सलदान्हा ने प्रदर्शनकारियों को हरी झंडी देकर रैली को रवाना किया।

यूकेटीएल-स्टरलाइट पावर द्वारा निष्पादित उडुपी-कासरगोड बिजली पारेषण परियोजना को पिछले पाँच वर्षों से कृषि और वन भूमि पर इसके प्रभाव के कारण भयंकर विरोध का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शनकारियों का दावा है कि यह परियोजना 2,300 एकड़ कृषि भूमि सहित 3,450 एकड़ से अधिक भूमि को नष्ट कर देगी, जिससे लगभग 2.65 लाख सुपारी के पेड़, 1 लाख नारियल के पेड़, 4.5 लाख मिर्च की बेलें और 2.5 लाख से अधिक अन्य बड़े पेड़ नष्ट हो जाएँगे। प्रस्तावित मार्ग से 328 घर, 26 मंदिर, 16 मस्जिद, 14 स्कूल और 13 चर्च भी प्रभावित होने की उम्मीद है। पर्यावरणीय क्षति के अलावा, उच्च-वोल्टेज बिजली लाइनों ने संभावित विकिरण जोखिम के कारण स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ भी बढ़ा दी हैं। प्रदर्शनकारियों को डर है कि ट्रांसमिशन लाइनों द्वारा उत्सर्जित विद्युत चुम्बकीय तरंगों से निवासियों और पशुओं में कैंसर, बांझपन और अन्य स्वास्थ्य जटिलताओं का खतरा बढ़ सकता है। रैली को कई संगठनों ने समर्थन दिया, जिसमें कासरगोड 400 केवी और पलाडका-कडांडेल 400/220 केवी पावर ट्रांसमिशन लाइन विपक्षी विरोध समिति संघ, आईसीएम मेंगलूरु सूबा, रायता संघ-हसिरू सेने, भारतीय किसान संघ (आर) कर्नाटक प्रदेश, परिसर संगमा-जीवा संकुला पारा वेदिके और उडुपी जिला कृषिकारा संघ शामिल हैं। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से आग्रह किया है कि वह परियोजना पर आगे बढ़ने से पहले तत्काल कार्रवाई करे और उनकी चिंताओं का समाधान करे।

मदरसे में मामूली बात पर 11 वर्षीय लड़की पर शारीरिक हमला, आरोपी गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पुलिस ने गुरुवार को बताया कि यहां एक मदरसे में 11 वर्षीय लड़की के साथ एक व्यक्ति ने मारपीट की। उन्होंने बताया कि हेगड़े नगर में 16 फरवरी को हुई घटना मदरसे के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरों में भी कैद हो गई।

मामले के बारे में पीड़िता की मां ने बुधवार को दर्ज कराई गई अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि उनकी बेटी को जुलाई 2024 में मदरसे और उसके छात्रावास में 5वीं कक्षा में दाखिला मिला था। पुलिस ने बताया कि छात्रावास प्रभारी का बेटा मोहम्मद हसन अक्सर छात्रावास आता-जाता था। 16 फरवरी को शाम करीब 4.30 बजे लड़की को कार्यालय में बुलाया गया, जहां हसन ने कथित तौर पर चावल गिराने और खेलते समय छात्रावास की अन्य लड़कियों से झगड़ा करने के आरोप में उसे हाथों और लात-घूंसों से पीटा। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि कोथनूर पुलिस थाने ने किशोर न्याय अधिनियम की धारा 75 (बच्चों के साथ क्रूरता के लिए दंड) और भारतीय न्याय संहिता की धारा 115 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना) के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

बजट के बाद नंदिनी दूध की कीमत में 5 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की उम्मीद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पहले से ही आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों से परेशान लोगों को आने वाले दिनों में और भी अधिक आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। मार्च में चाय, कॉफी, दही और अन्य डेयरी उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। 7 मार्च को राज्य का बजट पेश होने के बाद नंदिनी दूध की कीमत में 5 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी होगी। साथ ही, दूध की मात्रा को मौजूदा 1,050 मिली प्रति पैकेट से समायोजित करके एक पूरा लीटर कर दिया जाएगा। इस संशोधन के साथ, एक लीटर नंदिनी टोंड दूध की कीमत बढ़कर 47 रुपये हो जाएगी। यह पिछले तीन वर्षों में कर्नाटक मिल्क फेडरेशन (केएमएफ) द्वारा की गई सबसे अधिक मूल्य वृद्धि है। इससे पहले, 2022 में दूध की कीमत में 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी। 2024 में, केएमएफ ने प्रति पैकेट 2 रुपये की कीमत बढ़ाई थी जबकि प्रति पैकेट मात्रा में 50 मिलीलीटर की वृद्धि की थी। हालांकि, केएमएफ के अनुसार, चूंकि 2024 में कुल दूध की आपूर्ति बढ़ गई थी, इसलिए कीमतों में कोई बड़ी बढ़ोतरी नहीं हुई है। कॉफी ब्रूअर्स एसोसिएशन द्वारा मार्च तक कॉफी पाउडर के लिए 200 रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि की घोषणा के बाद दूध की कीमतों में वृद्धि उपभोक्ताओं के लिए एक और झटका है। इसके अतिरिक्त, बीएमटीसी बसों और नम्मा मेट्रो के लिए टिकट की कीमतें भी बढ़ा दी गई हैं। राज्य सरकार पानी के शुल्क में भी वृद्धि करने की प्रक्रिया में है। इस बीच, बिजली आपूर्ति कंपनियों (एस्कॉम) ने आगामी वित्तीय वर्ष के लिए बिजली दरों में 67 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि करने के लिए कर्नाटक विद्युत नियामक आयोग को एक अनुरोध प्रस्तुत किया है। केएमएफ के प्रबंध निदेशक बी शिवस्वामी ने बताया डेयरी किसानों ने 5 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की मांग की है, लेकिन अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री के पास है। इसे राज्य के बजट के बाद लागू किया जाएगा। शिवस्वामी ने बताया हम रोजाना 85-89 लाख लीटर दूध इकट्ठा करते थे। अब यह संग्रह बढ़कर 99 लाख लीटर प्रतिदिन हो गया है, कभी-कभी इससे भी ज्यादा। हालांकि, हमारी दैनिक आपूर्ति 79-81 लाख लीटर है, जिसका मतलब है कि हमारे पास अधिशेष दूध है। यह अधिशेष बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों की तुलना में कर्नाटक में दूध की कीमतें अन्य राज्यों में ऑनलाइन बेचे जाने वाले दूध की कीमतों से कम हैं। सिद्धांत रूप में, बढ़ी हुई लागत से किसानों को लाभ होना चाहिए। हालांकि, हाल के दिनों में, कर्मचारी संघों ने वेतन और पेंशन पर 7वें वेतन आयोग की सिफारिशों के कार्यान्वयन सहित कई मांगें उठाई हैं। इसलिए, सभी कारकों पर विचार किया जाना चाहिए।

पीयूसी और एसएसएलसी परीक्षा के लिए सभी तैयारियां पूरी: मंत्री मधु बंगारप्पा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्कूल शिक्षा और साक्षरता मंत्री मधु बंगारप्पा ने कहा कि चालू वर्ष 2024-25 की दूसरी पीयूसी और एसएसएलसी परीक्षा-1 मार्च और अप्रैल के महीनों में आयोजित करने की सभी तैयारियां कर ली गई हैं। एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि परीक्षा आयोजित करने के लिए स्कूल परीक्षा एवं मूल्यांकन बोर्ड द्वारा सभी तैयारियां कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि दूसरी पीयूसी परीक्षा 1 से 20 मार्च तक तथा एसएसएलसी परीक्षा 21 मार्च से 4 अप्रैल तक आयोजित की जाएगी। पीयूसी के लिए 7,13,862 छात्रों और एसएसएलसी परीक्षा के लिए 8,96,447 छात्रों ने पंजीकरण कराया है। दूसरी पीयूसी परीक्षा के लिए 5,050 कॉलेजों ने और एसएसएलसी परीक्षा के लिए

15,881 स्कूलों ने पंजीकरण कराया है। द्वितीय पीयूसी परीक्षा के लिए 1171 परीक्षा केन्द्र, 2,342 स्थानीय सतर्कता दल, 504 टोही सतर्कता दल, 365 प्रश्न पत्र वितरण चैनल, 1,171 परीक्षा केन्द्र मुख्य अधीक्षक, उप/संयुक्त अधीक्षक, उत्तर पत्रक/प्रश्न पत्र संरक्षक नियुक्त किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि उत्तर पु-स्तिकाओं का मूल्यांकन 76 केंद्रों पर होगा और 31,000 मूल्यांकनकर्ता भाग लेंगे। एसएसएलसी परीक्षा के लिए 2,818 परीक्षा केंद्र और स्थानीय सतर्कता केंद्र होंगे। जिला स्तर पर 410 तथा तालुका स्तर पर 1,662 टोही एवं सतर्कता टीमें होंगी। प्रश्नपत्र वितरण के लिए 1,117 चैनल और 2,818 परीक्षा केंद्र अधीक्षक हैं। उप/संयुक्त अधीक्षकों की संख्या 958 है और वे 2818 उत्तर पु-स्तिकाओं/प्रश्न पत्रों के संरक्षक हैं। मंत्री ने बताया कि 240 केंद्रों पर 65,000 मूल्यांकनकर्ता उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करेंगे। परीक्षा के दौरान वेबकास्टिंग की जाएगी। छात्र बिना किसी डर या चिंता के आत्मविश्वास और खुशी के साथ परीक्षा लिख सकते हैं। जो छात्र पढ़ाई में पिछड़ रहे थे, उन्हें विशेष कक्षाओं के माध्यम से सक्षम बनाया गया है। इस बार भी तीन परीक्षाएं होंगी। इसमें कोई रियायती अंक नहीं होगा। उन्होंने कहा कि कोविड से पहले जो नियम थे, वही लागू रहेंगे। जिला कलेक्टर और जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों ने इस बार एसएसएलसी और पीयूसी परीक्षाओं के संचालन के लिए विशेष ध्यान रखा है। उन्होंने कहा कि जिन जिलों और तालुकों में परिणाम कम रहे हैं, वहां परिणाम बढ़ाने के लिए कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि हिजाब का मुद्दा अदालत में होने के कारण अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। कल्याण कर्नाटक क्षेत्र से सहायता प्राप्त शिक्षकों और शिक्षकों की नियुक्ति के लिए कदम उठाए गए हैं। 15,000 शिक्षकों की भर्ती की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री से बजट में 5000 कमरों के लिए धनराशि उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकारी कॉलेजों में विज्ञान और वाणिज्य विभागों की काफी मांग है। संवाददाता सम्मेलन में स्कूल शिक्षा विभाग की प्रधान सचिव रश्मि महेश, प्री-यूनिवर्सिटी शिक्षा विभाग की निदेशक सिंधु रूपेश, लोक शिक्षण विभाग के आयुक्त त्रिलोक चंद्र, परीक्षा एवं मूल्यांकन बोर्ड के अध्यक्ष बसवराजेंद्र सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

दिल्ली में आ गई भाजपा की सरकार

रेखा गुप्ता ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली

छह मंत्रियों का भी हुआ शपथ ग्रहण

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता ने आज शपथ ली। उनके साथ छह कैबिनेट मंत्रियों ने भी शपथ ली। दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना ने मुख्यमंत्री और मंत्रियों को शपथ दिलाई।

दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता के शपथ लेने के साथ ही प्रवेश वर्मा, आशीष सूद, मनजिंदर सिरसा, रवींद्र इंद्राज, कपिल मिश्रा और पंकज सिंह ने मंत्री पद की शपथ ली।

शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित भाजपा के शीर्ष नेता मौजूद थे। कई राज्यों के मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री भी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। महाराष्ट्र, गोवा, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री मंच पर दिखे। इसके साथ ही एनडीए के सहयोगी आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और

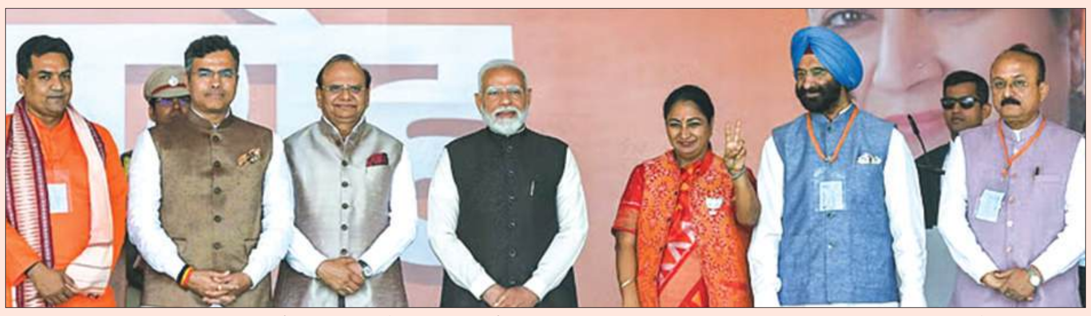

उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण की मौजदूगी भी खास रही। मंच पर आम आदमी पार्टी (आपा) की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल की उपस्थिति भी खास तौर पर रेखांकित की गई।

भाजपा नेतृत्व का आभार जताते हुए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पार्टी के वादों को पूरा करने और सभी 48 भाजपा विधायकों के साथ मिलकर काम करने की दृढ़ता जताई। उन्होंने कहा, यह एक बड़ी जिम्मेदारी है। मैं पीएम मोदी और भाजपा आला कमान का धन्यवाद करती हू कि उन्होंने मुझ पर भरोसा जताया। मैं अपनी जिम्मेदारी पूरी ईमानदारी से निभाऊंगी। मेरी पहली प्राथमिकता हमारी पार्टी की ओर से किए गए सभी वादों को पूरा करा है। दूसरी प्राथमिकता यह है कि हमारे सभी 48 विधायक एक टीम मोदी के रूप में काम करेंगे। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं दिल्ली की मुख्यमंत्री बनूंगी।

दूसरी तरफ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में गुरुवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की भी बैठक हुई। यह बैठक रामलीला मैदान में रेखा गुप्ता के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद की गई। बैठक के बाद राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा, जब भाजपा की सरकार बनती है, तो वह प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण के अनुसार काम करती है। राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा, यह हर महिला के गर्व और खुशी की बात है कि एक महिला को दिल्ली की मुख्यमंत्री बनने का मौका मिला है।

आंध्र प्रदेश के उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण ने कहा, मैं रेखा गुप्ता को बधाई देता हू। वह इतिहास बना रही हैं। यह एक सुंदर विजय है। यह भाजपा और एनडीए के लिए मीठी सफलता है। यह (पीएम) मोदी, (केंद्रीय गृह मंत्री) अमित शाह और भाजपा कार्यकर्ताओं की लगातार मेहनत का परिणाम है। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के मृत्यु कुंभ वाले बयान पर भी प्रतिक्रिया दी और कहा, मुझे लगता है कि यह कहना सही नहीं है।

गुजरात सरकार ने पेश किया 3.70 लाख करोड़ का बजट

गांधीनगर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। गुजरात विधानसभा में गुरुवार को वित्त मंत्री कनुभाई देसाई ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए राज्य का 3.70 लाख करोड़ का बजट पेश किया। बजट में राज्य सरकार ने कोई नया कर नहीं लगाया है। सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद पर मोटर व्हीकल टैक्स में कटौती और बंधक विलेखों पर स्टांप शुल्क में कमी करके 148 करोड़ की कर राहत दी है।

गुजरात विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन वित्त मंत्री कनुभाई देसाई ने बजट पेश किया। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 3,70,250 करोड़ रुपए का बजट पेश किया गया है। इसमें पिछले साल के मुकाबले 37,785 करोड़ रुपए या 11.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

राज्य सरकार ने बंधक विलेखों पर स्टाम्प शुल्क में कमी और इलेक्ट्रिक वाहनों पर मोटर वाहन कर में कटौती करके 148 करोड़

रुपए की कर राहत जनता को दी है।

बजट पेश करने के दौरान वित्त मंत्री कनुभाई देसाई ने कई नई योजनाओं और परियोजनाओं की घोषणा की। उन्होंने कहा कि राज्य का बजट पांच स्तंभ सामाजिक सुरक्षा, मानव संसाधन विकास, बुनियादी ढांचे का विकास, हरित विकास और आर्थिक गतिविधियों के विकास पर आधारित है। उन्होंने कहा, दृष्टिकोण को वास्तविकता में बदलने के लिए हम परियोजनाओं और जन कल्याण योजनाओं को तैयार करने और उन्हें लागू करने का काम कर रहे हैं। मैं अगले पांच वर्षों में 50,000 करोड़ रुपए का विकसित गुजरात कोष बनाने का प्रस्ताव रखता हूं। इसके लिए बजट में 5,000 करोड़ रुपए के आवंटन किया गया है।

उन्होंने कहा कि गुजरात में दो ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे विकसित किए जाएंगे। इसमें पहला बनासकांठा को सौराष्ट्र के तटीय क्षेत्रों से जोड़ने वाला नमो शक्ति एक्सप्रेस-वे होगा और दूसरा अहमदाबाद से राजकोट तक सोमनाथ-द्वारका एक्सप्रेस-वे होगा। दूसरा एक्सप्रेस-वे द्वारका, सोमनाथ और पोरबंदर सहित कई तीर्थस्थलों तक किया जाएगा। सरकार ने एलान किया कि प्रशासनिक प्रक्रियाओं में सुधार लाने और नई तकनीक को एकीकृत करने के लिए गुजरात सुधार आयोग की स्थापना की जाएगी।

उत्तराखंड धामी सरकार ने पेश किया एक लाख करोड़ का बजट

देहरादून, 20 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड में आज विधानसभा सत्र के तीसरे दिन धामी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट पेश किया। वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने 1,01175.33 करोड़ का बजट पेश किया। वित्त मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल ने पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी के शब्दों को दोहराया। उन्होंने कहा कि राज्य सरलीकरण, समाधान व निस्तारीकरण के मार्ग पर अग्रसरित हैं। बजट हमारे प्रदेश की आर्थिक दिशा और नीतियों का प्रमाण है। उत्तराखंड अनेक कार्यों का साक्षी रहा है। हम आत्मनिर्भर उत्तराखंड बनाने के लिए हम प्रयत्नशील हैं।

बजट में कोई भी राजस्व घाटा अनुमानित नहीं है। बजट में 59954.65 करोड़ राजस्व व्यय है। इसमें 41220.68 करोड़ पूंजीगत व्यय के लिए रखे गए हैं। 12604492 का रजकोषीय घाट होने का अनुमान है जो जीडीपी का 2.94 प्रतिशत है। यह एफआरबीएम एक्ट की सीमा के भीतर है।

बर्फ गिरे या नहीं, पर कश्मीर में ट्यूलिप तो खिलेंगे ही

जम्मू, 20 फरवरी (ब्यूरो)। इस बार कश्मीर में चाहे बर्फ कम हो या नहीं, आने वाले महीनों में ट्यूलिप खिलने के लिए तैयार हैं, जो पर्यटकों और स्थानीय लोगों को मंत्रमुग्ध कर देंगे। यह दावा है ट्यूलिप गार्डन में कार्य करने वाले मालियों और उसके इंचार्ज का। हालांकि उन्हें इस बात की चिंता जरूर थी कि अगर तापमान में ज्यादा बढ़ौतरी हुई तो इस पर संकट आ सकता है। यह चिंता इसलिए है क्योंकि मौसम विज्ञानी वर्ष 2025 में पिछले साल के मुकाबले ज्यादा और जल्दी गर्मी आने की संभावना जता रहे हैं।

वर्तमान में, कश्मीर में पिछले साल दिसंबर से लंबे समय तक शुष्क मौसम देखा जा रहा है, जबकि 40 दिनों की सबसे कठोर सर्दियों की अवधि, जिसे चिल्ले कलां के नाम से जाना जाता है, अभी तक कोई राहत नहीं लेकर आई है क्योंकि आज 50 दिनों के बाद हुई बूंदाबांदी भी कश्मीर को सूखे से निजात नहीं दिला सकी है। विशेषज्ञों के अनुसार लंबे समय तक सूखा रहना चिंता का गंभीर कारण है क्योंकि आने वाले महीनों में इसके गंभीर परिणाम होंगे। हालांकि,

ट्यूलिप के गार्डनर अली मुहम्मद ने कहा कि लगातार सूखे के कारण ट्यूलिप पर सबसे कम प्रभाव पड़ेगा।

उनका कहना है कि ट्यूलिप को विशेष रूप से बर्फ या सूरज की आवश्यकता नहीं होती है। यह किसी भी स्थिति में बढ़ सकता है।

इसके अलावा वे कहते थे कि कि जमीनी काम दिसंबर के मध्य में ही पूरा हो चुका है और मौसम की स्थिति के आधार पर कुछ महीनों के बाद ट्यूलिप खिलना शुरू हो जाएंगे। ट्यूलिप गार्डन के प्रभारी जावेद मसूद ने बताया कि ट्यूलिप हर मौसम में उगने वाले फूल हैं और किसी भी स्थिति में उग सकते हैं। उन्होंने कहा कि इसे बढ़ने के लिए किसी विशिष्ट मौसम की स्थिति या अनिवार्य रूप से बर्फ की जरूरत नहीं है।

वे कहते हैं कि फूलों की क्यारियों में पानी डाला जा रहा है, जो ट्यूलिप के पूरी तरह खिलने के लिए पर्याप्त है। प्रासंगिक रूप से, आगामी सीजन में पांच और किस्मों के साथ, डल झील और जबरवान पहाड़ियों के बीच स्थित एशिया का सबसे बड़ा, इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्यूलिप गार्डन ट्यूलिप गार्डन पहली बार 1.7 मिलियन ट्यूलिप बल्बों के खिलने का गवाह बनेगा। अधिकारियों ने कहा कि पिछले वर्ष की 68 किस्मों की तुलना में, उन्होंने इस सीजन में किस्मों की संख्या बढ़ाकर 73 करने का निर्णय लिया है।

कश्मीर को एक नई पहचान दिलवाने वाले ट्यूलिप गार्डन में माली अभी से भयानक सर्दी में इसलिए जुटे हुए थे क्योंकि वे चाहते हैं कि इस बार पिछले साल के मुकाबले अधिक ट्यूलिप के फूल खिलें और एक नया रिकार्ड बनाएं पहले ही ट्यूलिप गार्डन को देखने वाले हर साल एक नया रिकार्ड बना रहे हैं। अगर अधिकारियों पर विश्वास करें तो इस बार 17 लाख से अधिक ट्यूलिप के खिलने की उम्मीद है। फ्लोरीकल्चर अधिकारी और ट्यूलिप गार्डन के प्रभारी जावेद मसूद मार्च में होने वाले ट्यूलिप आयोजन के बारे में उत्साह साझा करते हुए कहते हैं कि ट्यूलिप बल्बों को बोने की सावधानीपूर्वक प्रक्रिया कुछ ही दिनों में समाप्त हो जाएगी। जबरवान रेंज की तलहटी में बसा यह उद्यान 30 हेक्टेयर से अधिक सीढ़ीदार सुंदरता में फैला हुआ है, जो प्रतिष्ठित डल झील का एक मनमोहक दृश्य प्रदान करता है। आयोजन की तैयारियां जोरों पर हैं, एक समर्पित टीम यह सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास कर रही है कि उद्यान स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आगंतुकों की आंखों के लिए एक दावत बन जाए।

मसूद ने कहा कि इस साल हमने एशिया के सबसे बड़े ट्यूलिप गार्डन की अद्वितीय सुंदरता को प्रदर्शित करने के लिए बल्बों की और भी अधिक किस्में पेश की हैं।

आशावाद के साथ, मसूद ने आशा व्यक्त की कि आगामी ट्यूलिप शो आगंतुकों की संख्या के मामले में पिछले रिकार्ड को पार कर जाएगा। याद रहे वर्ष 2023 में, बगीचे ने देश के भीतर और बाहर से 3.75 मिलियन आगंतुकों को आकर्षित किया। वे उत्साहित होकर कहते हैं कि हमें उम्मीद है कि अगले ट्यूलिप शो में रिकार्ड टूट जाएगा।

लाल मिर्च की कीमतों में गिरावट से किसान बेहाल

सीएम नायडू ने केंद्र से की मदद की अपील

नई दिल्ली , 20 फरवरी (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने गुरुवार को राज्य के लाल मिर्च किसानों की मदद के लिए केंद्र से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने केंद्र से मांग की है कि वह लाल मिर्च के किसानों की मदद के लिए बाजार हस्तक्षेप योजना (एमआईएस) के तहत सहायता प्रदान करे। उन्होंने यह मांग केंद्रीय कृषि मंत्री शिराज सिंह चौहान से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के

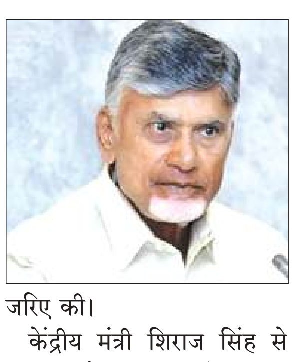

जरिए की।

केंद्रीय मंत्री शिराज सिंह से बातचीत के बाद मुख्यमंत्री नायडू ने कहा कि आंध्र प्रदेश में इस समय लाल मिर्च का बाजार मूल्य काफी गिर गया है। उन्होंने कहा कि पिछले सामान्य वर्ष की तुलना में इस बार कीमतें 10 प्रतिशत से भी ज्यादा कम हो गई हैं, जो कि बहुत ही बड़ी समस्या है। किसानों की बढ़ती समस्या को देखते हुए नायडू ने केंद्रीय मंत्री से यह आग्रह किया कि केंद्र सरकार इस गिरावट के कारण किसानों को होने वाली आर्थिक परेशानी को दूर करने के लिए एमआईएस योजना के तहत मदद प्रदान करे।

बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री शिराज सिंह चौहान ने नायडू को आश्वासन दिया कि उनका मंत्रालय इस मुद्दे को गंभीरता से देखेगा और जल्द ही आंध्र प्रदेश के लाल मिर्च किसानों के लिए उचित समाधान निकालेगा। इसको लेकर नायडू ने यह भी कहा कि आंध्र प्रदेश में लाल मिर्च की कीमतों में गिरावट से किसानों को भारी नुकसान हो रहा है और इस संकट से उबारने के लिए केंद्र सरकार की मदद जरूरी है।

बता दें कि बाजार हस्तक्षेप योजना (एमआईएस) तब लागू की जाती है जब बाजार में किसी कृषि उत्पाद की कीमत पिछले सामान्य वर्ष के मुकाबले 10 प्रतिशत या उससे अधिक गिर जाती है। इसका उद्देश्य किसानों को नुकसान से बचाना और साथ ही उनके उत्पादों की उचित कीमत सुनिश्चित करना है।

हाथरस भगदड़ कांड: न्यायिक जांच रिपोर्ट में भोले बाबा को क्लीन चिट

121 लोगों की हुई थी मौत

लखनऊ , 20 फरवरी (एजेंसियां)। हाथरस कांड की न्यायिक जांच की रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंप दी गई है। बजट पेश होने से पहले बृहस्पतिवार को आयोजित कैबिनेट की बैठक में रिपोर्ट पेश की गई, जिसे सदन के पटल पर रखने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई।

फिलहाल राज्य सरकार ने रिपोर्ट के तथ्यों का सार्वजनिक नहीं किया है। हालांकि सूत्रों की मानें तो रिपोर्ट में भोले बाबा को आर-ोपी नहीं ठहराया गया है, जिससे उन्हें क्लीन चिट मिल गई है। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में पुलिस की जांच को सही पाया है। साथ ही, भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए कई अहम सुझाव भी दिए हैं। आयोग को हादसे के पीछे साजिश होने के प्रमाण मिले हैं कि नहीं, अभी इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है।

बता दें कि हाथरस के सिकंदराराऊ क्षेत्र के फुलराई गांव में 2 जुलाई 2024 को भोले बाबा उर्फ नारायण साकार हरि के सत्संग के बाद मची भगदड़ में 121 लोगों की मृत्यु हो गई थी। हादसे की जांच के लिए राज्य सरकार ने हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में न्यायिक जांच आयोग का गठन किया था।

आयोग में सेवानिवृत्त आईपीएस भवेश कुमार सिंह और सेवानिवृत्त आईएएस हेमंत राव को सदस्य बनाया गया था। आयोग ने सभी मृतकों के पीड़ित परिजनों, घायलों, प्रत्यक्षदर्शियों के साथ भोले बाबा का भी बयान दर्ज किया था। वहीं दूसरी ओर पुलिस ने घटना के लिए आयोजकों को दोषी करार देते हुए अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया था। वहीं आयोग ने भी अपनी रिपोर्ट जनवरी माह के अंतिम सप्ताह में राज्य सरकार को सौंप दी थी, जिसे बृहस्पतिवार को कैबिनेट में रखा गया। सूत्रों की मानें तो बजट सत्र में राज्य सरकार इसे सदन के पटल पर रख सकती है।

केसीआर पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाने वाले की हत्या

हैदराबाद, 20 फरवरी (एजेंसियां)। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) के खिलाफ लक्ष्मी (मेदिगुड्डा) बैराज के निर्माण में भ्रष्टाचार की शिकायत करने वाले व्यक्ति की बेरहमी से हत्या कर दी गई। उसे अज्ञात हमलावरों में बीच सड़क पर दौड़ाकर मारा। शख्स पर दरांती और चाकू से हमला किया गया, लेकिन फिर भी वह जान बचाकर भागा। तभी उसके सिर पर जोरदार हमला किया गया। वह सड़क पर गिर गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

जिस शख्स की हत्या की गई है, वह भूपालपल्ली के रहने वाले नागवेल्ली राजलिंगमूर्ति थे। भूपालपल्ली नगर परिषद के ही वार्ड नंबर 15 से नागवल्ली की पत्नी सरला कभी पार्षद हुआ करती थी। पुलिस का कहना है कि राजलिंगमूर्ति का किसी के साथ जमीन विवाद था। इसी के चलते हत्या हुई है। गौरतलब है कि नागवेल्ली राजलिंगमूर्ति ने अक्टूबर 2023 में कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए पूर्व सीएम केसीआर राव, पूर्व सिंचाई मंत्री टी हरीश राव समेत कई और के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की थी। हालांकि पुलिस ने उसकी शिकायत दर्ज करने से इंकार कर दिया था। बाद में उन्होंने स्थानीय मजिस्ट्रेट कोर्ट में याचिका दाखिल की, लेकिन वहां से भी उनकी याचिका खारिज कर दी गई।

फिर भी राजलिंगमूर्ति ने हार नहीं मानी और भूपालपल्ली के प्रधान सत्र न्यायालय का दरवाजा खटखटाया, जिसके बाद केसीआर समेत अन्य को नोटिस जारी किया गया था। इन सभी पर टैक्सपेयर्स के पैसे का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया था।

संभल बवाल: विदेशी हथियार मुहैया कराने वाला शारिक साटा का गुर्गा गिरफ्तार

संभल , 20 फरवरी (एजेंसियां)। संभल की जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हुए बवाल में विदेशी हथियार चलाने और शारिक शाटा गिरोह के सदस्यों को हथियार मुहैया कराने वाले दीपासराय निवासी गुलाम को बृहस्पतिवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से 32 बोर की दो पिस्टल, एक 9 एमएम की देशी पिस्टल, एक तमंचा, और विदेशी समेत अलग-अलग बोर के 15 देसी कारतूस बरामद हुए हैं।

एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बृहस्पतिवार को खुलासे के दौरान बताया कि कोतवाली पुलिस ने आरोपी को रोडवेज बस अड्डे से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पूछताछ में बताया है कि शारिक साटा की साजिश थी कि जामा मस्जिद का सर्वे नहीं होने देना है। बताया कि सर्वे के दौरान अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन और उसके साथियों की हत्या करने का प्लान था।जिससे शहर का माहौल पूरी तरह बिगड़ जाए और कर्फ्यू लग जाए। इसके बाद आपराधिक घटनाओं को आसानी से अंजाम दिया जा सकता है। आरोपी ने यह भी बताया कि बवाल में जो हथियार शारिक साटा ने भेजे थे। वह हथियार गिरोह के सदस्य मुल्ला अफरोज, वारिस व मोहल्ले के अन्य लोगों को दिए थे। बताया कि सर्वे के दौरान बवाल में गिरोह के अन्य सदस्यों के साथ उसने भी गोली चलाई थी। जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी। एसपी ने बताया कि आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से जेल भेज दिया गया है।

आरोपी ने पूछताछ में बताया शारिक साटा वाहन चोरी का बड़ा गिरोह चलाता है। गिरोह के सदस्य उसके इशारे पर ही देश में वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम देते हैं। जिसके बाद चोरी के वाहनों को दूसरे राज्यों में बेचने की जिम्मेदारी उसकी रहती है। आरोपी ने बताया कि वह देशभर में अवैध हथियारों की सप्लाई भी करता है। यह हथियार शारिक साटा उसको भेजता है। सारिक साटा दुबई में रहकर गिरोह चला रहा है। वह फर्जी पासपोर्ट के माध्यम से दुबई गया है।

उत्तर प्रदेश के इतिहास का सबसे बड़ा बजट पेश

8.8 लाख करोड़ की घोषणाएं की गईं

लखनऊ, 20 फरवरी (एजेंसियां)।

योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-2026 के लिए 8 लाख 8 हजार 736 करोड़ 6 लाख रुपए का ऐतिहासिक बजट विधानसभा में पेश किया। यह उत्तर प्रदेश के इतिहास में अबतक का सबसे बड़ा बजट है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने इसे प्रदेश के आर्थिक विकास और सामाजिक कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि यह बजट वर्ष 2024-2025 के बजट से 9.8 प्रतिशत अधिक है, जिससे राज्य की आर्थिक वृद्धि को गति मिलेगी। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि यह बजट प्रदेश की आर्थिक मजबूती, औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। सरकार का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ना है।

योगी सरकार के इस मेगा बजट में अवस्थापना विकास के लिए 22 प्रतिशत, शिक्षा के लिए 13 प्रतिशत, कृषि और सम्बद्ध सेवाओं के लिए 11 प्रतिशत, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में 6 प्रतिशत, सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों के लिए 4 प्रतिशत एवं संसाधन आवंटित किये गये हैं। बजट में पूंजीगत परिव्यय कुल बजट का लगभग 20.5 प्रतिशत है। प्रदेश में बुनियादी ढांचे और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने के लिए सरकार ने बजट का 22 प्रतिशत हिस्सा निर्धारित किया है। इसमें सड़क निर्माण, औद्योगिक विस्तार, परिवहन व्यवस्था और निवेश को आकर्षित करने जैसी योजनाओं को प्राथमिकता दी गई है।

योगी सरकार ने शिक्षा को और मजबूत बनाने के लिए 13 प्रतिशत बजट शिक्षा क्षेत्र के लिए निर्धारित किया है। इसमें प्राथमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में आईसीटी लैब और स्मार्ट क्लासेस स्थापित करने का प्रस्ताव है। साथ ही राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेजों में डिजिटल लाइब्रेरी और स्मार्ट क्लासेस शुरू करने की योजना भी शामिल है। इसके अलावा प्रदेश में शोध और विकास को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं बजट में प्रस्तावित हैं।

उत्तर प्रदेश को तकनीकी हब बनाने के लिए योगी सरकार ने कई नई योजनाएं शुरू करने का प्रस्ताव बजट के जरिए पेश किया है। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिटी की स्थापना की जाएगी, जिससे प्रदेश को तकनीकी नवाचार का केंद्र बनाया जाएगा। साथ ही साइबर सिक्योरिटी में टेक्नोलॉजी रिसर्च ट्रांसलेशन पार्क स्थापित करने की योजना, जिससे डिजिटल सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को बढ़ावा देने हेतु सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना का प्रस्ताव भी शामिल है।

सरकार ने प्रदेश में विज्ञान और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसमें साइंस सिटी, विज्ञान पार्क और नक्षत्रशालाओं की स्थापना और पुराने संस्थानों के नवीनीकरण की कार्ययोजना शामिल है। छात्रों के लिए आधुनिक वैज्ञानिक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। वित्त मंत्री ने बताया कि प्रदेश के 58 नगर निकायों को आदर्श स्मार्ट नगर निकाय के रूप में विकसित किया जाएगा। इसमें प्रत्येक नगर निकाय को 2.50 करोड़ रुपए की धनराशि प्रदान की जाएगी, जिससे कुल 145 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इन शहरों में आधुनिक सुविधाएं, तकनीकी नवाचार और स्वच्छता प्रबंधन को प्राथमिकता दी जाएगी।

वित्त मंत्री ने बताया कि जिला मुख्यालयों में कामगार/श्रमिक अड्डे बनाए जाएंगे। इनमें कैंटीन, पीने का पानी, स्नानागार और शौचालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

यह योजना श्रमिकों के रोजगार और जीवन स्तर सुधारने में मददगार साबित होगी। वित्त मंत्री ने बताया कि योगी सरकार ने 2 अक्टूबर 2024 से जीरो गरीबी अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत प्रदेश की प्रत्येक ग्राम पंचायत से निर्धनतम परिवारों की पहचान की जाएगी। सरकार का लक्ष्य है कि इन परिवारों की वार्षिक आय को 1,25,000 रुपए तक लाया जाए और उनकी मूलभूत जरूरतों को पूरा किया जाए।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश का यह बजट राज्य के विकास, तकनीकी उन्नति, शिक्षा सुधार, गरीबों के कल्याण और बुनियादी ढांचे के विस्तार को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश आधुनिकता, नवाचार और आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो रहा है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि यह बजट प्रदेश को राष्ट्रीय और वैश्विक निवेश का केंद्र बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम है।

सोलर पंप से फसल उत्पादन बढ़ाने का प्लान

गन्ना किसानों को भी राहत

लखनऊ, 20 फरवरी (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश सरकार के सालाना बजट में किसानों का भी विशेष ध्यान रखा गया है। किसानों के लिए कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग के साथ उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण के लिए कई ऐलान किए हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि प्रदेश में दलहनी एवं तिलहनी फसलों की बुआई का क्षेत्र बढ़ाने, उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि के उद्देश्य से निःशुल्क मिनी किट वितरण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इन दोनों योजनाओं के लिए 50 करोड़ रुपए की व्यवस्था की गई है।

प्रदेश को प्रमाणित बीज उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए उत्तर प्रदेश बीज स्वावलंबन नीति, 2024 के अंतर्गत प्रदेश में सीड पार्क विकास परियोजना संचालित है। इसके लिए 251 करोड़ रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित है। नेशनल मिशन आन नेचुरल फार्मिंग योजना के तहत प्रदेश के समस्त जनपदों में प्राकृतिक खेती का कार्यक्रम संचालित किया जाएगा। इसके लिए 124 करोड़ रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित है। पीएम कुसुम योजना के अंतर्गत कृषकों के प्रक्षेत्रों पर सोलर पंपों की स्थापना कराई जा रही है। इसके लिए 509 करोड़ रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित है। कृषि क्षेत्र की क्षमता एवं कौशल विकास तथा उत्पादन वृद्धि की योजना के लिये 200 करोड़ रुपए एवं विश्व बैंक सहायतित यूपी एग्रीज परियोजना के लिए 200 करोड़ रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित है।

कृषि शिक्षा, शोध एवं प्रसार कार्यों में गतिशीलता बनाए रखने तथा कृषकों को प्रभावी परिणाम उपलब्ध कराने के लिए पांच कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय स्थापित हैं।

प्रदेश में 20 नए कृषि विज्ञान केंद्रों की स्थापना की गई है। प्रदेश में कुल 89 कृषि विज्ञान केंद्र संचालित हैं। कुशीनगर जिले में महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु 100 करोड़ रुपए की व्यवस्था की गई है। कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालयों में शोध कार्य के लिए 25 करोड़ रुपए की व्यवस्था की गई है। कृषि विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में विभिन्न कार्यों के लिए लगभग 86 करोड़ रुपए की व्यवस्था की गई है।

उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण के लिए ड्रॉप मोर क्रॉप माइक्रो इरीगेशन योजना के लिए 720 करोड़ रुपए की व्यवस्था की गई है। राष्ट्रीय औद्यानिक/बागवानी मिशन योजना के लिए 650 करोड़ रुपए की व्यवस्था की गई है।

उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति, 2022 के अंतर्गत प्रोत्साहन के लिए 300 करोड़ रुपए का प्रावधान किया जाना प्रस्तावित है। गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग के क्षेत्र में वित्त मंत्री ने कहा कि गन्ना की खेती और चीनी मिलें, प्रदेश की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण विकास की प्रमुख धुरी हैं। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा गन्ना उत्पादक राज्य है।

गन्ना मूल्य के भुगतान के लिए 475 करोड़ रुपए की व्यवस्था की गई है। पिपराइच चीनी मिल में 60 केएलपीडी क्षमता की आसवानी की स्थापना के लिए 90 करोड़ रुपए की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा बंद पड़ी छाता चीनी मिल पर 2000 टीसीडी क्षमता की नई चीनी मिल एवं लॉजिस्टिक हब वेयर हाउसिंग काम्प्लेक्स की स्थापना के लिए 50 करोड़ रुपए की व्यवस्था की गई है।

योगी सरकार ने बजट में महिलाओं को दिए कई बड़े लाभ

मेधावी छात्राओं को मिलेगी स्कूटी

लखनऊ, 20 फरवरी (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना द्वारा पेश किए गए वार्षिक बजट में महिला व श्रमिक कल्याण के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। इस बजट में महिलाओं का खास ख्याल रखा गया है। कई महत्वपूर्ण मौकों पर बजट के माध्यम से महिलाओं को लाभ पहुंचाने के लिए सरकार ने इसका ऐलान किया है।

उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में 96 लाख से अधिक परिवारों की महिलाओं को आच्छादित किया गया है। ग्राम स्तर पर डिजिटल लेन-देन को प्रोत्साहित करने हेतु बी.सी.सखी योजना के अन्तर्गत 39, 556 बी. सी. सखी द्वारा कार्य करते हुये 31, 103 करोड़ रुपए से अधिक का वित्तीय लेन-देन किया गया व 84.38 करोड रुपए का लाभांश अर्जित किया गया।

लखपति महिला योजना के अन्तर्गत 31 लाख से अधिक दीदियों का चिन्हांकन किया गया है तथा 02 लाख से अधिक महिलाएं लखपति की श्रेणी में आ चुकी हैं। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत अब तक लगभग 1.86 करोड लाभार्थियों को गैस कनेक्शन वितरित किये जा चुके हैं। योगी सरकार द्वारा उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को 02 निःशुल्क सिलिण्डर वितरित किये जा रहे हैं।

इसके अलावा उत्तर प्रदेश में महिला स्वामित्व वाली प्रोड्यूसर कम्पनियों के गठन हेतु महिला सामर्थ्य योजना संचालित है।

योगी सरकार ने उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही मेधावी छात्राओं को पात्रता के आधार पर स्कूटी प्रदान किये की नई योजना लायी जा रही है। बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु सह शिक्षा की व्यवस्था के साथ-साथ बालिका छात्रावास का निर्माण, बालिकाओं का सशक्तिकरण, मीना मंच, आत्मरक्षा प्रशिक्षण एवं संवेदीकरण आदि गतिविधियों का क्रियान्वयन किया जा रहा है। आवासीय विद्यालय योजना प्रदेश के 12 जनपदों में संचालित है, जिनमें प्रत्येक विद्यालय में 100-100 बालक एवं बालिकाओं को प्रदेशित किये जाने का प्रावधान है।

महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत आने वाली योजनाओं के लिए योगी सरकार ने बजट में विशेष प्रविधान किए हैं। इसके तहत निराश्रित महिला पेंशन योजनान्तर्गत पात्र लाभार्थियों को देय पेंशन के भुगतान हेतु 2980 करोड़ रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजनान्तर्गत 700 करोड़ रुपए की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है। वाराणसी, मेरठ, प्रयागराज, गोरखपुर, कानपुर नगर, झाँसी एवं आगरा में मुख्यमंत्री श्रमजीवी महिला छात्रावासों के निर्माण की नई योजना प्रस्तावित की गई है जिसके 170 करोड़ रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित है। कोविड के दौरान जिन बच्चों ने अपने माता-पिता को खोया है उनकी देखभाल और वित्तीय सहायता हेतु संचालित उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के लिये 252 करोड़ रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित है। पुष्टाहार कार्यक्रम के अन्तर्गत समन्वित बाल विकास परियोजनाओं पर राज्य सरकार द्वारा दिये जाने वाले पोषाहार के लिये लगभग 4119 करोड़ रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित है। आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिकाओं को अतिरिक्त मानदेय के भुगतान हेतु 971 करोड़ रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री सक्षम सुपोषण योजना हेतु 100 करोड़ रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित है।

एक राष्ट्र एक नाम : भारत

मातृभाषा दिवस से शुरू होगा हस्ताक्षर अभियान

प्रयागराज, 20 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत हमारे राष्ट्र का प्राचीन नाम है। ब्रिटिश उपनिवेशवाद के अवशेष इंडिया नाम को त्याग देना चाहिए तथा सरकारी संस्थाओं को भारत नाम का उपयोग करना चाहिए, जो हमारी संस्कृति, जीवन के प्रति दृष्टिकोण और शाश्वत विरासत को दर्शाता है। इस मांग को उठाते हुए दस लाख हस्ताक्षरों के साथ एक याचिका भारत के राष्ट्रपति को सौंपी जाएगी। यह निर्णय प्रयागराज महाकुंभ मेले के अवसर पर शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ अतुल कोठारी के नेतृत्व में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, जनता की आवाज फाउंडेशन तथा वैश्विक हिंदी सम्मेलन के संयुक्त तत्वावधान में एक राष्ट्र, एक नाम : भारत विषय पर आयोजित ज्ञान महाकुंभ में लिया गया। महाज्ञानकुंभ में ही धार्मिक कार्य, सामाजिक नेतृत्व, नियमज्ञ और प्रमुख शिक्षाविदों द्वारा संयुक्त रूप से इसका आह्वान किया गया।

वैश्विक हिंदी सम्मेलन के निदेशक डॉ मोतीलाल गुप्ता आदित्य ने बताया कि यह राष्ट्रीय हस्ताक्षर अभियान 21 फरवरी अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर पूरे भारत में 200 से अधिक स्थानों पर प्रमुख व्यक्तियों से हस्ताक्षर एकत्र करके शुरू किया जाएगा। यह यज्ञ 21 फरवरी से 21 मार्च तक देशभर में आयोजित किया जाएगा। इसके तहत छात्रों, शिक्षकों, वकीलों, जनप्रतिनिधियों और अन्य प्रमुख हस्तियों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा, भारतीय संविधान सभा ने स्पष्ट रूप से घोषित किया कि यह महान राष्ट्र, जिसे तब सामान्यतः इंडिया के नाम से जाना जाता था, वह भारत है। (इंडिया जो भारत है- अनुच्छेद -1) साथ ही, संविधान सभा ने इस विचार को भी खारिज कर दिया है कि इंडिया, भारत का अंग्रेजी समकक्ष है। लेकिन पिछले 75 वर्षों से भारत शब्द का प्रयोग केवल भारतीय भाषाओं में ही होता रहा है। आज भी अंग्रेजी में इंडिया शब्द का प्रयोग हमारे विभिन्न पदों, परियोजनाओं और संस्थाओं के लिए किया जाता है। भले ही भारतीय भाषाओं में भारत लिखा जाए, अंग्रेजी में इंडिया लिखना भी अनुचित है। इंडिया शब्द का कोई अर्थ नहीं है। लेकिन भारत शब्द अपने अर्थ के साथ एक संदेश भी देता है और हमें गर्व का एहसास कराता है। इसलिए, कुंभ मेले से यह घोषणा की जा रही है कि हमारे देश का नाम भारत ही रहना चाहिए, चाहे इसकी भाषा कोई भी हो।

जी-20 शिखर सम्मेलन के अवसर पर, भारत के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने विदेशी नेताओं के लिए आयोजित रात्रिभोज और शिखर सम्मेलन में प्रेसिडेंट ऑफ भारत और प्राइम मिनिस्टर ऑफ भारत इससे अपने पदों का परिचय देकर एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। यह भी बहुत उत्साहजनक है कि इसके बाद, कई विश्वविद्यालयों ने अपनी उच्च स्तरीय समिति के प्रस्तावों के माध्यम से घोषणा की है कि वे अपनी सभी कार्यवाहियों में केवल भारत शब्द का ही प्रयोग करेंगे। सभी भारतीयों को जब भी अपने देश का उल्लेख करना हो तो भारत शब्द लिखना, बोलना और कहना चाहिए, चाहे वे अपनी दैनिक बातचीत में किसी भी भाषा का प्रयोग करते हों। यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए कि सरकार में सभी संवैधानिक पदों, योजनाओं और संस्थाओं का नाम भारत ही हो, चाहे उनकी भाषा कुछ भी हो। यदि इसके लिए संविधान के अनुच्छेद 1 में संशोधन की आवश्यकता पड़ती है तो सरकार को इसके लिए तैयार रहना चाहिए।

महाकुंभ में गूंजा देशभक्ति का जयघोष

पूर्व सैनिकों और वीर नारियों का हुआ सम्मान

महाकुंभ नगर, 20 फरवरी (एजेंसियां)।

महाकुंभ 2025 के पावन अवसर पर प्रयागराज के सेक्टर 7 में समाज कल्याण विभाग के पंडाल के ऑडिटोरियम में गुरुवार को पूर्व सैनिकों और वीर नारियों को सम्मानित किया गया।

इस आयोजन का उद्देश्य सेना के प्रति आम जनता में जागरूकता, सम्मान और समर्पण की भावना विकसित करना है और पूर्व सैनिकों के कल्याण और उनके पुनर्वास को लेकर जागरूकता फैलाना भी है। समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने कहा, कुंभ सिर्फ आस्था का ही नहीं बल्कि विचारों के आदान प्रदान का भी संगम है।

समाज कल्याण विभाग के सहयोग से आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में कारगिल युद्ध में शहीद हुए 10 वीर सैनिकों की पत्नियों को सम्मानित किया गया, जो अपने परिजनों की शहादत के बावजूद राष्ट्र के प्रति समर्पित हैं। इसके अलावा, 11 पूर्व सैनिकों को भी उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व सैनिकों ने अपने अनुभव साझा किए और बताया कि किस प्रकार कठिन परिस्थितियों में सेना देश की रक्षा करती है। समाज कल्याण विभाग द्वारा महाकुंभ में निराश्रित वृद्धजनों के लिए 100 बेड का एक अस्थाई वृद्धाश्रम भी बनाया गया है, जहां प्रदेश भर से बुजुर्गों को लाकर संगम स्नान कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त बुजुर्गों को सुनने की मशीन, छड़ी, कमर के लिए बेल्ट आदि उपकरण भी प्रदान किया जा रहा है।

कार्यक्रम में पूर्व सैनिकों के कल्याण, उनके पुनर्वास और उनके परिवारों को मिलने वाली सुविधाओं पर भी चर्चा की गई। इस आयोजन में कर्नल एके मिश्रा, रजत बंबानी, अमित सिंह और अनिल भार्गव प्रमुख रहे। इसके अलावा, वारंट ऑफिसर श्रीराम शिवहरे, टीपी वर्मा, पीबी सिंह, प्रमोद शुक्ला, डीबी सिंह, सूबेदार संजीव चौरसिया और मदन वर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

संपादकीय

अश्लीलता-अभद्रता की हद

हाल के दिनों में सोशल मीडिया से जुड़े प्लेटफॉर्मों के कार्यक्रमों में स्वेच्छाचारिता और वर्जनाएं तोड़ने के अनगिनत मामले प्रकाश में आए हैं। जो भारतीय सामाजिक व पारिवारिक मूल्यों का अतिक्रमण करते हुए अराजक व्यवहार कर रहे हैं। पिछले दिनों संसद से लेकर सड़क तक यूट्यूब पर प्रसारित एक फूहड़ व अभद्र कार्यक्रम के खिलाफ कार्रवाई की मांग गूंजती रही, जिसमें अभद्रता से सामाजिक मर्यादा की सीमाएं लांघने की कुत्सित कोशिश हुई। पिछले दिनों कॉमेडियन समय रैना के यूट्यूब शो 'इंडियाज़ गॉट टैलेंट' में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर व यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया ने एक अश्लील, अभद्र व अमर्यादित टिप्पणी की। इस बदमिजाज यूट्यूबर ने शो के एक प्रतिभागी के माता-पिता के अंतरंग पलों के बारे में घोर निंदाजनक प्रश्न किए। जैसा अपेक्षित था, भारतीय परिवार व सांस्कृतिक मूल्यों पर हमला करने वाली टिप्पणी पर देश में भारी विवाद हुआ। देश के विभिन्न भागों में इस मामले में शिकायतें दर्ज की गईं, और राष्ट्रीय महिला आयोग ने ऐसे कार्यक्रमों के नियमन की मांग करते हुए कार्रवाई की सिफारिश की। साथ ही राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने यूट्यूब से इस विवादित कार्यक्रम को हटाने के निर्देश दिए। देश के राजनीतिक क्षेत्रों में भी इस विवाद को लेकर तीखी टिप्पणियां सामने आईं। इस विवाद ने देश में इस बहस को एक बार फिर तेज किया कि सामाजिक मूल्यों को लेकर अभिव्यक्ति की आजादी की सीमा के निर्धारण और डिजिटल कंटेंट निर्माताओं की जवाबदेही कैसे तय की जाए। साथ ही रचनात्मक अभिव्यक्ति तथा सार्वजनिक शिष्टाचार में सामंजस्य कैसे बनाया जाए। दरअसल, सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर लाइक और फॉलोअर्स बढ़ाने के लिये तमाम फूहड़ व तल्खीभरे कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाता है, ताकि इससे यूट्यूबरों की आय बढ़ सके। बदलते वक्त की विडंबना यह है कि धीर-गंभीर व उपयोगी कार्यक्रमों को दर्शकों का वह प्रतिसाद नहीं मिलता, जो ऊल-जलूल कार्यक्रमों को मिलता है। इन कार्यक्रमों के ज्यादा देखे जाने से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का विज्ञापन भी बढ़ता है। इसी होड़ में अमर्यादित और विवादास्पद कार्यक्रमों की श्रृंखला का जन्म होता है। ऐसे में सवाल उठाया जा रहा है कि क्या सोशल मीडिया नियमन को लेकर बने कानून इस अराजकता पर अंकुश लगाने में सक्षम हैं? क्या इलेक्ट्रानिक माध्यमों के जरिये प्रसारित सामग्री पर सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम को सख्त बनाने की जरूरत है? क्या अश्लील अभिव्यक्ति को दंडनीय बनाने के लिये सख्त कानूनों की जरूरत है? सवाल यह भी है कि हंसी मजाक के कार्यक्रमों के लिये सामाजिक मर्यादाओं की सीमा कैसे तय की जाए? जाहिर है अब वक्त आ गया है कि मनोरंजक हास्य कार्यक्रमों और आपत्तिजनक कंटेंट के बीच सीमा का निर्धारण किया जाए। निस्संदेह, किसी लोकतांत्रिक देश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अपरिहार्य शर्त है, लेकिन इसका अर्थ यह कदापि नहीं है कि हम तमाम सामाजिक व पारिवारिक मर्यादाओं को ताक पर रख दें। किसी भी सूरत में सोशल मीडिया को एंटी सोशल अभिव्यक्ति की आजादी नहीं दी जा सकती। निस्संदेह, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को कंटेंट के बाबत जवाबदेह बनाने की जरूरत है। इसके संचालकों को चाहिए कि रचनात्मक स्वतंत्रता के नाम पर सार्वजनिक शिष्टाचार का अतिक्रमण न करें।

पिछले दिनों संसद से लेकर सड़क तक यूट्यूब पर प्रसारित एक फूहड़ व अभद्र कार्यक्रम के खिलाफ कार्रवाई की मांग गूंजती रही, जिसमें अभद्रता से सामाजिक मर्यादा की सीमाएं लांघने की कुत्सित कोशिश हुई। पिछले दिनों कॉमेडियन समय रैना के यूट्यूब शो 'इंडियाज़ गॉट टैलेंट' में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर व यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया ने एक अश्लील, अभद्र व अमर्यादित टिप्पणी की। इस बदमिजाज यूट्यूबर ने शो के एक प्रतिभागी के माता-पिता के अंतरंग पलों के बारे में घोर निंदाजनक प्रश्न किए। जैसा अपेक्षित था, भारतीय परिवार व सांस्कृतिक मूल्यों पर हमला करने वाली टिप्पणी पर देश में भारी विवाद हुआ। देश के विभिन्न भागों में इस मामले में शिकायतें दर्ज की गईं, और राष्ट्रीय महिला आयोग ने ऐसे कार्यक्रमों के नियमन की मांग करते हुए कार्रवाई की सिफारिश की। साथ ही राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने यूट्यूब से इस विवादित कार्यक्रम को हटाने के निर्देश दिए। देश के राजनीतिक क्षेत्रों में भी इस विवाद को लेकर तीखी टिप्पणियां सामने आईं। इस विवाद ने देश में इस बहस को एक बार फिर तेज किया कि सामाजिक मूल्यों को लेकर अभिव्यक्ति की आजादी की सीमा के निर्धारण और डिजिटल कंटेंट निर्माताओं की जवाबदेही कैसे तय की जाए। साथ ही रचनात्मक अभिव्यक्ति तथा सार्वजनिक शिष्टाचार में सामंजस्य कैसे बनाया जाए। दरअसल, सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर लाइक और फॉलोअर्स बढ़ाने के लिये तमाम फूहड़ व तल्खीभरे कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाता है, ताकि इससे यूट्यूबरों की आय बढ़ सके। बदलते वक्त की विडंबना यह है कि धीर-गंभीर व उपयोगी कार्यक्रमों को दर्शकों का वह प्रतिसाद नहीं मिलता, जो ऊल-जलूल कार्यक्रमों को मिलता है।

अभियुक्त द्वारा अभियोक्ता को यौन गतिविधि में शामिल होने के लिए लुभाने के इरादे के बिना किया गया वादा बलात्कार के रूप में मान्य नहीं होगा

विवाह के झूठे वादों से दुष्कर्म के बढ़ते मामले

प्रियंका सौरभ

इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा अतुल गौतम मामले में 2025 में दिए गए फैसले से यह सवाल उठता है कि न्यायिक व्याख्याएँ महिलाओं की स्वायत्तता और कानूनी सुरक्षा को कैसे प्रभावित करती हैं। बलात्कार और सेक्स के लिए सहमति देना स्पष्ट रूप से अलग-अलग हैं। इन स्थितियों में, न्यायालय को सावधानीपूर्वक विचार करना चाहिए कि क्या शिकायतकर्ता की पीड़िता से शादी करने की वास्तविक इच्छा थी या उसके कोई छिपे हुए उद्देश्य थे और उसने केवल अपनी वासना को शांत करने के लिए इस आशय का झूठा वादा किया था, क्योंकि बाद वाले को धोखा या छल माना जाता है

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की नई रिपोर्ट में कहा गया है कि हर साल झूठी शादी की शपथ की आड़ में कई हज़ार बलात्कार के मामले दर्ज किए जाते है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा अतुल गौतम मामले में 2025 में दिए गए फैसले से यह सवाल उठता है कि न्यायिक व्याख्याएँ महिलाओं की स्वायत्तता और कानूनी सुरक्षा को कैसे प्रभावित करती हैं। बलात्कार और सेक्स के लिए सहमति देना स्पष्ट रूप से अलग-अलग हैं। इन स्थितियों में, न्यायालय को सावधानीपूर्वक विचार करना चाहिए कि क्या शिकायतकर्ता की पीड़िता से शादी करने की वास्तविक इच्छा थी या उसके कोई छिपे हुए उद्देश्य थे और उसने केवल अपनी वासना को शांत करने के लिए इस आशय का झूठा वादा किया था, क्योंकि बाद वाले को धोखा या छल माना जाता है। इसके अतिरिक्त, झूठा वादा न निभाने और उसे तोड़ देने में अंतर है। अभियुक्त द्वारा अभियोक्ता को यौन गतिविधि में शामिल होने के लिए लुभाने के इरादे के बिना किया गया वादा बलात्कार के रूप में मान्य नहीं होगा। अभियोक्ता अभियुक्त द्वारा बनाए गए झूठे प्रभाव के बजाय उसके प्रति अपने प्यार और जुनून के आधार पर अभियुक्त के साथ यौन सम्बंधों के लिए सहमति दे सकती है। वैकल्पिक रूप से, अप्रत्याशित या अनियंत्रित परिस्थितियों के कारण ऐसा करने का इरादा होने के बावजूद अभियुक्त उससे शादी करने में असमर्थ हो सकता है। इन स्थितियों को अलग तरीके से संभालने की आवश्यकता है। बलात्कार का मामला तभी स्पष्ट होता है जब शिकायतकर्ता का कोई दुर्भावनापूर्ण इरादा या गुप्त उद्देश्य हो। अतुल गौतम बनाम इलाहाबाद उच्च न्यायालय का फ़ैसला सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करता है। यह फ़ैसला अपर्णा भट बनाम के विपरीत है। 2021 के मध्य प्रदेश राज्य के फैसले में आरोपी और पीड़ित को द्वितीयक आघात से बचने के लिए जमानत पर रहते हुए संवाद करने से मना किया गया है। सर्वोच्च न्यायालय ने फ़ैसला सुनाया कि निष्पक्ष सुनवाई की गारंटी के लिए, जमानत की आवश्यकताओं को आरोपी और उत्तरजीवी के बीच संचार के लिए बाध्य नहीं करना चाहिए। यह विचार कि विवाह बलात्कार के लिए एक उपाय है न कि अपराध के लिए सजा, ऐसी जमानत आवश्यकताओं द्वारा पुष्ट होता है, जो सामाजिक समझौते को कानून के शासन से आगे रखता है। रामा शंकर बनाम उत्तर प्रदेश

राज्य (2022) में जमानत देते समय इसी तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया गया था, जिसने प्रतिवादी के खिलाफ अभियोजन पक्ष के मामले को कमजोर कर दिया। उत्तरजीवी को जमानत प्राप्त करने के लिए आरोपी द्वारा विवाह के लिए मजबूर किया जा सकता है, जिसके परिणामस्वरूप कानूनी व्यवस्था के भीतर निरंतर दुर्व्यवहार हो सकता है। अभिषेक बनाम उत्तर प्रदेश राज्य (2024) ने न्याय की गारंटी देने के बजाय, अभियुक्त को विवाह के वादे के बदले में जमानत देकर एक दबावपूर्ण गतिशीलता बनाई। जो उत्तरजीवी को उचित पुनर्वास सहायता प्राप्त करने के बजाय अभियुक्त पर निर्भर रहने के लिए मजबूर करता है। किशोरों के निजता के अधिकार (2024) में न्यायालय द्वारा उत्तरजीवियों और बच्चों को आवास, शिक्षा और परामर्श प्रदान करने के राज्य के दायित्व पर प्रकाश डाला गया था। जमानत का उद्देश्य सामाजिक कर्तव्यों को लागू करना नहीं है, बल्कि मामला लंबित रहने तक अस्थायी स्वतंत्रता की गारंटी देना है। महिलाओं की स्वायत्तता और ₹सम्मान₹ विचारधारा की निरंतरता इन न्यायिक निर्णयों से प्रभावित होती है, जो लैंगिक रूढ़ियों को भी मज़बूत करती है। ऐसे निर्णय बलात्कार को अपराध से कम और पवित्रता के नुक़सान को अधिक बनाते हैं, जो पितृसत्तात्मक धारणा को मज़बूत करते हैं कि एक महिला की गरिमा विवाह से जुड़ी होती है। न्यायालयों ने पिछले कई निर्णयों में एक पीड़ित के पुनर्वास को विवाह के बराबर माना है, बलात्कार को शारीरिक स्वायत्तता के उल्लंघन के रूप में स्वीकार करने में विफल रहे। न्यायालय महिलाओं की स्वायत्तता को कमजोर करते हुए अपराधियों के साथ विवाह करने के लिए पीड़ितों पर दबाव डालकर कानूनी संरक्षण के तहत दुर्व्यवहार और नियंत्रण को बढ़ावा देते हैं। विवाह को एक उपाय मानने वाली अदालतें पीड़ित की सहमति की कमी को नजरअंदाज करती हैं, जिसका अर्थ है कि जबरदस्ती को कानूनी रूप से उचित ठहराया जा सकता है। महिलाओं को लगातार आघात और सुरक्षा जोखिमों के बावजूद अक्सर अपने दुर्व्यवहार करने वालों के साथ ₹समझौता विवाह₹ में रहने के लिए मजबूर किया जाता है। अनुच्छेद 21 का उल्लंघन करते हुए, जो महिलाओं की स्वायत्तता और गरिमा की रक्षा करता है, ऐसे निर्णय महिलाओं को उनकी इच्छा के विरुद्ध सम्बंधों में मजबूर करके उनके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। सर्वोच्च न्यायालय के अनुसार, जबरन विवाह अनुच्छेद 21 का उल्लंघन करते हैं, जिससे पीड़ितों को न्याय के बजाय अधिक शोषण का सामना करना पड़ता है। ये निर्णय इस धारणा को बनाए रखते हैं कि विवाह यौन हिंसा को हल कर सकता है, इन घटनाओं को गंभीर अपराधों के बजाय नागरिक विवादों में बदल देता है। रूढ़िवादी ग्रामीण क्षेत्रों में पीड़ितों पर अक्सर अदालतों द्वारा आरोपी लोगों से विवाह करने का दबाव होता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सामाजिक दबाव से न्याय से समझौता न हो, अदालतों को स्थापित नियमों का पालन करना चाहिए जो विवाह को जमानत की शर्त बनाने से रोकते हैं। अपर्णा भट केस (2021) में, सर्वोच्च न्यायालय ने फ़ैसला किया कि जमानत की ऐसी आवश्यकताएँ जो पीड़ितों को रिश्तों में मजबूर करती हैं या लैंगिक रूढ़िवादिता को बनाए रखती हैं, उनसे बचना चाहिए। राज्य को पीड़ितों को आत्मनिर्भर बनने में मदद करने के लिए मौद्रिक सहायता, परामर्श, कानूनी सहायता और कौशल-निर्माण पाठ्यक्रम प्रदान करके कल्याण कार्यक्रमों में सुधार करना चाहिए। वन स्टॉप सेंटर योजना द्वारा एकीकृत सहायता सेवाएँ प्रदान की जाती हैं; हालाँकि, अधिकतम प्रभाव के लिए, इसमें सुधार और विस्तार की आवश्यकता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि न्यायिक विवेक से पीड़ितों के अधिकारों को ख़तरा न हो, विधायी संशोधनों को विशेष रूप से विवाह की शर्त पर ज़मानत देने की प्रथा को रोकना चाहिए। यह सुनिश्चित करने के लिए कि कानूनी व्याख्याएँ पितृसत्तात्मक पूर्वाग्रहों के बजाय संवैधानिक सिद्धांतों को बनाए रखें, न्यायाधीशों को लिंग-संवेदनशील प्रशिक्षण प्रदान करें। पीड़ितों के अधिकारों और लैंगिक न्याय को न्यायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में शामिल किया जाना चाहिए, जैसे कि राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी द्वारा संचालित पाठ्यक्रम।

दृष्टि कोण

डिजिटल कंटेंट और अभिव्यक्ति की आजादी

सोशल मीडिया ने हमारे एक-दूसरे से जुडने और बातचीत करने के तरीके में क्रांति ला दी है। इसने एक नई घटना को भी जन्म दिया है: सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर। इन्फ्लुएंसर वे व्यक्ति होते हैं जिन्होंने इंस्टाग्राम, टिकटॉक और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बड़ी संख्या में फॉलोअर जुटाए हैं और अपने फॉलोअर्स की राय और व्यवहार को प्रभावित करने में सक्षम हैं। जबकि इन्फ्लुएंसर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं, युवा दिमाग पर उनके प्रभाव के बारे में चिंता बढ़ रही है। इन्फ्लुएंसर्स को अक्सर रोल मॉडल और ट्रेंडसेटर के रूप में देखा जाता है, खासकर युवा लोगों के बीच। उन्हें अक्सर सफलता, लोकप्रियता और सुंदरता के अवतार के रूप में देखा जाता है। इससे 'आकांक्षी' सामग्री के चलन में वृद्धि हुई है, जहां इन्फ्लुएंसर्स अपनी शानदार जीवनशैली का प्रदर्शन करते हैं और ऐसे उत्पादों का प्रचार करते हैं जो उनके अनुयायियों को उनके जैसा बनाने का वादा करते हैं। हालांकि, प्रभावशाली लोग जिस सामग्री को बढ़ावा देते हैं, वह हमेशा सकारात्मक या स्वस्थ नहीं होती। कई प्रभावशाली लोग अवास्तविक शारीरिक मानकों को बढ़ावा देते हैं, जो उनके अनुयायियों के बीच शरीर के असंतोष और खाने के विकारों में योगदान कर सकते हैं। वे भौतिकवाद और उपभोक्तावाद को भी बढ़ावा देते हैं, अपने अनुयायियों को ऐसे उत्पाद खरीदने के लिए प्रोत्साहित करते हैं जिनकी उन्हें जरूरत नहीं है या वे खरीद नहीं सकते हैं। अस्वस्थ व्यवहार को बढ़ावा देने के अलावा, प्रभावशाली लोग युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को नशे की लत के लिए डिजाइन किया गया है, और कई युवा लोग अपने फीड को स्क्रॉल करने में घंटों बिताते हैं, खुद की तुलना दूसरों से करते हैं और अपर्याप्त महसूस करते हैं। प्रभावशाली लोगों की क्यूरेट और संपादित सामग्री वास्तविकता का एक विकृत दृश्य बना सकती है, जिससे युवा लोगों को लगता है कि वे अपने साथियों या खुद के आदर्श संस्करण के बराबर नहीं हैं जो वे ऑनलाइन देखते हैं। यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि प्रभावशाली लोग स्वाभाविक रूप से बुरे या हानिकारक नहीं होते हैं। कई लोग अपने प्लेटफॉर्म का उपयोग सकारात्मक संदेशों को बढ़ावा देने के लिए करते हैं, जैसे कि शरीर की सकारात्मकता, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और सामाजिक न्याय। हालांकि, हम जो सामग्री देखते हैं, उसके बारे में आलोचनात्मक होना और उसके पीछे के उद्देश्यों पर सवाल उठाना महत्वपूर्ण है। हमें इस तथ्य के प्रति सचेत रहना चाहिए कि प्रभावशाली लोगों को अक्सर उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए भुगतान किया जाता है, और हो सकता है कि उनकी सामग्री पूरी तरह से वास्तविक न हो। माता-पिता और शिक्षकों को भी युवाओं को सोशल मीडिया की दुनिया में आगे बढने में मदद करने में भूमिका निभानी चाहिए। उन्हें मीडिया साक्षरता कौशल सिखाकर, हम युवाओं को उनके द्वारा देखी जाने वाली सामग्री का गंभीरता से मूल्यांकन करने और इस बारे में निर्णय लेने में मदद कर सकते हैं कि वे किससे जुडना चाहते हैं। निष्कर्ष में, सोशल मीडिया के प्रभावशाली लोग युवा दिमाग पर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह से शक्तिशाली प्रभाव डाल सकते हैं, जबकि हमें संभावित जोखिमों के बारे में सावधान रहना चाहिए। हमें यह भी पहचानना चाहिए कि प्रभावशाली लोग प्रेरणा और सकारात्मक रोल मॉडल का स्रोत हो सकते हैं। मीडिया साक्षरता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देकर, हम युवाओं को स्वस्थ और उत्पादक तरीके से सोशल मीडिया की दुनिया में नेविगेट करने में मदद कर सकते हैं। भारत के सभी नागरिकों को विचार करने, भाषण देने और अपने व अन्य व्यक्तियों के विचारों के प्रचार की स्वतंत्रता प्राप्त है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता या वाक स्वतंत्रता किसी व्यक्ति या समुदाय द्वारा अपने मत और विचार को बिना प्रतिशोध, अभिवेचन या दंड के डर के प्रकट कर पाने की स्थिति होती है। इस स्वतंत्रता को सरकारें, जनसंचार कम्पनियां और अन्य संस्थाएं बाधित कर सकती हैं। मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा के अनुच्छेद 19 में प्रयुक्त 'अभिव्यक्ति' शब्द इसके क्षेत्र को बहुत विस्तृत कर देता है। विचारों के व्यक्त करने के जितने भी माध्यम हैं, वे अभिव्यक्ति, पदावली के अंतर्गत आ जाते हैं। स्वतंत्र प्रसारण ही इस स्वतंत्रता का मुख्य उद्देश्य है। यह भाषण द्वारा या समाचारपत्रों द्वारा किया जा सकता है। कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मौजूद आधी से अधिक युवतियों ने ऑनलाइन उत्पीडन या दुर्व्यवहार का सामना किया है। एक नए सर्वेक्षण में इस बात का पता चला है।

कुछ अलग

हमारी किस्मत के पकौड़े

उबलते तेल की कड़ाही से उछल कर एक पकौड़ा बाहर निकला। वह चीखा तो हलवाई ने उसे बेदर्दी से घूरा। हलवाई के लिए अब वह दो कौड़ी का भी नहीं था, हालांकि कुछ देर पहले तक उसे अपने हाथों से खिलाया, नचाया और उबलते तेल की कड़ाही में जन्म दिया था। वह अपने सहयोगियों-सहपाठियों की संगत में किसी से कम नहीं था। उसका वजन और शक्ल-सूरत किसी भी प्लेट में रखने लायक थी, लेकिन उसका उछलना उसे बर्बाद कर गया। वह पकौड़ा था, इसलिए किसी का रोजगार, किसी का व्यापार और किसी का स्वाद था। पकौड़ों को देख-देख हम हिंदोस्तानी भी रोजगार हासिल करना सीख गए। अगर सारी दुनिया पकौड़े खाना सीख ले, तो हम इस आर्थिकी के प्रमुख किरदार होंगे। अब बर्गर-पिज्जा के बीच सबसे सुंदर तो हमारा पकौड़ा ही है, लेकिन इसका रोजगार छीना जा रहा है। हम इंडियन भी कमाल हैं पकौड़े घर छोडक़र बर्गर, पिज्जा और मोमो बेच रहे हैं। कड़ाही से गिरे हुए पकौड़े एक फकीर ने उठा लिए। फकीर लाभ में था क्योंकि उसे मुफ्त में पेट भरने का मौका मिल गया। यह विशेषता भी भारतीय पकवान की है। ये गिरते-गिरते भी कूड़ेदान तक पेट में चलते हैं। दूसरी ओर बर्गर-पिज्जा को किसी ने गिरते नहीं देखा। इधर राष्ट्रीय पकवान के मुकाबले में गली-गली तक पहुंच कर पका मोमो बन रहा है। हम चीन का मुकाबला कम से कम मोमो से तो कर ही रहे हैं। जितने मोमो चीन पका ही नहीं सकता, हम पका रहे हैं। इन्हें खाने का रिकार्ड भी हम बना रहे हैं। पकौड़ों से डाक्टर लोग नफरत करते हैं, जबकि मोमो खाने वालों के इंतजार में चिकित्सा का धंधा चमक रहा है। वैसे हमारी विदेश नीति अब बर्गर-पिज्जा जैसी हो गई है। वही आसान सी रैसिपी और परत पर चढ़ी परत। हमें देखते ही ट्रंप को भी एहसास होने लगा है कि उसका बर्गर तब तक भारत में महफूज है जब तक बदले में हमें वह कुछ भी बेचता रहेगा। आश्चर्य यह कि जो अमरीका यहां भारत में बर्गर खिलाकर विदेश नीति बना रहा है, वही अपने देश में भारतीयों से बर्गर छीन रहा है। हद है कि हम अपनी भूख को बर्गर दिखाकर शांत करने लग पड़े हैं, लेकिन अमरीका की भूख हमें भूखा रखना चाहती है। वह चाहती है कि हम एक अदद पकौड़ा खाने योग्य भी न रहें। विदेश मंत्री जिस दिन अमरीका को पकौड़ा वार्ता के लिए तैयार कर लेंगे, सब कुछ बदल जाएगा। पहले ही पकौड़ा वार्ता की होती, तो अमरीका से भारतीय निर्वासित न होते। ट्रंप को समय रहते पकौड़े के गुण बताने होंगे। बताना होगा कि अगर हम पकौड़ा जिद्द पर आ गए, तो अमरीका का माल अमरीका में ही रह जाएगा। पकौड़ा खाकर हम पैदल भी चल सकते हैं, तो उनकी हार्ले डेविडसन बाइक का क्या होगा। हम हार्ले बाइक से आयात कर हटा कर भी महंगी जीएसटी के पकौड़े खा लेंगे। अगर हमने पकौड़े न खाए होते तो तुम्हारी बेडियां-हथकडियां हमें तोड़ देतीं। हम टूटे कहां, हम तो साबुत हैं। अमानवीय निर्वासित होकर भी जिंदा हैं और अगर पकौड़े खाने की ललक रही, तो पुनः इसी तरह तुम्हारी हद में घुस जाएंगे। हम हद से बाहर और बेहद होकर भी जी लेते हैं। हमने मुफ्त का राशन खाया है, तुम्हारे पिज्जा-बर्गर की क्या हैसियत जो हमें भूखा मारे। ट्रंप को भारतीयों की क्षमता से खतरा पैदा हो गया है। देश में निखट्टू वहां अमरीका में कैसे अव्वल साबित हो गए। ट्रंप ने सोचा, 'ये लोग वाकई घुस सकते हैं और घुस जाते हैं। हद तो यह कि बातों-बातों में दोस्ती के भी गले पड़ जाते हैं।'

देश दुनिया से

भ्रष्टाचार मिटाने को जिम्मेदारी तय हो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में कहा था कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए एजेंसियों को खुली छूट दे दी है और इसमें सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भ्रष्टाचार एक दीमक है जिसने देश को खोखला कर दिया है और वह देश को इस बुराई से मुक्त करने के लिए पूरे मनोयोग से काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के इस दृढ़निश्चय के बावजूद भारत में भ्रष्टाचार कैंसर की तरह फैलता जा रहा है। केंद्र की भाजपा सरकार हो या राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें, सभी भ्रष्टाचार के विरुद्ध बड़े दावे-वादे करती रही हैं, किंतु यह समस्या सुरसा के मुंह की तरह विकराल होती जा रही है। करप्शन परसेप्शन इंडेक्स-2024 की भ्रष्टाचार की सूची वाले देशों में भारत 96वें पायदान पर पहुंच गया है। साल 2023 में भारत की रैंक 93 थी। भारत इस सूची मे पड़ोसी देशों की ज्यादा बुरी हालत पर कुछ राहत महसूस कर सकता है। भ्रष्टाचार की इस सूची में भारत के पड़ोसी देशों में पाकिस्तान 135 नंबर पर और श्रीलंका 121 पर हैं, जबकि बांग्लादेश की रैंकिंग और भी नीचे 149 पर चली गई है। इस लिस्ट में चीन 76वें स्थान पर है। डेनमार्क सबसे कम भ्रष्ट राष्ट्र होने की सूची में सबसे ऊपर है, उसके बाद फिनलैंड और सिंगापुर हैं। 1995 से 2024 तक भारत में भ्रष्टाचार की औसत दर 78.03 रही, जो 2024 में 96.00 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई और 1995 में 35.00 के रिकॉर्ड निम्नतम स्तर पर पहुंच गई थी। भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक यानी सीपीआई दुनिया में सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली वैश्विक भ्रष्टाचार रैंकिंग है। यह मापता है कि विशेषज्ञों और व्यवसायियों के अनुसार प्रत्येक देश का सार्वजनिक क्षेत्र कितना भ्रष्ट है। प्रत्येक देश का स्कोर 13 विभिन्न भ्रष्टाचार सर्वेक्षणों और आकलनों से प्राप्त कम से कम 3 डेटा स्रोतों से लिया जाता है। ये सोर्स विश्व बैंक और विश्व आर्थिक मंच सहित विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा एकत्र किए जाते हैं। सीपीआई की गणना करने की प्रक्रिया की नियमित रूप से समीक्षा की जाती है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जारी की जाने वाली सूची यथासंभव मजबूत और सुसंगत है या नहीं? भारत में विदेशी निवेश अपेक्षाकृत नहीं आने का एक प्रमुख कारण भ्रष्टाचार है। भ्रष्टाचार के कारण भारत की अंतरराष्ट्रीय साख कमजोर है। विदेशी कंपनियां यहां निवेश करने से कतराती हैं। देश के उद्योगपति और लघु व मध्यम व्यवसायी इसकी मार से बच नहीं सके हैं। भारत एक तरफ वैश्विक ताकत बनने की दिशा में अग्रसर है, वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार की जंजीर इसके बढ़ते कदम को रोक रही है। ऐसा देश का शायद ही कोई चुनाव होगा जिसमें प्रधानमंत्री मोदी ने भ्रष्टाचार का जिक्र नहीं किया हो। मोदी ने लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव के दौरान भ्रष्टाचार पर प्रहार करने में कसर बाकी नहीं रखी। संसद में दिए गए भाषण में उन्होंने कहा था कि मेरे लिए भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई चुनावी जीत या हार के पैमाने पर नहीं है। मैं चुनाव जीतने या हारने के लिए भ्रष्टाचार से नहीं लड़ रहा हूं। यह मेरा मिशन है, मेरा विश्वास है। मेरा मानना है कि भ्रष्टाचार एक ऐसा दीमक है जिसने देश को खोखला कर दिया है। मैं इस देश को भ्रष्टाचार से मुक्त करने और आम लोगों के मन में भ्रष्टाचार के खिलाफ नफरत पैदा करने के लिए पूरे दिल से काम कर रहा हूं। प्रधानमंत्री के देश से पूरी तरह भ्रष्टाचार के खात्मे के प्रति प्रतिज्ञा लेने के बावजूद यदि यह संक्रामक रोग की तरह बढ़ता ही जा रहा है, तो इसके लिए ज्यादातर राजनीतिक दल जिम्मेदार हैं। क्षेत्रीय दलों की हालत यह है कि उनका एकमात्र मकसद किसी भी हालत में सत्ता में बने रहना है। इसके लिए बेशक भ्रष्टाचार से किसी भी हद तक समझौता क्यों न करना पड़े। यही वजह रही है कि इंडिया गठबंधन लगातार चुनावों में शिकस्त खाता रहा है। आश्चर्य यह है कि लोकसभा चुनावों और राज्यों के विधानसभा चुनावों में करारी हार के बावजूद विपक्षी दलों ने भ्रष्टाचार को कभी भी प्रमुख चुनावी मुद्दा नहीं बनाया। भ्रष्टाचार को लेकर हालात ये हैं कि जैसे ही कोई भी विपक्षी दल भ्रष्टाचार का जिक्र करता है, तत्काल सत्तारूढ़ दल न सिर्फ उसके बचाव में उतर आता है, बल्कि विपक्षी दल के कारनामे गिनाने लगता है। यही वजह है कि क्षेत्रीय दल अपने राज्यों में मनमानी करने पर आमदा हैं। यदि केंद्रीय जांच ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय कोई कार्रवाई करता है, तो राज्य के सत्तारूढ़ दल इसे बदले की कार्रवाई करार देने लगते हैं। इसका उदाहरण पश्चिमी बंगाल की ममता बनर्जी सरकार, तमिलनाडु की स्टालिन सरकार और कर्नाटक की सिद्धारमैया की सरकार है। इतना ही नहीं, राजनीतिक दलों का भरसक प्रयास होता है कि अदालतों में चल रहे भ्रष्टाचार के मामलों को भी प्रभावित किया जाए। गौरतलब है कि सीनियर वकील हरीश साल्वे सहित देश के 600 से ज्यादा वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखकर न्यायपालिका पर सवाल उठाने को लेकर चिंता जाहिर की थी। सीजेआई को लिखी चिट्ठी में वकीलों ने कहा था कि ये समूह न्यायिक फैसलों को प्रभावित करने के लिए दबाव की रणनीति अपना रहा है और ऐसा खासकर सियासी हस्तियों और भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़े मामलों में हो रहा है। चिट्ठी में कहा गया है कि ये समूह ऐसे बयान देते हैं जो सही नहीं होते हैं और ये राजनीतिक लाभ के लिए ऐसा करते हैं। अपनी चिट्ठी में वकीलों ने ऐसे कई तरीकों पर प्रकाश डाला है, जिनमें न्यायपालिका के तथाकथित 'स्वर्ण युग' के बारे में झूठी कहानियों का प्रचार भी शामिल है। न्यायपालिका तक को प्रभावित करने के प्रयासों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत में भ्रष्टाचार किस हद तक व्याप्त है। देश की भ्रष्टाचार में रैंकिंग बेशक बढ़ रही हो, इसके बावजूद विगत चुनावों में भाजपा अकेली पार्टी रही, जिसने भ्रष्टाचार के खात्मे की बात कही। अन्य दल तो इस मुद्दे पर चर्चा करने तक से कतराते हैं। विपक्षी दलों ने केंद्र के सत्तारूढ़ दल को भ्रष्टाचार में लपेटने की कई बार नाकाम कोशिश की है, चाहे वह मुद्दा युद्धक विमान राफेल की खरीद का हो या अडानी गुरप से जुड़ा हुआ हो। विपक्षी दल सुप्रीम कोर्ट तक में भ्रष्टाचार के मामले को ले गए, पर इसे साबित नहीं कर पाए। ऐसा भी नहीं है कि भाजपा भ्रष्टाचार को लेकर दूध की धुली है। भाजपा का दामन थामने वाले विपक्षी दलों के नेताओं के ऐसे मामलों को नजरअंदाज किया जाता रहा है। इसके अलावा केंद्र में भाजपा अकेले अपने बलबूते सत्ता में नहीं है, ऐसे में गठबंधन के सहयोगी दलों पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से मुंह फेरे रहती है। यही वजह रही है कि केंद्रीय जांच ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय की तरफ से इन सहयोगी दलों के खिलाफ एक भी कार्रवाई नहीं की गई।

आप का नजरिया

महाकुंभ के नाम भगदड़

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ जाने वाले यात्रियों में भगदड़ मच गई, नतीजतन 18 मौतें हुईं। उनमें 13 महिलाएं, 3 बच्चे और 2 पुरुष थे, जो भगदड़ में कुचले गए। घायल भी 25 से अधिक बताए गए हैं। अस्पताल के सूत्रों और कुछ प्रत्यक्षदर्शियों के अनुमान हैं कि मौतों का आंकड़ा बहुत ज्यादा हो सकता है। बीती शनिवार रात को यह हादसा हुआ, जिसे सामान्य घटना नहीं माना जा सकता। दरअसल यह प्रशासनिक त्रासदी है। अब यह साबित हो गया है कि ऐसी भगदड़ को रोकने में हमारा प्रशासन अक्षम और लापरवाह है। आस्था और अध्यात्म किसी को भी उत्तेजित उन्माद और हुड़दंगबाजी को विवश नहीं करते। महाकुंभ में जाने और त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान कर पुण्य कमाने की इच्छा सनातनी और स्वाभाविक है, लेकिन रेलवे स्टेशन की भगदड़ ही अकेली दुर्भाग्यपूर्ण घटना नहीं है। बीते दिनों बिहार के पटना और अन्य रेलवे स्टेशनों पर भीड़ के हिंसक चेहरे भी दिखाई दिए। वह भीड़ भी महाकुंभ जाने को आमादा थी। यह संस्कृति ही अराजकता और भगदड़ को जन्म देती है। बिहार में बेलगाम भीड़ ने ट्रेन के वातानुकूलित डिब्बों के दरवाजे और शीशे ही तोड़ दिए। शीशों पर अलग-अलग चीजों से प्रहार किए गए और वे टूट कर बिखर गए। अंदर बैठे कुछ यात्री चोटिल भी हुए होंगे! भीड़ के विध्वंसक चेहरे सीसीटीवी में कैद हो गए होंगे, यदि वे कैमरे ऑन या कार्यरत होंगे! केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उन चेहरों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। वे आम आदमी और विपन्न घरों के होंगे, तो उनसे आर्थिक जुर्माना कैसे वसूल किया जा सकता है? आप जेल में डाल सकते हैं, लेकिन उनके संस्कार ही हमलावर हैं, तो उन्हें कैसे बदला जा सकता है? सार्वजनिक संपत्तियां तो बर्बाद होती रही हैं। ये संपत्तियां कुछ मायनों में महाकुंभ में स्नान करने से भी पवित्र और महत्वपूर्ण हैं। ऐसे तोड़-फोड़ करने और भगदड़ मचाने वाले तत्त्व आध्यात्मिक और आस्थामय नहीं हो सकते। रेल मंत्री अक्सर गिनाते रहते हैं कि कितनी हजार रेलगाडियां महाकुंभ के लिए चलाई जा रही हैं। वह अक्सर तसल्ली देते रहते हैं कि समूची व्यवस्था ठीक है। लेकिन हम भीड़-नियंत्रण में अज्ञानी, लापरवाह और अक्षम हैं, नतीजतन बार-बार और वह भी धार्मिक आयोजनों के संदर्भ में ज्यादा भगदड़ें होती रही हैं। महाकुंभ को लेकर शुरुआत में भीड़-नियंत्रण के खूब दावे किए जा रहे थे, लेकिन मेला-क्षेत्र में ही जो भगदड़ मची थी, उसमें अंतिम तौर पर मृतकों की संख्या कितनी रही, उसका डाटा उप्र सरकार ने आज तक साझा नहीं किया है।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

ईरान, ओमान की खाड़ी के नजदीक बनाना चाहता है अपनी नई राजधानी

तेहरान, 20 फरवरी (एजेंसियां)।

ईरान अब अपनी राजधानी बदलने की योजना बना रहा है। इसका प्रमुख कारण तेहरान में लगातार बढ़ती जनसंख्या और शहर के संसाधनों पर बढ़ता दबाव है। अधिकारियों के पास इस समस्या का कोई समाधान नहीं है। ऐसे में ईरान ने अपनी राजधानी को ओमान की खाड़ी के नजदीक ले जाने की योजना बनाई है। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से कई मौकों पर ईरान की राजधानी को स्थानांतरित करने का विचार सामने आया है, लेकिन वित्तीय और रसद बाधाओं के चलते इसे टाल दिया गया।

पिछले साल जुलाई में पदभार संभालने वाले सुधारवादी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने हाल ही में तेहरान की बढ़ती चुनौतियों का हवाला देते हुए इस विचार को फिर से जिंदा कर दिया है। इनमें ट्रैफिक जाम, पानी की कमी, संसाधनों का कुप्रबंधन, अत्यधिक वायु प्रदूषण, साथ ही प्राकृतिक प्रक्रियाओं या मानवीय गतिविधियों के कारण भूमि का धीरे-धीरे डूबना शामिल है। जनवरी में सरकार की प्रवक्ता ने कहा कि अधिकारी राजधानी के संभावित ट्रांसफर का अध्ययन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मकरान क्षेत्र पर विचार किया जा रहा है, लेकिन उन्होंने कोई समयसीमा नहीं बताई।

तेहरान में बढ़ती जनसंख्या और संसाधनों का बढ़ रहा दबाव

मकरान ओमान की खाड़ी पर एक बहुत बड़ा अविकसित तटीय क्षेत्र है, जो ईरान के दक्षिणी, गरीब सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत और पड़ोसी होर्मोजगन प्रांत के हिस्से में फैला है। इसे ईरान की नई राजधानी के लिए सबसे बेहतर माना जा रहा है। विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा था कि मकरान के खोए हुए स्वर्ग को ईरान और क्षेत्र के भविष्य के आर्थिक केंद्र में बदलना होगा। पिछले साल पेजेशकियन ने कहा था कि हमारे पास देश के आर्थिक और राजनीतिक केंद्र को दक्षिण और समुद्र के पास ले जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

तेहरान की समस्याएं मौजूदा नीतियों के जारी रहने से और भी बदतर हो गई हैं। स्थानांतरण योजनाओं के पुनरुद्धार ने उनकी जरुरत पर बहस को फिर से शुरू कर दिया है, जिसमें कई लोगों ने तेहरान के ऐतिहासिक और रणनीतिक महत्व पर प्रकाश डाला है। 1786 में आगा मोहम्मद खान कजर द्वारा राजधानी घोषित किया गया तेहरान दो शताब्दियों से ज्यादा समय से ईरान के राजनीतिक, प्रशासनिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में कार्य करता रहा है।

गवर्नर मोहम्मद सादेग मोटामेडियन के मुताबिक तेहरान प्रांत में वर्तमान में करीब 18 मिलियन लोग रहते हैं, साथ ही करीब दो मिलियन लोग ऐसे हैं जो यहां आते-जाते हैं।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप प्रशासन ने जारी किया वीडियो प्रवासियों को हथकड़ी और जंजीर से बंधा दिखाया

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जनवरी में शपथ ग्रहण के बाद से ही अवैध प्रवासियों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया है। अमेरिका में अवैध प्रवासियों को डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन गिरफ्तार कर वापस भेज रहा है। इसमें भारत, मैक्सिको, सल्वाडोर, ब्राजील, कनाडा, कोलंबिया, इक्वाडोर जैसे देशों के नागरिक शामिल हैं। अमेरिकी प्रशासन ने अवैध प्रवासियों को वापस भेजने के लिए बेहद अमानवीय तरीका अपनाया है। जंजीरों में जकड़कर इन लोगों को सैन्य विमानों से वापस भेजा रहा है। भारत सहित दुनियाभर में इस अमानवीयता का विरोध हो रहा है, लेकिन ट्रंप सरकार इसके बाद भी इस जारी रखे हुए है, बल्कि इसके वीडियो जारी करते हुए बेशर्मी से प्रवासियों का मजाक भी बना रही है। वाइट हाउस ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर किया है। वीडियो में गैरकानूनी प्रवासियों को हथकड़ी और जंजीर से बांधकर जहाज में बैठाते हुए दिखाया गया है। टेस्ला के सीईओ और ट्रंप के खास सहयोगी एलन मस्क ने वीडियो को रीट्वीट करते हुए हाहा, वाह लिखा है। सोशल मीडिया पर वीडियो आने के बाद कई लोगों ने वीडियो को घृणित और बेशर्मी की हद बताया है। सोशल यूजर्स का कहना है कि गैरकानूनी प्रवासियों को हथकड़ी और जंजीरों से बांधकर उनके देश वापस भेजना और उनका मजाक उड़ाना किसी भी सभ्य समाज के लिए कलंक की तरह है। अमेरिका से भारत लौटे निर्वासितों ने भी अपने साथ हुए खराब बर्ताव का खुलासा किया है। अमेरिका से लौटे लोगों ने बताया है कि उन्हें जंजीरों से बांधा जाता है और मानसिक यातना दी जाती है। अब तक गैरकानूनी भारतीय प्रवासियों को लेकर तीन अमेरिकी सैन्य विमान अमृतसर पहुंच चुके हैं। भारत में लगातार ये मांग हो रही है कि इस तरह से अमानवीय बर्ताव हमारे नागरिकों के साथ बंद किया जाए लेकिन अमेरिका फिलहाल मनमानी पर कायम दिख रहा है।

ट्रंप फाइटर जेट एफ-35 भारत को देने पर बना रहे दबाव, पर मस्क क्यों बता रहे फ्लॉप

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर जेट एफ-35 को बेचने का ऑफर दिया है। पीएम नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान ट्रंप ने फाइटर जेट को भारत को बेचने का ऐलान किया था। ट्रंप के एफ-35 जेट को लेकर दिए गए ऑफर या दबाव पर भारत अभी बातचीत कर रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि भारत राफेल की तरह से भारत सीमित मात्रा में यह फाइटर जेट अमेरिका से ले सकता है। ट्रंप ने भारत पर यह भी दबाव डालने की कोशिश की है कि वह ज्यादा से ज्यादा हथियार खरीदे। वहीं अब खुद अमेरिका में इसके खिलाफ जांच शुरू हो गई है। यह जांच ट्रंप के करीबी एलन मस्क के विभाग डॉज ने रक्षा मंत्रालय पेंटागन के खिलाफ जांच शुरू की है और 2 ट्रिल्यन डॉलर के एफ-35 प्रोग्राम पर हथौड़ा चलाने की तैयारी है। मस्क सत्ता संभालने से पहले एफ-35 फाइटर जेट को फ्लॉप और इसको बनाने वालों को मूर्ख बता चुके हैं। इससे पहले अमेरिकी वायुसेना के एक शीर्ष अफसर ने एलन मस्क को जवाब दिया था और कहा था कि टेस्ला के मालिक असली युद्ध के लिए फाइटर जेट के मुकाबले ड्रोन की ताकत को ज्यादा आंक कर गलत कर रहे हैं। अमेरिकी वायुसेना चाहे जो कहे लेकिन विश्लेषकों का कहना है कि मस्क की आलोचना में सच्चाई है। इससे पहले फरवरी 2024 में खुलासा हुआ था कि एफ-35 फाइटर जेट प्रोग्राम तकनीक और क्षमता के वादे को लेकर गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है।

टैटू बनवाने से एड्स, कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा

लंदन। टैटू बनवाने से एड्स, कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों का खतरा हो सकता है। यह खबरें टैटू के शौकीनों के मन में डर पैदा कर रही हैं। हालांकि, विशेषज्ञों की राय इससे अलग है।

डॉक्टरों का कहना है कि टैटू बनवाने से किसी भी बीमारी का सीधा खतरा नहीं होता, लेकिन इसके लिए स्वच्छता का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। यदि टैटू बनवाने में इस्तेमाल होने वाली सुई और अन्य उपकरण पूरी तरह से सेनेटाइज न किए जाएं या किसी संक्रमित व्यक्ति पर इस्तेमाल की गई सुई को दोबारा उपयोग में लाया जाए, तो संक्रमण फैलने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में एड्स और हेपेटाइटिस जैसी बीमारियों का खतरा हो सकता है। इसलिए टैटू बनवाने से पहले यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण एकदम स्वच्छ और नए हों।

गाजा युद्ध विराम समझौते पर चर्चा के लिए इजराइली टीम जाएगी काहिरा : नेतन्याहू

यरूशलम, 20 फरवरी (एजेंसियां)।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि गाजा युद्ध विराम समझौते पर चर्चा के लिए एक वार्ता दल सोमवार को मिस्र की राजधानी काहिरा जाएगा।

प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, नेतन्याहू ने अमेरिका के मध्य पूर्व दूत स्टीव विटकॉफ के साथ फोन पर बात की, जिसके बाद उन्होंने एक इजरायली वार्ता दल को सोमवार को काहिरा के लिए रवाना होने का निर्देश दिया।

बता दें मिस्र, कतर, संयुक्त राज्य अमेरिका की मध्यस्थता में यह समझौता हुआ है।बयान में कहा गया कि टीम सबसे पहले समझौते के पहले चरण को जारी रखने पर चर्चा करेगी। इसके मुताबिक सोमवार को होने वाली इजरायली सुरक्षा कैबिनेट की बैठक के बाद उन्हें दूसरे चरण के संबंध में वार्ता जारी रखने के निर्देश प्राप्त होंगे।इस बीच, रविवार को फॉक्स न्यूज के साथ एक इंटरव्यू में विटकॉफ ने कहा कि दूसरे चरण के बारे में बातचीत पहले ही शुरू हो चुकी है और इस सप्ताह भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा, लोकेशन तय की जानी है ताकि यह पता लगा सकें कि हम दूसरे चरण को सफलतापूर्वक कैसे पूरा कर सकते हैं।

इससे पहले गाजा युद्ध विराम समझौते के तहत शनिवार (15 फरवरी) को बंधकों और कैदियों की छठी अदला-बदली के तहत हमास ने तीन इजरायली बंधकों को रिहा कर दिया। इन तीन के बदले में यहूदी राष्ट्र 369 फिलिस्तीनी कैदियों आजाद किया।

19 जनवरी से प्रभावी और छह सप्ताह तक चलने वाले युद्ध विराम समझौते के

पहले चरण के तहत, लगभग 2,000 फिलिस्तीनियों के बदले में 33 इजरायली बंधकों को रिहा किए जाने की उम्मीद है।

अब तक, 19 इजरायली बंधकों के साथ-साथ पांच थाई लोगों को गाजा से रिहा किया जा चुका है, जबकि इजरायली अधिकारियों ने 1,000 से अधिक फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया है।

इजराइल और हमास को फरवरी की शुरुआत में दूसरे चरण पर बातचीत शुरू करनी थी। हमास ने 4 फरवरी को एक बयान में कहा कि उसने अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थों के साथ चर्चा शुरू कर दी है, जबकि नेतन्याहू के प्रवक्ता ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि इजराइल ने अभी तक दूसरे चरण पर बातचीत शुरू नहीं की है।समझौते के दूसरे चरण में शेष बंधकों की रिहाई, फिलिस्तीनी क्षेत्र से इजराइली सेना की पूरी तरह वापसी और स्थायी युद्ध विराम के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित किया जाना है।

ट्रंप के जेलेंस्की को तानाशाह कहने पर यूक्रेन का बच्चा-बच्चा नाराज

कीव। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की को बिना चुनाव के तानाशाह कहने पर तीखी प्रतिक्रिया हुई है। ट्रंप की टिप्पणी से यूक्रेन का बच्चा-बच्चा उनसे नाराज दिख रहा है। यूक्रेन के सभी राजनीतिक दलों ने राजधानी कीव में रैली कर ट्रंप की जमकर निंदा की। खबर के अनुसार, ट्रंप ने कहा था कि जेलेंस्की असफल, अलोकप्रिय व्यक्ति है। इस युद्ध के लिए वह दोषी है।

जेलेंस्की की जिद ने सैकड़ों हजारों लोगों को जीवन खत्म कर दिया। लाखों लोग विस्थापित होने को विवश हो गए। ट्रुथ सोशल पर बुधवार को ट्रम्प ने जेलेंस्की को बिना चुनाव के तानाशाह के रूप में वर्णित किया था। ट्रंप का यह बयान तब आया जब जेलेंस्की ने आरोप लगाया कि ट्रंप, रूस के प्रभाव में आ गए हैं और क्रेमलिन के लिए अनुकूल शर्तों पर युद्ध खत्म करना चाहते हैं। ट्रंप ने कहा, जरा सोचिए, एक मामूली सफल कॉमेडियन जेलेंस्की ने अमेरिका को 350 बिलियन डॉलर खर्च करने के लिए मना लिया। यह ऐसा युद्ध जो जीता नहीं जा सकता। इसे कभी शुरू ही नहीं होना चाहिए था। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में मंगलवार को रूस और अमेरिका के बीच एक बैठक हुई, जिसमें यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने पर चर्चा हुई। इस बैठक के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया कि जेलेंस्की की लोकप्रियता मात्र चार प्रतिशत रह गई है, जबकि ताजा सर्वे में उनकी अप्रूवल रेटिंग 57 प्रतिशत बताई गई है। इस बैठक के नतीजों को खारिज करते हुए जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन अपनी भागीदारी के बिना लिए गए किसी भी फैसले को स्वीकार नहीं करेगा।

हृदय में भी मीठे स्वाद के रिसेप्टर मौजूद : अध्ययन

न्यूयॉर्क, 20 फरवरी (एजेंसियां)।

हमारे हृदय में भी वही मीठे स्वाद के रिसेप्टर मौजूद होते हैं, जो हमारी जीभ पर होते हैं। हाल ही में हुए एक शोध में वैज्ञानिकों ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। अध्ययन में पाया कि जब इन रिसेप्टर्स को मीठे पदार्थों से सक्रिय किया जाता है, तो हृदय की धड़कन पर असर पड़ सकता है।

इस खोज से हृदय के कार्य करने के तरीके को बेहतर समझने और हृदय रोगों के नए इलाज विकसित करने की संभावनाएं खुल सकती हैं। नए अध्ययन में यह पाया गया कि ये रिसेप्टर सिर्फ हृदय की मांसपेशियों में मौजूद ही नहीं होते, बल्कि सक्रिय भी होते हैं। वैज्ञानिकों ने इंसान और चूहे की हृदय कोशिकाओं में कृत्रिम मिठास देने वाले पदार्थ एस्पार्टेम का इस्तेमाल कर इन रिसेप्टर्स को उत्तेजित किया। इससे हृदय की मांसपेशियों के संकुचन की शक्ति बढ़ गई और कैल्शियम को नियंत्रित करने की प्रक्रिया तेज हो गई। ये दोनों ही बातें एक स्वस्थ हृदय के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। अब तक स्वाद रिसेप्टर्स को केवल जीभ से जोड़ा जाता था, लेकिन हाल के शोधों में पाया गया है कि ये शरीर के अन्य हिस्सों में भी मौजूद होते हैं और अलग-अलग कार्य करते हैं। यह पहली बार है जब किसी अध्ययन ने हृदय की मांसपेशियों की सतह पर मीठे स्वाद के रिसेप्टर (टीएएस1आर2 और टीएएस1आर3) की पहचान की है। शोधकर्ता माइका योडर, जो शिकागो की लोयोला यूनिवर्सिटी में अध्ययन कर रहे हैं, बताते हैं, जब हम खाना खाते हैं, तो हृदय गति और रक्तचाप बढ़ता है। पहले यह माना जाता था कि यह सिर्फ तंत्रिका तंत्र के कारण होता है, लेकिन अब वैज्ञानिक मान रहे हैं कि भोजन के बाद रक्त में शर्करा की मात्रा बढ़ने से ये मीठे स्वाद वाले रिसेप्टर सक्रिय हो जाते हैं और हृदय की धड़कन को प्रभावित कर सकते हैं। दिलचस्प बात यह है कि इन रिसेप्टर्स की संख्या हृदय रोगियों के हृदय में अधिक पाई गई, जिससे यह संकेत मिलता है कि इनका हृदय रोग से कोई संबंध हो सकता है। शोध में यह भी पता चला कि जब ये रिसेप्टर सक्रिय होते हैं, तो हृदय कोशिकाओं में एक विशेष प्रक्रिया शुरू होती है, जिसमें कुछ प्रोटीन कैल्शियम के प्रवाह और मांसपेशियों के संकुचन को नियंत्रित करते हैं। इसके अलावा, यह अध्ययन इस सवाल का भी जवाब दे सकता है कि कृत्रिम मिठास वाले पेय अधिक पीने से हृदय की धड़कन असामान्य क्यों हो सकती है। वैज्ञानिकों ने पाया कि विशेष रूप से एस्पार्टेम जैसे कृत्रिम मिठास वाले पदार्थ इन रिसेप्टर्स को अत्यधिक उत्तेजित कर सकते हैं, जिससे हृदय की धड़कन अनियमित हो सकती है।

आतंकवाद पर भारत ने पाकिस्तान को लताड़ा, चुपचाप सुनता रहा चीन

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में आतंकवाद के मामले पर पाकिस्तान को लताड़ा है। इस बैठक की अध्यक्षता चीन कर रहा था, लेकिन बैठक में भारतीय राजनयिक ने कहा कि भारत लंबे समय से पाकिस्तान में सक्रिय जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों की हरकतों से पीड़ित है। इसके बाद भी जब पाकिस्तान कहता है कि वह दहशतगर्दों से निपटने की कोशिश कर रहा है तो यह बड़ी विडंबना है। बैठक में चीन भारत की बातों को चुपचाप सुनता रहा। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार ने ग्लोबल गवर्नेंस में सुधार को लेकर एक डिबेट में जम्मू-कश्मीर का जिक्र किया था। इसके बाद जब भारत ने खूब सुनाया और पाकिस्तान को वैश्विक आतंकवाद का केंद्र करार दिया। उन्होंने कहा कि यहां से ऐसे 20 से ज्यादा आतंकी संगठन चल रहे हैं, जो संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबंधित सूची में शामिल हैं।

महाभियोगाधीन राष्ट्रपति येओल आपराधिक मुकदमे की प्राथमिक सुनवाई में हुए शामिल

सियोल, 20 फरवरी (एजेंसियां)।

दक्षिण कोरिया के महाभियोगाधीन राष्ट्रपति यून सुक येओल के खिलाफ आपराधिक मुकदमे की पहली प्रारंभिक सुनवाई सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में सुबह 10 बजे शुरू हुई। यह 13 मिनट चली। अदालत ने अगली सुनवाई 24 मार्च की तारीख मुकर्रर की। इस दौरान येओल कोर्ट में मौजूद रहे। इसी के साथ येओल आपराधिक मुकदमे का सामना करने वाले देश के पहले मौजूदा राष्ट्रपति बन गए।

येओल के खिलाफ महाभियोग का मुकदमा भी अंतिम चरण में पहुंच गया है। उन्हें पिछले महीने मार्शल लॉ की अल्पकालिक घोषणा के दौरान विद्रोह के आरोप में दोषी ठहराया जा चुका है। यह आरोप अभियोजन से उनके राष्ट्रपति के रूप में मिले अधिकारों की छूट को खत्म कर देता है। प्रारंभिक सुनवाई का उद्देश्य मामले के मुख्य विवादों को स्पष्ट करना और भविष्य की कार्यवाही की योजना बनाना है। येओल ने गहरे नीले रंग का सूट और लाल टाई पहनकर अदालत में प्रवेश किया। येओल के कानूनी प्रतिनिधियों ने कहा कि वे आगामी तारीख में आरोपों पर अपना रुख साफ करेंगे। उन्होंने इस पर भी अपना रुख स्पष्ट नहीं किया कि क्या इस मामले को पूर्व रक्षामंत्री किम योंग-ह्यून सहित येओल के मार्शल लॉ लगाने में उनकी कथित भूमिका के लिए दोषी ठहराए गए अन्य लोगों के साथ विलय किया जाए या नहीं।

पाकिस्तान में 14 आतंकवादियों के सिर पर भारी भरकम इनाम

इस्लामाबाद, 20 फरवरी (एजेंसियां)।

खैबर पख्तूनख्वा सरकार ने प्रांत के सबसे अशांत कुर्रम जिले में खूनखराबा कर रहे 14 आतंकवादियों को जिंदा या मुर्दा पकड़ने पर इनाम घोषित किया है। सरकारी अधिसूचना में इनाम की अनुमानित राशि लगभग 130 मिलियन रुपये बताई गई है। सबसे ज्यादा इनाम 30 मिलियन रुपये खूंखार आतंकवादी काजिम के लिए घोषित किया गया है। बाकी 13 आतंकियों पर 10 लाख रुपये से लेकर एक करोड़ रुपये तक का इनाम है। अधिसूचना में कहा गया है कि सूचना देने वालों के नाम गोपनीय रखे जाएंगे। यह निर्णय क्षेत्र आतंकवाद से लड़ने के सरकार के मजबूत प्रयासों के हिस्से के रूप में आया है। कुर्रम में आतंकवादियों के सिर पर इनाम का उद्देश्य जनता को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करने के लिए प्रेरित करना है। हाल ही में कुर्रम के विभिन्न इलाकों से 10 आतंकियों को गिरफ्तार किया गया है। यह आतंकवादी 17 फरवरी को एक काफिले पर हुए

हमले में शामिल थे। प्रांत के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने कहा कि विदेशी तत्व आतंकवादियों को हथियार और गोला-बारूद मुहैया करा रहे हैं। बाहरी ताकतें पूरे पाकिस्तान को आग में झोंकना चाहती हैं। हम पीछे नहीं हटे। कोई भी आतंकवादी जीवित नहीं बचेगा। उल्लेखनीय है कि खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की सरकार ने सुरक्षा बलों और सहायता काफिलों पर लगातार हो रहे हमलों के मद्देनजर कुर्रम जिले को आतंकवादियों से मुक्त कराने के लिए बड़ा अभियान शुरू किया है।

निमिशा प्रिया के मुददे पर भारत के साथ ईरान, ईरानी विदेश मंत्री ने मामले में हूती विद्रोहियों से बात की

तेहरान। ईरान ने फिर भारत से अपनी गहरी दोस्ती को निभाई है। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के अनुरोध के बाद ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने यमन के हूती विद्रोहियों के वरिष्ठ दूत से पूर्व भारतीय नर्स निमिशा प्रिया का मुद्दा उठाया है। 37 साल की निमिशा को अपने यमनी बिजनस पार्टनर की हत्या के लिए साल 2020 में दोषी ठहराया गया था। उन्हें एक यमनी सर्वोच्च अदालत से मौत की सजा सुनाई है। इसके पहले जयशंकर ने मस्कट में ईरानी विदेश मंत्री से हूतियों को मनाने के लिए अनुरोध किया था। ईरान और हूतियों के बीच बहुत ही अच्छे संबंध हैं और दोनों इजरायल के खिलाफ लड़ाई में एक साथ हैं। ईरान ही हूतियों को हथियारों की सप्लाई करने वाला प्रमुख देश है। ईरानी विदेश मंत्री अराघची ने इंटरव्यू में कहा कि उन्होंने हूतियों के विशेष दूत अंसार अल्लाह से तत्काल बात की है। यमन के काफी ज्यादा हिस्से पर हूतियों का ही कब्जा है। निमिशा भी हूतियों के कब्जे में ही है। अराघची ने कहा, हम आशावान हैं। मैंने अब्दुल सलाम से बात भी की है। मैंने सलाम से केस के बारे में बात की है और हूती दूत ने आश्वासन दिया है कि वह इस दिशा में आगे बढ़ने का रास्ता तलाश करने में प्रयास करने वाले है। वहीं एक रिपोर्ट के मुताबिक ईरानी विदेश मंत्री और हूती दूत के बीच मस्कट में मुलाकात हुई है। इसमें गाजा सीजफायर सहित क्षेत्रीय घटनाक्रम पर चर्चा हुई है। 37 साल की निमिशा प्रिया केरल निवासी हैं और साल 2017 में उन पर अपने यमनी बिजनस पार्टनर की हत्या करने का आरोप है।

हमें उम्मीद नहीं थी कि न्यूजीलैंड बोर्ड पर 320 रन बनाएगा : मोहम्मद रिजवान

कराची, 20 फरवरी (एजेंसियां)।

सात साल के लंबे इंतजार के बाद चैंपियंस ट्रॉफी की वापसी हुई, और टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को 60 रनों से हराकर शानदार आगाज किया।

इस मुकाबले में न्यूजीलैंड की शुरुआत संघर्षपूर्ण रही। पाकिस्तानी गेंदबाजों नसीम शाह, हारिस रऊफ और अबरार अहमद ने कड़ा मुकाबला पेश किया और शुरुआती 73 रन के भीतर डेवोन कॉनवे, केन विलियमसन और डेरिल मिशेल के विकेट झटक लिए। लेकिन इसके बाद टॉम लैथम (118) और विल यंग (107) ने 118 रनों की साझेदारी कर न्यूजीलैंड को मुश्किल हालात से बाहर निकाला। अंत में ग्लेन फिलिप्स ने 39 गेंदों में 61 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली, जिससे न्यूजीलैंड ने आखिरी 10 ओवरों में 113 रन जोड़कर स्कोर को 320/5 तक पहुंचा दिया।

रिजवान ने मानी डेथ ओवरों में चूक – लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की टीम इस विशाल लक्ष्य के दबाव में बिखर गई और पूरी टीम 260 रन के भीतर सिमट गई। मैच के बाद पाकिस्तान के बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने कहा, हमें उम्मीद नहीं थी कि वे 320 तक पहुंच जाएंगे। हमने सोचा था कि उन्हें 260 के आसपास रोक लेंगे, लेकिन विल यंग और लैथम ने बहुत समझदारी से खेला। अंतिम ओवरों में हमारा प्रदर्शन अच्छा नहीं था, जिससे उन्होंने बड़ा स्कोर खड़ा कर लिया।

भारत के खिलाफ करो या मरो का मुकाबला – रविवार को पाकिस्तान का मुकाबला अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत से होगा। इस मैच में हार पाकिस्तान की खिताबी रक्षा की उम्मीदों को खत्म कर सकती है। हालांकि, बढ़ते दबाव के बीच रिजवान ने कहा, हम इस मैच को एक सामान्य मुकाबले की तरह लेंगे और खुद पर गत चैंपियन होने का अतिरिक्त दबाव नहीं डालेंगे। अब सभी की निगाहें भारत-पाकिस्तान के हाई-वोल्टेज मुकाबले पर टिकी हैं, जहां पाकिस्तान को हर हाल में जीत की दरकार होगी।

न्यूज ब्रीफ

रेफरी को अपशब्द कहने पर जूड बेलिंगहैम पर लगा दो मैचों का प्रतिबंध

मैड्रिड। स्पेनिश फुटबॉल महासंघ (आरएफईएफ) की अनुशासनात्मक समिति ने रियल मैड्रिड के इंग्लिश मिडफील्डर जूड बेलिंगहैम पर दो मैचों का प्रतिबंध लगाया है। यह कार्रवाई उन्हें ओसासुना के खिलाफ पिछले शनिवार को खेले गए मैच में लाल कार्ड दिखाए जाने के बाद की गई है। मैच के पहले हाफ में रेफरी जोस लुइस मुनुएरा मोंटेरो ने बेलिंगहैम को अपशब्द कहने के आरोप में बाहर भेज दिया था। हालांकि, रियल मैड्रिड ने रेफरी की रिपोर्ट पर सवाल उठाते हुए कहा कि बेलिंगहैम ने एफ यू की जगह एफ ऑफ कहा था। आरएफईएफ ने बेलिंगहैम को रेफरी के प्रति अनादर का दोषी पाया है, जिसके चलते उन्हें दो मैचों के लिए निलंबित किया गया। यदि उन्हें रेफरी का अपमान करने का दोषी माना जाता, तो उनका प्रतिबंध 4 से 12 मैचों तक बढ़ सकता था। इस फैसले के बाद रेफरी मुनुएरा को सोशल मीडिया पर धमकियों और अभद्र टिप्पणियों का सामना करना पड़ा है। उन्हें और उनके परिवार को निशाना बनाते हुए सैकड़ों अपमानजनक संदेश भेजे गए, जिससे मजबूर होकर उन्होंने अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल बंद कर दी हैं। रियल मैड्रिड बेलिंगहैम के प्रतिबंध के खिलाफ अपील कर सकता है। अगर प्रतिबंध बरकरार रहता है, तो बेलिंगहैम शनिवार को गिरोना और अगले हफ्ते बेटिस के खिलाफ होने वाले मैचों में नहीं खेल पाएंगे।

डिविलियर्स का आरसीबी ने सही तरीके से उपयोग नहीं किया: मांजरेकर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर अपने विवादित बयानों के कारण चर्चाओं में बने रहते हैं। अब उन्होंने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज रहे एबी डिविलियर्स ने आईपीएल में गलत टीम से खेला था।

डिविलियर्स ने शुरुआत में दिल्ली डेयरडेविल्स के लिए आईपीएल में तीन सत्र खेले थे। वहीं 2011 की आईपीएल मेगा ऑक्शन में वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में शामिल हुए और 2021 में अपने करियर को अलविदा कहने तक उसकी ओर से ही खेलते रहे। डिविलियर्स ने 184 आईपीएल मैचों में 5162 रन बनाए लेकिन कभी टीम को आईपीएल खिताब नहीं जिता पाये। उन्होंने 2011 और 2016 में आरसीबी के साथ आईपीएल फाइनल खेला पर दोनों बार टीम हार गयी। 14 साल के अपने आईपीएल करियर में खिताब न जीतने के बावजूद डिविलियर्स आईपीएल में खेलने वाले सबसे बड़े क्रिकेटरों में से एक हैं। मांजरेकर के अनुसार डिविलियर्स का आरसीबी ने सही तरीके से उपयोग नहीं किया। मांजरकेर का कहना है कि डिविलियर्स को टॉप आर्डर में आना चाहिए था और उन्होंने यह भी कहा कि एबी ने गलत फ्रेंचाइजी के लिए खेला। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु तीन बार ट्रॉफी के करीब पहुंची, 2009, 2011 और 2016 में, लेकिन वे फाइनल में हार गए। ट्रॉफी के सूखे के बावजूद,आरसीबी अतीत में कई महान बल्लेबाजों का घर रहा है जो मैच विनर से कम नहीं हैं। चाहे वह केएल राहुल हो, शेन वॉटसन हो, क्रिस गेल हो, ब्रेंडन मैकुलम हो या एबी डिविलियर्स, आरसीबी ने हमेशा अपने रैंकों में आक्रामक बल्लेबाजों की विलासिता का आनंद लिया है जो खेल को विपक्ष से दूर ले जा सकते हैं, लेकिन उनका खिताब का सूखा जारी है।

एलएसजी का रुख आईपीए में आक्रामक रहेगा : जहीर

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) टीम के मेंटर जहीर खान ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में लखनऊ सुपरजायंटस के पास बाएं हाथ के कई बल्लेबाज हैं।

पिछले साल की मेगा नीलामी के दौरान लखनऊ ने पांच बाएं हाथ के बल्लेबाजों को खरीदा है। इसमें से तीन को अंतिम ग्यारह में जगह मिल सकती है। ऋषभ पंत, निकोलस पूरन और डेविड मिलर शुरुआत में उतरेंगे। साथ ही कहा कि तीन बाएं हाथ के बल्लेबाजों के होने से टीम का रुख आक्रामक रहेगा। जहीर के अनुसार इतने बांए हाथ के खिलाड़ी रखना टीम की रणनीति भी हो सकती है। एलएसजी ने इस सत्र के लिए ऋषभ को कप्तान बनाया है। 2016 में दिल्ली डेयरडेविल्स की कप्तानी करने वाले जहीर ने ऋषभ को देखा है और उनके साथ काम किया है। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज के अनुसार ऋषभ ऐसे व्यक्ति हैं जो पूरी टीम को प्रेरित कर सकते हैं और क्रिकेट का एक ऐसा ब्रांड स्थापित कर सकते हैं जिसे एलएसजी खेलना चाहता है। उन्होंने कहा कि सीजन में उस माहौल को बनाने और किसी भी टीम के लिए सफलता के स्तंभ तैयार करने के लिए कप्तान की भूमिका अहम होती है। जिसमें वह सक्षम हैं। जहीर ने कहा, यह सामरिक बढ़त भी हो सकती है। हम इसे इसी तरह से देख रहे हैं। मैंने यह नहीं देखा है कि मैं टीम में कितने बाएं हाथ के खिलाड़ियों को चाहता हूं।

भारत ने बांग्लादेश को छह विकेट से हराया, शुभमन गिल ने जड़ा शतक, शमी की शानदार गेंदबाजी

दुबई, 20 फरवरी (एजेंसियां)।

भारतीय टीम ने शुभमन गिल के शतक की मदद से बांग्लादेश को चैंपियंस ट्रॉफी के अपने पहले मुकाबले में छह विकेट से हरा दिया है। मोहम्मद शमी की अगुआई में भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया था और बांग्लादेश को 49.4 ओवर में 228 रन पर रोक दिया था। जवाब में भारत ने गिल के 129 गेंदों पर नौ चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 101 रनों की बदौलत 46.3 ओवर में चार विकेट पर 231 रन बनाकर मैच जीता। भारतीय टीम ने इस तरह चैंपियंस ट्रॉफी में अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ थी।

लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान रोहित शर्मा और गिल ने भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई थी, लेकिन रोहित 41 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद टीम ने विराट कोहली, श्रेयस अय्यर और अक्षर पटेल के विकेट गंवाए। कोहली ने 22 रन, श्रेयस ने 15 और अक्षर ने आठ रन बनाए। इसके बाद केएल राहुल ने गिल के साथ मिलकर पांचवें विकेट के लिए 87 रनों की अविजित साझेदारी की।

केएल राहुल 47 गेंदों पर एक चौका और दो छक्के की मदद से 41 रन बनाकर नाबाद रहे। बांग्लादेश के लिए रिशाद हुसैन ने दो विकेट लिए, जबकि तस्कीन अहमद और मुस्तफिजुर रहमान को एक-एक विकेट मिला।

इससे पहले, बांग्लादेश ने तौहीद हृदोय के शतक और जाकिर अली के अर्धशतक की मदद से भारत के सामने जीत के लिए 229 रनों का लक्ष्य रखा। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश की स्थिति एक समय खराब थी और उसने 35 रन पर ही पांच विकेट गंवा दिए थे, लेकिन जाकिर और हृदोय ने शानदार साझेदारी कर बांग्लादेश की पारी को संभाला।

इन दोनों की पारी की मदद से ही बांग्लादेश 49.4 ओवर में 228 रन बनाने में सफल रहा। हृदोय 118 गेंदों पर छह चौकों और दो छक्के की मदद से 100 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

भारत के लिए मोहम्मद शमी की अगुआई में गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। शमी ने मैच में पांच विकेट लिए, जबकि हर्षित राणा को तीन और स्पिनर अक्षर पटेल को दो विकेट मिले। शमी ने इस दौरान वनडे में अपने 200 विकेट भी पूरे किए।

बांग्लादेश के लिए तौहीद के अलावा जाकिर ने 114 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 68 रन बनाए। तौहीद और हृदोय के अलावा बांग्लादेश का कोई अन्य बल्लेबाज नहीं चल सका। उसके चार बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल सके, जबकि तीन खिलाड़ी दहाई अंक तक नहीं पहुंचे। तंजिद हसन ने 25 रन और रिशाद हुसैन ने 18 रनों का योगदान दिया।

श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया सीरीज से बाहर हुई न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाज मौली पेनफोल्ड

वेलिंगटन, 20 फरवरी (एजेंसियां)।

न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाज मौली पेनफोल्ड घुटने की गंभीर चोट के कारण शेष सत्र से बाहर हो गई हैं। इसका मतलब है कि वह श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी श्रृंखला में हिस्सा नहीं ले सकेंगी। 23 वर्षीय पेनफोल्ड को इस महीने की शुरुआत में हैलीबर्टन जॉनस्टोन शील्ड के दौरान बाएं घुटने में मेनिस्कस की चोट लगी थी, जिसके बाद उनकी सर्जरी हुई। उनकी रिकवरी में करीब 12 सप्ताह लगने की उम्मीद है।

मुख्य कोच बेन सॉयर ने इस पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा, यह मौली के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है, खासकर रोज़ बाउल श्रृंखला में उनके प्रभावी प्रदर्शन के बाद। हालांकि, सकारात्मक बात यह है कि वह शीतकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम तक फिट हो सकती हैं।

पेनफोल्ड ने अब तक 14 वनडे में 9 और 10 टी20 मुकाबलों में 7 विकेट लिए हैं। पिछले साल दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बेसिन रिज़र्व में उन्होंने 42 रन देकर 4 विकेट झटके थे, जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा।

सोफी डिवाइन भी श्रीलंका के खिलाफ नहीं खेलेंगी

न्यूजीलैंड को श्रीलंका के खिलाफ अपने स्टार खिलाड़ी सोफी डिवाइन के बिना भी उतरना होगा। डिवाइन ने खेल से ब्रेक ले रखा है और उनकी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उपलब्धता को लेकर अभी तक पुष्टि नहीं हुई है।

कतर ओपन: कार्लोस अलकराज क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, जिरी लेहेका से होगी भिड़ंत

स्पेन के शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लोस अलकराज ने बुधवार को इतालवी क्वालीफायर लुका नारदी को हराकर कतर ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। हालांकि, यह जीत उनके लिए आसान नहीं रही। पहला सेट जीतने और दूसरे सेट में 4-1 की बढ़त लेने के बावजूद, अलकराज को संघर्ष करना पड़ा जब नारदी ने लगातार पांच गेम जीतकर मैच को निर्णायक सेट तक खींच लिया। तीसरे सेट में, अलकराज ने चौथे गेम में महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल किया और 6-1, 4-6, 6-3 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। मैच के बाद अलकराज ने कहा, उन्होंने कुछ शानदार अंक खेले और ऐसा लगने लगा कि वह दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी की तरह खेल रहे हैं। मैं बस खुद को मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखने की कोशिश कर रहा था। तीसरे सेट में वापसी कर जीत हासिल करना मेरे लिए संतोषजनक है।

यूपी वॉरियर्स को हराकर दूसरे नंबर पर पहली दिल्ली कैपिटल्स

मुम्बई, 20 फरवरी (एजेंसियां)।

दिल्ली कैपिटल्स की टीम महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में यूपी वॉरियर्स को 7 विकेट से हराकर लीग में दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है। वहीं पिछले मैच में उसे आरसीबी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। उसने अब तक तीन मैच से दो मैच जीते हैं। इस सत्र में मिली दूसरी जीत से कैपिटल्स की टीम अंक तालिका में 4 अंकों और नेट रन रेट नेट रन रेट -0.544 के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की टीम 4 और नेट रन रेट +1.440 के साथ ही नंबर एक स्थान पर चल रही है। आरसीबी और डीसी दोनो के ही बराबर 4-4 अंक है पर बेहतर नेट रन औसत होने के कारण आरसीबी नंबर एक पर जबकि दिल्ली दूसरे स्थान पर है। आरसीबी टूर्नामेंट में अकेली ऐसी टीम है जो अभी तक नहीं हारी है। वहीं मुम्बई इंडियंस 2 अंकों के साथ ही दूसरे नंबर पर है। गुजरात जाएंट्स के भी 2 अंक हैं और वह चौथे नंबर पर है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए यूपी वॉरियर्स ने किरण नवगिरे के अर्धशतक से 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 166 रन बनाये। इस स्कोर का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की टीम शैफाली वर्मा 26 और मेग लैनिंग 69 ने अच्छी शुरुआत देते हुए पहले विकेट के लिए 6.5 ओवर में 65 रन बनाये। इसके बाद एनाबेल सदरलैंड ने 41 रनों की पारी खेल टीम को 1 गेंद और 7 विकेट शेष रहते जीत दिलाई।

सीजन के अंत में संन्यास लेंगे एथलेटिक क्लब बिलबाओ के डिफेंडर ऑस्कर डी मार्कोस

मैड्रिड, 20 फरवरी (एजेंसियां)।

एथलेटिक क्लब बिलबाओ के अनुभवी डिफेंडर ऑस्कर डी मार्कोस ने बुधवार को घोषणा की कि वह मौजूदा सीजन के अंत में फुटबॉल से संन्यास ले लेंगे। अप्रैल में 36 साल के होने जा रहे डी मार्कोस इस समय क्लब के साथ अपने 16वें सीजन में खेल रहे हैं।

पिछले रविवार को एस्पेनयोल के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने 560वीं बार क्लब के लिए मैदान पर उतरकर खुद को एथलेटिक के इतिहास में दूसरा सबसे ज्यादा मैच खेलने वाला खिलाड़ी बना लिया। इस सूची में वह इकर मुनिएन के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं, जबकि जोसे एंजेल इरिबार (614 मैच) इस सूची में शीर्ष पर हैं।

जनवरी में कर लिया था फैसला

डी मार्कोस ने क्लब के लेज़ामा प्रशिक्षण मैदान में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि उन्होंने जनवरी की शुरुआत में कोच अर्नेस्टो वाल्वरडे को अपने संन्यास के फैसले की जानकारी दे दी थी।

उन्होंने कहा, यह फैसला पहले से ही मेरे मन में था, लेकिन बीच-बीच में मैंने जारी रखने के बारे में भी सोचा। हालांकि, इस बार मुझे पूरा यकीन था कि यही सही समय है।

शानदार करियर का समापन

इस सीजन में डी मार्कोस ने ला लीगा में 19 और यूरोपा लीग में छह मुकाबले खेले हैं। उनकी टीम एथलेटिक बिलबाओ इस समय ला लीगा में चौथे स्थान पर बनी हुई है और यूरोपा लीग के अंतिम-16 में भी जगह बना चुकी है।

डी मार्कोस ने कहा, मुझे लगता है कि यह मेरे लिए सही समय है। मैंने यह देखने के लिए इंतजार किया कि मेरा शरीर क्या कहता है, और इसने मुझे संकेत दिया कि अब समय आ गया है। मैं चाहता था कि जब तक खेलूं, तब तक उपयोगी बना रहूं, और मुझे खुशी है कि मैं ऐसा कर पाया।

अलग-अलग भूमिकाओं में चमका करियर ऑस्कर डी मार्कोस ने अपने करियर की शुरुआत एक फॉरवर्ड के रूप में की थी। अपने 16 साल के करियर में वह विंगर और अटैकिंग मिडफील्डर के रूप में भी खेले, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने राइट बैक की भूमिका निभाई। इस दौरान उन्होंने क्लब के लिए 39 गोल भी किए।

दान कार्यों में भी रहे सक्रिय

डी मार्कोस न केवल अपने खेल के लिए बल्कि मानवीय कार्यों के लिए भी जाने जाते हैं। उन्होंने स्थानीय अस्पतालों में बच्चों से मुलाकात, और अफ्रीका व लैटिन अमेरिका में चैरिटी यात्राओं जैसी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। अब, जब वह अपने शानदार करियर को अलविदा कहने की तैयारी कर रहे हैं, तो फुटबॉल जगत में उनकी जगह हमेशा सम्मान के साथ याद की जाएगी।

सोने के भाव में तेजी, चांदी की कीमत में भी उछाल, सोना 86,500 रुपए, चांदी भी लगभग 97,000 रुपए

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)।

सोने और चांदी के वायदा कारोबार में गुरुवार को तेजी देखी जा रही है। गुरुवार को दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ के साथ कारोबार कर रहे हैं। इस समय सोने के वायदा भाव 86,500 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 97,000 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 510 रुपये की तेजी के साथ 86,420 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह कॉन्ट्रेक्ट 578 रुपये की तेजी के साथ 86,488 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था।

इस समय इसने 86,488 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 86,411 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने इसी महीने 86,592 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 391 रुपये की तेजी के साथ 96,797 रुपये पर खुला। इस समय यह 631 रुपये की तेजी के साथ 97,037 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 97,194 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 96,797 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। पिछले साल चांदी के वायदा भाव ने 1,00081 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। कॉमेक्स पर सोना 2,949.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,936.10 डॉलर प्रति औंस था। हालांकि इस समय यह 21.80 डॉलर की तेजी के साथ 2,957.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 33.15 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 33.04 डॉलर था। इस समय यह 0.24 डॉलर की तेजी के साथ 33.28 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

न्यूज ब्रीफ

सेबी ने म्युचुअल फंड के नियमों में सुधार किया, एनएफओ में जुटाई गई रकम का निवेश करना होगा

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में हलचल मच गई है जब भारतीय मार्केट रेगुलेटर सेबी ने म्युचुअल फंड के नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। नए नियमों के अनुसार, अब एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) में आई रकम को तय समय सीमा में निवेश करना होगा। इसके अलावा सेबी ने म्युचुअल फंड स्कीम्स के लिए स्ट्रेस टेस्टिंग को अनिवार्य कर दिया है ताकि निवेशकों को स्कीम की वित्तीय स्थिरता को बेहतर समझने में मदद मिले। नए नियम 1 अप्रैल से लागू होंगे और इनका मकसद म्युचुअल फंड्स के ऑपरेशन को ज्यादा फ्लेक्सिबल और जवाबदेह बनाना है। अप्रैल की पहली तारीख से लागू होने वाले निए नियमों के अनुसार एएमसीएस को न्यू फंड ऑफर से आई रकम को 30 दिनों के अंदर निवेश करना होगा। इससे निवेशकों को भी लाभ होगा क्योंकि अब वे बिना किसी एग्जिट लोड के अपना पैसा निकाल सकेंगे। इस नए नियम का उद्देश्य एएमसीएस को जरूरत से ज्यादा फंड न जुटाने और स्ट्रेस टेस्टिंग के जरिए निवेशकों को स्कीम की वित्तीय स्थिरता को समझने में मदद मिले।

बुलेट और क्लासिक 350 ने अपनी मजबूत पकड़ बनाई

नई दिल्ली। रॉयल एनफील्ड की बुलेट और क्लासिक 350 ने भारतीय बाजार में अपनी मजबूत पकड़ बनाई है। अब होंडा ने अपनी नई बाइक, होंडा सीबी 350, के जरिए रॉयल एनफील्ड को चुनौती देने के लिए कदम बढ़ाया है। होंडा ने इस बाइक में कई एडवांस फीचर्स भी दिए हैं, जैसे ब्लूटूथ सपोर्ट के साथ होंडा स्मार्टफोन वॉयस कंट्रोल सिस्टम, ड्यूल-चैनल एबीएस, 18-इंच व्हील्स, और एलईडी लाइटिंग। बाइक का सेमी-डिजिटल इंस्ट्रूमेंटेशन और डबल लेयर एग्जॉस्ट इसे और भी बेहतर बनाते हैं। होंडा सीबी350 को दो वेरिएंट्स में लॉन्च किया गया है: डिलक्स और डिलक्स प्रो। इनकी एक्स-शोरूम कीमत रुपए 1,99,900 और रुपए 2,17,800 रुपये है। रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350 के मुकाबले, जो रुपए 1.93 लाख रुपये से शुरू होती है, होंडा ने इस बाइक को बेहतर कीमत में पेश किया है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि होंडा की यह बाइक रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350 के मुकाबले कैसे प्रदर्शन करती है। यह बाइक न केवल अपने शानदार लुक और डिजाइन के लिए जानी जा रही है, बल्कि इसमें दमदार 350 सीसी इंजन भी दिया गया है, जो इसे क्लासिक बाइक प्रेमियों के लिए एक आकर्षक विकल्प बनाता है। होंडा सीबी 350 में 348.36सीसी का सिंगल सिलेंडर इंजन दिया गया है, जो 20.8 बीएचपी की पावर और 29.4 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसमें 5-स्पीड गियरबॉक्स के साथ स्लिपर और असिस्ट क्लच की सुविधा भी दी गई है। इसके अलावा, बाइक का साइलेंसर नोट रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350 जैसी आवाज देने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे यह और भी आकर्षक बनती है।

नागरिक उड्डयन मंत्री ने पायलटों के लिए लॉन्च किया 'इलेक्ट्रॉनिक पर्सनल लाइसेंस'

नई दिल्ली। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित उड़ान भवन में पायलटों के लिए इलेक्ट्रॉनिक कार्मिक लाइसेंस (ईपीएल) लॉन्च किया। इसके साथ ही भारत चालक दल के सदस्यों के लिए ईपीएल लागू करने वाला दुनिया का दूसरा देश बन गया है। चीन पहले ही ऐसी सुविधा लागू कर चुका है। इस अवसर पर के. राममोहन नायडू ने कहा कि भारत पायलट लाइसेंस को डिजिटल बनाने वाला दुनिया का दूसरा देश बन गया है। अब हमारे पायलट वैश्विक एजेंसियों के लिए सहज वास्तविक समय सत्यापन के साथ ईजीसीए ऐप के माध्यम से किसी भी समय अपने लाइसेंस को सुरक्षित रूप से एक्सेस कर सकते हैं। यह भारतीय विमानन के लिए एक बड़ा बदलाव है। नागरिक विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) की ओर से इलेक्ट्रॉनिक कार्मिक लाइसेंस (ईपीएल) का कार्यान्वयन सरकार की व्यापार सुगमता और डिजिटल इंडिया पहल के अनुरूप है।

प्योर ईवी और जियो थिंग्स के मध्य हुआ समझौता

नई दिल्ली,20 फरवरी (एजेंसियां)।

इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता प्योर ईवी कंपनी ने अपने वाहनों में स्मार्ट डिजिटल क्लस्टर और टेलीमैटिक्स को एकीकृत करने के लिए जियो थिंग्स लिमिटेड के साथ एक समझौता किया हैं। इस समझौते के तहत प्योर ईवी अपने इलेक्ट्रिक वाहनों में जियो थिंग्स के स्मार्ट डिजिटल क्लस्टर्स का उपयोग करेगा, जो एंड-टू-एंड आईओटी समाधान प्रदान करेंगे, जिससे उनके वाहनों की कार्यक्षमता और इंटरएक्टिविटी को बढ़ाया जा सकेगा। जियो थिंग्स द्वारा प्रदान की जाने वाली 4जी कनेक्टिविटी और टेलीमैटिक्स की मदद से ग्राहक अपने वाहन के प्रदर्शन की वास्तविक समय में निगरानी कर सकेंगे और संचालन को और अधिक कुशल बना सकेंगे।

इसके अलावा, जियोथिंग्स स्मार्ट डिजिटल क्लस्टर में फुल एचडी प्लस टचस्क्रीन डिस्प्ले कम्पैटिबिलिटी, रीयल-टाइम डेटा एनालिटिक्स और कस्टमाइज्ड टू-व्हीलर इंटरफेस जैसी सुविधाएं शामिल हैं। यह समाधान वाहन निर्माताओं को अपने उत्पादों में आईओटी तकनीकों के एकीकरण में मदद करेगा, जिससे वे उन्नत डिजिटल अनुभव प्रदान कर सकेंगे। प्योर ईवी के संस्थापक और एमडी डॉ. निशांत डोंगरी ने कहा, यह साझेदारी हमारे उत्पादों को उच्चतम मानकों तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है। हमारा लक्ष्य इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में दक्षता और इंटरएक्टिविटी को बढ़ाना है।

जियो प्लेटफॉर्म्स के अध्यक्ष आशीष लोढ़ा ने इस साझेदारी को इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर क्षेत्र के भविष्य को आकार देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया और कहा कि इस साझेदारी से ग्राहकों को बेहतरीन कनेक्टिविटी और कार्यक्षमता का अनुभव मिलेगा। इस साझेदारी का मुख्य उद्देश्य उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाना है, जिसमें उन्नत आईओटी समाधान, निर्बाध कनेक्टिविटी और डिजिटल एकीकरण का लाभ उठाया जाएगा।

मारुति सुजुकी 7 सीटर लेआउट वाली ग्रैंड विटारा का बड़ा वर्जन लाएगी

नई दिल्ली। हाल ही में कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी 7 सीटर लेआउट वाली ग्रैंड विटारा का बड़ा वर्जन भारत में लाने वाली है। हाल ही में, मारुति की 7 सीटर एसयूवी को टेस्टिंग के दौरान स्पॉट किया गया, जिसका कोडनेम वाय 17 रखा गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस नई एसयूवी में 1.5 लीटर की क्षमता वाला नैचुरल एस्पिरेटिड माइल्ड हाइब्रिड इंजन होगा, जो 103 पीएस की पावर और 136.8 न्यूटन मीटर का टॉर्क जनरेट करेगा। इसके अलावा, स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इंजन का विकल्प भी मिलेगा, जो 115 पीएस की पावर और 141 न्यूटन मीटर का टॉर्क उत्पन्न करेगा। मारुति ने इस नई एसयूवी के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि इस एसयूवी को इस साल के अंत तक या अगले साल की शुरुआत में लॉन्च किया जा सकता है। बाजार में इसका सीधा मुकाबला महिंद्रा स्कॉर्पियो, एमजी हेक्टर, टाटा सफारी और हुंडई अल्कजार जैसी एसयूवी से होगा। ग्रैंड विटारा के आईसीई इंजन वाले मॉडल को भारतीय बाजार में शानदार रिस्पॉन्स मिला है। कंपनी अब इस कार का इलेक्ट्रिक वर्जन भी लाने वाली है, जो मारुति की पहली इलेक्ट्रिक कार होगी। इलेक्ट्रिक सेगमेंट में एंट्री के बाद मारुति सुजुकी अन्य कंपनियों के लिए नई चुनौती पेश करेगी। बता दें कि मारुति सुजुकी ने अपनी पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी, मारुति सुजुकी ई-विटारा को पेश किया था। इस कार को भारत मोबिलिटी ऑटो एक्सपो में प्रदर्शित किया गया था।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 से पहले मध्य प्रदेश में 1,500 करोड़ की ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट निवेश की घोषणा

इन्दौर, 20 फरवरी (एजेंसियां)।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 के नजदीक आने के साथ ही मध्य प्रदेश प्रमुख निवेशों के कगार पर खड़ा है, जो इसे सतत विकास और ग्रीन ऊर्जा नवाचार के क्षेत्र में एक नेता के रूप में स्थापित करेंगे। अब तक की सबसे महत्वपूर्ण घोषणाओं में से एक एब्सोल्यूट ग्राम्या प्राइवेट लिमिटेड से आई है, जिसने राज्य में एक अत्याधुनिक ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट स्थापित करने की अपनी महत्वाकांक्षी योजना का खुलासा किया है, जो एक स्वच्छ, हरे-भरे भविष्य की ओर महत्वपूर्ण कदम है। एब्सोल्यूट ग्राम्या प्राइवेट लिमिटेड, जो सतत आर्थिक विकास और ग्रामीण सशक्तिकरण में अग्रणी है, ने मध्य प्रदेश में अत्याधुनिक ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट स्थापित करने की अपनी महत्वाकांक्षी योजनाओं का खुलासा किया है।

1,500 करोड़ के निवेश के साथ, यह परिवर्तनकारी परियोजना एक प्रसिद्ध जर्मन-आधारित संगठन के साथ मिलकर लागू की जाएगी, जो भारत की स्वच्छ ऊर्जा यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

भारत, जो अपनी नवीकरणीय ऊर्जा के महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित कर चुका है, ने ऊर्जा मिश्रण में ग्रीन हाइड्रोजन के महत्व को पहचाना है। राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन का उद्देश्य भारत को हाइड्रोजन उत्पादन का वैश्विक हब बनाना है, और एब्सोल्यूट ग्राम्या जैसी परियोजनाएं इस दृष्टिकोण को प्राप्त करने में केंद्रीय भूमिका निभाती हैं। ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट न केवल मध्य प्रदेश की स्थिति को ग्रीन ऊर्जा नवाचार में एक नेता के रूप में मजबूत करेगा, बल्कि इसका सामाजिक और आर्थिक प्रभाव भी महत्वपूर्ण होगा। इस परियोजना से 200 प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर उत्पन्न होने की उम्मीद है, लगभग 1,000 आत्म-रोजगार के अवसर सृजित होंगे और 500 अतिरिक्त नौकरियों का अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन किया जाएगा।

अप्रिलिया टूनो 457 स्पोर्ट्स बाइक लॉन्च

स्पोर्ट्स बाइक अप्रिलिया टूनो 457 भारत में लॉन्च हो चुकी है। इस बाइक की एक्स-शोरूम कीमत 3.95 लाख रुपये रखी गई है। इस बाइक में बाइ-डायरेक्शनल क्विकशिफ्टर का ऑप्शन भी है, जो राइडिंग एक्सपीरियंस को और बेहतर बनाता है। टूनो 457 का डिजाइन आरएस 457 से थोड़ा अलग है, इसमें एक नई छोटी एलईडी हेडलाइट है जिसमें दो शार्प डे-टाइम रनिंग लाइट्स दी गई हैं। फ्यूल टैंक की क्षमता भी थोड़ी कम है, टूनो में 12.7 लीटर का टैंक दिया गया है, जबकि आरएस 457 में 13 लीटर का टैंक है। इसके बावजूद दोनों बाइक्स का वजन समान, यानी 175 किलोग्राम है। टूनो 457 में छोटी गियरिंग भी दी गई है, जो इसे और भी स्पोर्टी बनाती है। बाइक की बुकिंग शुरू हो गई है, और इसकी डिलीवरी मार्च तक शुरू होने की संभावना है। इस बाइक की कीमत 3.95 लाख रुपये है, जो आरएस 457 से 25,000 रुपये सस्ती है। इसकी टक्कर यामाहा एमटी-03 और केटीएम 390 ड्यूक जैसी बाइक्स से होगी।

भारत और कतर के बीच व्यापार समझौते में सावधानी की जरूरत : जीटीआरआई

नई दिल्ली,20 फरवरी (एजेंसियां)।

आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने भारत और कतर के बीच संभावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर ध्यान दिलाते हुए कहा है कि पेट्रोरसायन क्षेत्र में सावधानी बरतने की आवश्यकता है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हम्माद अल-सानी ने जारी संयुक्त बयान के माध्यम से द्विपक्षीय व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) में प्रवेश करने के लिए तैयारी दिखाई है।

इसमें उन्होंने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का मकसद रखा है। जीटीआरआई के एक अधिकारी ने बताया कि भारत को पेट्रोरसायन और ऊर्जा आयात पर शुल्क रियायतों के संरक्षण का ध्यान देना चाहिए ताकि देश के घरेलू उद्योगों को कोई नुकसान ना हो। उन्होंने सावधानी बरतने की सलाह दी और व्यापार समझौते के प्राथद्धकितक शर्तों के मूल्यांकन की मांग की।

इस संदर्भ में, भारत के व्यापार संरचना को ध्यान में रखते हुए एक सावधानीपूर्वक मूल्यांकन की आवश्यकता है। वित्त वर्ष 2023-24 में कतर से भारत का आयात 12.34 अरब डॉलर था, जिसे इसके निर्यात के साथ संतुलित करने की आवश्यकता है।

सीईपीए के माध्यम से दोनों देशों के बीच एक मुक्त व्यापार समझौता स्थापित करने का उद्देश्य है जो दोनों के बीच आर्थिक साझेदारी को मजबूती प्रदान करेगा। यह एक सकारात्मक कदम है जो व्यापार और आर्थिक उद्धारण में मदद करेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारत की चुनावी...

ओपन सोसाइटी फाउंडेशन के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। ओपन सोसाइटी फाउंडेशन को यूएसएड द्वारा फंडिंग की जाती रही है।

इससे साफ है कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार में संस्थागत तरीके से उन ताकतों द्वारा भारतीय संस्थानों में घुसपैठ की गई जो भारत को कमजोर करना चाहती हैं।अर्थशास्त्री संजीव सान्याल ने भी एक पोस्ट में भारतीय चुनाव में अमेरिकी फंडिंग को लेकर चिंता जाहिर की और लिखा कि न सिर्फ भारत की चुनावी प्रक्रिया में यूएसएआईडी का हस्तक्षेप को लेकर बल्कि देशवासियों को इस बात को लेकर भी चिंतित होना चाहिए कि भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था और सामाजिक नीतियों में भी यूएसएआईडी का दखल है। साल 1990 से दो साल पहले तक भारत का मेडिकल सिस्टम सर्वे यूएसएड द्वारा किया जाता था। यूएसएआईडी भारत के नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे का संचालन करती थी। सान्याल ने लिखा कि हमने न सिर्फ विदेशी एजेंसी को अपने अहम मेडिकल डाटा तक पहुंच दी बल्कि उन्हें सर्वे करने और विश्लेषण करने की भी इजाजत दी और हमने उन्हें हमारे राष्ट्रीय स्वास्थ्य रेस्पॉन्स को प्रभावित करने की छूट दी।

संक्रामक बीमारियों...

एक्यूट डायरिया डिजीज कई अलग-अलग कारकों के कारण हो सकता है। साल्मोनेला और विब्रियो पैराहेमोलिटिकस जैसे बैक्टीरिया और नोरोवायरस-रोटावायरस और एस्ट्रोवायरस जैसे वायरस के संक्रमण से ये बीमारी होती है। वैसे तो सभी उम्र के लोग इससे प्रभावित हो सकते हैं हालांकि बच्चों में इसका खतरा अधिक देखा जाता रहा है। तीव्र दस्त रोग से पीड़ित रोगियों में बार-बार पतला या पानी जैसा मल आने, उल्टी और बुखार की समस्या होती रहती है। यह रोग आमतौर पर हल्का होता है और अपने आप ठीक हो जाता है, हालांकि गंभीर मामलों में इसके कारण निर्जलीकरण और अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।विशेषज्ञों की टीम ने कहा, कोविड-19 महामारी के बाद दुनियाभर में कई बीमारियों में तेजी से वृद्धि देखी गई है। महामारी के दौरान टीकाकरण में कमी और बदलते पर्यावरणीय कारकों के चलते पहले की तुलना में संक्रामक रोगों के मामले अब काफी ज्यादा देखे जा रहे हैं। भारत-अमेरिका सहित कई अन्य देश इन दिनों एच5एन1 जिसे बर्ड फ्लू भी कहा जाता है, इस रोग से प्रभावित हैं। बर्ड फ्लू को आमतौर पर मुर्गियों और कुछ पक्षियों में होने वाला संक्रमण माना जाता रहा था हालांकि अब न सिर्फ ये इंसानों को संक्रमित कर रहा है बल्कि इसके कारण कुछ लोगों की मौत भी हुई है। हाल ही में वायरस का एक नया वैरिएंट डी1.1 देखा गया है जिसे कई मामलों में सेहत के लिए गंभीर और चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है।हालिया रिपोर्ट्स में स्वास्थ्य विशेषज्ञों की टीम ने ब्रिटेन के कई हिस्सों में नोरोवायरस के संक्रमण को लेकर भी अलर्ट किया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा, नोरावायरस के मामले ब्रिटेन में 116 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं, जिससे अस्पतालों पर दबाव बढ़ रहा है। आयरलैंड में भी इसके मामले बढ़ने की खबरें सामने आ रही हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसके तेजी से फैलने वाली बीमारी को रोकने के लिए स्वच्छता पर विशेष ध्यान देते रहने की सलाह देते हैं। इंग्लैंड में एनएचएस पहले से ही उच्च संक्रमण दर को लेकर चिंता जताता रहा है। फरवरी की शुरुआत में प्रतिदिन औसतन 961 मरीजों का अस्पताल में इलाज किया जा रहा था। कुछ मामलों में इस संक्रामक रोग के कारण गंभीर स्वास्थ्य जटिलताएं भी देखी जा रही हैं।

दाल में ...

सुधार के लिए 4.7 करोड़ डॉलर भी दिए जा रहे थे। यह भी उजागर हो चुका है कि नेपाल के हिंदू राष्ट्र की छवि को धूमिल करने और नास्तिकता को बढ़ावा देने पर करोड़ों डॉलर दिए जा रहे थे।

27 को अपनी स्वराशि कुंभ में अस्त होगें शनि

शनि कुंभ राशि में 27 फरवरी 2025 को मध्य रात्रि 00:09 पर अस्त होगें और 4 अप्रैल 2025 को सुबह 6:37 पर उदय होंगे। वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार कुंभ राशि के स्वामी ग्रह शनि देव को माना गया है ऐसे में शनि का स्वयं की राशि में अस्त होना बहुत ही महत्वपूर्ण होगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि शनि इस समय कुंभ राशि में है और 29 मार्च 2025 को रात 9:41 पर मीन राशि में प्रवेश करेंगे। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, शनि अस्त होने के बाद अपनी कमजोर अवस्था में रहेंगे। लेकिन इस समय सूर्य और शनि की युति कुंभ राशि में रहेगी। सूर्य और शनि एक दूसरे के शत्रु हैं ऐसे में शनि अस्त होने के बाद भी कई राशियों को कष्ट पहुंचाने वाले हैं। ज्योतिष शास्त्र में शनि ग्रह को न्याय और कर्मफल दाता माना जाता है। शनि ग्रह व्यक्ति को उसके द्वारा किए गए कर्मों के आधार पर शुभ-अशुभ फल प्रदान करते हैं। शनि अभी कुंभ राशि में संचरण कर रहे हैं। शनिदेव ने कुंभ राशि में 17 जनवरी 2023 को प्रवेश किया था। वैदिक ज्योतिष में शनिदेव को न्याय का देवता माना गया है। सभी नौ ग्रहों में शनिदेव की गति सबसे धीमी है। ज्योतिष के मुताबिक कुंडली में शनि की मजबूत स्थिति होने पर जातकों को सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

शनिदेव के अस्त होने से सरकार का प्रशासनिक ढांचा कमजोर पड़ जाता है और अराजकता बढ़ने की संभावना अधिक हो जाती है। ज्योतिष में शनिदेव का विशेष महत्व होता है। शनिदेव सभी ग्रहों में सबसे मंद गति से चलने वाले ग्रह हैं। ये किसी एक राशि में सबसे ज्यादा ढाई वर्षों तक रहते हैं। शनि दुख, रोग, पीडा, न्याय और कर्म के कारक होते हैं। शनि देव मकर और कुंभ राशि के स्वामी हैं। यह तुला राशि में उच्च के होते हैं जबकि मेष राशि में नीच के होते हैं। सभी 27 नक्षत्रों में शनिदेव को पुष्य, अनुराधा और उत्तराभाद्रपद नक्षत्र पर स्वामित्व प्राप्त है। शनि बुध और शुक्र के मित्र हैं और वहीं इनके शत्रु सूर्य, चंद्रमा और मंगल है।

शनि 29 मार्च 2025 को जैसे ही मीन राशि में प्रवेश करेंगे कुछ राशि वालों पर साढ़ेसाती और ढैय्या शुरू हो जाएगी तो वहीं कुछ पर से यह खत्म हो जाएगी। इस साल मकर राशि वालों पर चल रही साढ़ेसाती खत्म हो जाएगी जबकि मेष राशि पर साढ़ेसाती शुरू हो जाएगी। शनि के मीन राशि में गोचर करने से मीन राशि पर साढ़ेसाती का दूसरा चरण, कुंभ राशि पर अंतिम चरण और मेष राशि पर पहला चरण शुरू होगा। वहीं इसके अलावा वृश्चिक राशि के जातकों पर जहां ढैया समाप्त होगी जबकि धनु राशि वालों पर ढैया की शुरुआत हो जाएगी।

साल 2025 में शनि की चाल और स्थिति

शनि 29 मार्च 2025 को मीन राशि में गोचर होंगे लेकिन उसके पहले कुंभ राशि में रहते हुए 27 फरवरी 2025 को अस्त हो जाएंगे। फिर इसी अस्त अवस्था में रहते हुए गुरु की राशि मीन में प्रवेश करेंगे। 4 अप्रैल 2025 को सुबह 6:37 पर उदय होंगे। फिर 13 जुलाई 2025 को मीन राशि में वक्री चाल से चलेंगे। 28 नवंबर 2025 को शनिदेव मार्गी हो जाएंगे।

कुंभ राशि में शनि-सूर्य की युति

12 फरवरी से सूर्य देव कुंभ राशि में गोचर कर गए हैं। वहीं दूसरी ओर शनि देव कुंभ राशि में 27 फरवरी 2025 को अस्त हो रहे हैं । 12 फरवरी से सूर्य-शनि एक साथ कुंभ राशि में हैं। इसके बाद 14 मार्च को सूर्य मीन राशि में चला जाएगा। सूर्य-शनि के संयोग से प्राकृतिक आपदाएं आने का खतरा बना रहेगा। ज्योतिष में सूर्य और शनि को एक-दूसरे का शत्रु माना जाता है। जब भी ऐसे योग बनते हैं तब देश-दुनिया में अनचाहे बदलाव और दुर्घटनाएं होती हैं। तनाव, अशांति और डर का माहौल भी बनता है। जिससे ज्यादातर लोगों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

कई लोग मानसिक और शारीरिक तौर से तो परेशान रहेंगे ही साथ ही सेहत संबंधी दिक्कतों का भी सामना करना पड़ सकता है। शनि-सूर्य का अशुभ योग बनने से राजनीतिक नजरिये से समय अनुकूल नहीं रहेगा। बड़े बदलाव और विवाद होने की आशंका है।

असर- अचानक मौसम परिवर्तन होने के योग बनेंगे। देश में कई जगहों पर अचानक ठंड बढ़ सकती है। शेयर मार्केट में बड़ी उथल-पुथल होने के योग बनेंगे। प्रशासनिक फैसलों से देश में विवाद बढ़ाने की आशंका रहेगा। लोगों में मतभेद बढ़ सकते हैं। भ्रष्टाचार उजागर हो सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों के कामकाज में रुकावटें आ सकती हैं। लोगों के दिल-दिमाग में अनिश्चितता रहेगी। कृषि क्षेत्र यानी फसलों का उत्पादन बढ़ेगा। बड़े निवेश और लेन-देन होंगे। मीडिया और वकालात से जुड़े लोगों के लिए अच्छा समय रहेगा। स्टूडेंट्स को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के नए मौके मिलेंगे। साथ ही व्यापारिक क्षेत्रों में फायदा होने के भी योग बन रहे हैं। बड़े बदलाव और विवाद होने की आशंका है। राजनीतिक उथल-पुथल एवं प्राकृतिक आपदाओं की आशंका बढ़ेगी। धरना जुलूस प्रदर्शन आंदोलन गिरफ्तारियां होगी। रेल दुर्घटना होने की संभावना। बड़े नेताओं का दुखद समाचार मिलने की संभावना। दुर्घटना होने की संभावना। देश और दुनिया में राजनीतिक बदलाव होंगे। सत्ता संगठन में परिवर्तन होगा। आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलेगा। मनोरंजन फिल्म खेलकूद एवं गायन क्षेत्र से बुरी खबर मिलेगी।

क्या करें उपाय

शनि महाराज को प्रसन्न करने के लिए सबसे अच्छा अवसर शनिवार, शनि प्रदोष, शनि अमावस्या, शनि जयंती और भगवान हनुमान की उपासना को माना गया है। शनिवार के दिन काले श्वान को तेल लगाकर रोटी खिलाना चाहिए। अगर आपके ऊपर शनि की महादशा चल रही तो उस समय मांस-मदिरा का त्याग करना चाहिए। महामृत्युंजय मंत्र ॐ नमः शिवाय का जाप करें शनि के दुष्प्रभाव से बचने के लिए शनिवार के दिन काली गाय की सेवा करें। हर शनिवार शनि मंदिर जाकर शनि महाराज को सरसों का तेल चढ़ाना चाहिए। पीपल के पेड़ के नीचे तेल का दीया जलने से शनि की कृपा मिलती है। हनुमान भैरव और शनि चालीसा का पाठ करने से शनि की कृपा मिलती है।

शनि अस्त का सभी राशियों पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

मेष राशि- सामाजिक संबंधों और आर्थिक स्थिति पर भी पड़ सकता है। किसी से कोई रुका हुआ पैसा लेना है तो हो सकता है कि वह मिलने में देरी हो जाए। शनि के अस्त होने से आपको बेहतर करियर में मौके न मिलें।

वृषभ राशि-करियर की ग्रोथ में देरी हो सकती है। जो लोग सरकारी नौकरी में हैं, उन्हें इस दौरान ज्यादा सावधान रहने की आवश्यकता होगी, क्योंकि बॉस या उच्चाधिकारियों के साथ अनबन होने की आशंका है। यात्रा के दौरान भी सावधानी बरतें।

मिथुन राशि-शनि देव की अस्त अवस्था के दौरान यात्रा में सावधानी बरतें। पिता के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। उच्च शिक्षा की पढ़ाई के लिए आगे की योजना बना रहे हैं, उसमें थोड़ी देरी हो सकती है।

कर्क राशि-कर्क राशि के जातकों को आठवें भाव से संबंधित परिणाम प्राप्त होंगे, जो काफी प्रतिकूल हो सकते हैं। ससुराल पक्ष के लोगों के साथ संबंधों में तनाव आ सकता है। अचानक से लाभ या हानि होने के भी योग बन रहे हैं। खर्चों को नियंत्रित करें।

सिंह राशि-प्रेम संबंध में या बिजनेस पार्टनर के साथ विवाद हो सकता है। प्राइवेट सेक्टर में नौकरी करने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कोई भी नया फैसला सोच विचार कर लें।

कन्या राशि-स्वास्थ्य पर असर डालेगा। कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। कोर्ट केस या कानूनी कार्यवाही में फंसे हुए हैं तो सावधान रहें। नौकरीपेशा जातक पदोन्नति की उम्मीद लगाकर रखेंगे, लेकिन सफलता की संभावना कम रहेगी।

तुला राशि-बच्चों के साथ भी संबंधों में उतार-चढ़ाव आ सकते हैं। दोस्ती और सामाजिक संबंधों में भी परेशानियां आ सकती हैं। लोन चल रहा है तो किस्त समय पर जमा करें और किसी से पैसे उधार न लें।

वृश्चिक राशि-शनि देव चौथे भाव में अस्त होकर ढैय्या के माध्यम से मां के संबंध में उतार-चढ़ाव का कारण बन सकते हैं। स्वास्थ्य में भी गिरावट आ सकती है। कोई प्रॉपर्टी खरीदने की योजना बनाएं तो सतर्क रहें। ठगी के शिकार हो सकते हैं।

धनु राशि-यात्राओं करने के दौरान परेशानी हो सकती है। जिस उद्देश्य से यात्रा पर जाएं, वह सफल न हो। मानसिक शांति के लिए कोई आध्यात्मिक यात्रा कर सकते हैं। भाई-बहनों के साथ संबंधों में उतार-चढ़ाव आ सकते हैं।

मकर राशि-फैमिली बिजनेस में घाटा हो सकता है। पारिवारिक विवाद बढ़ सकता है। आर्थिक क्षति भी हो सकती है। सट्टा बाजार शेयर मार्केट में निवेश करने बचें, क्योंकि शनि देव की दृष्टि आठवें भाव पर पड़ रही है।

कुंभ राशि-ऐसे में भाई-बहनों के साथ संबंध प्रभावित होंगे। विवाह में परेशानी हो सकती है। पेशेवर रूप से देखा जाए तो कार्यस्थल पर नौकरीपेशा जातकों को काम का अधिक दबाव महसूस हो सकता है। स्वास्थ्य में गिरावट भी आ सकती है।

मीन राशि-ऐसे में आर्थिक नुकसान हो सकता है। कर्ज में बढ़ोतरी हो सकती है। वेतन वृद्धि न होने से मन दुखी रहेगा। कई कठिनाइयों से गुजरेंगे और आपका भरोसा अध्यात्म के प्रति बढ़ता जाएगा।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

सुख-समृद्धि और नजर दोष से बचने के लिए काली मिर्च के सात कारगर उपाय

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार काली मिर्च का उपयोग न केवल भोजन में स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है, बल्कि यह तंत्र, ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में भी महत्वपूर्ण मानी जाती है। मान्यता है कि काली मिर्च में नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने, नजरदोष से बचाने और जीवन में सुख-समृद्धि लाने की अद्भुत शक्ति होती है। विभिन्न धार्मिक उपायों में काली मिर्च का प्रयोग कर कई प्रकार की परेशानियों से मुक्ति पाई जा सकती है।

नजर दोष दूर करने के लिए

यदि किसी व्यक्ति को बार-बार नजर लगती है, तो उसे मंगलवार या शनिवार के दिन 7 साबुत काली मिर्च लेकर अपने सिर से 7 बार वार लें और चौराहे पर चारों दिशाओं में फेंक दें। इससे बुरी नजर का प्रभाव समाप्त हो जाता है और व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

आर्थिक समृद्धि के लिए

धन में वृद्धि और आर्थिक संकट से बचने के लिए प्रत्येक शनिवार को 5 काली मिर्च के दाने अपने सिर से वारकर किसी सुनसान स्थान पर पीछे की ओर फेंक दें और बिना मुड़े वहां से चले आएं। इस उपाय से पैसों की तंगी दूर होती है और घर में समृद्धि आती है।

रोगों से मुक्ति के लिए

यदि कोई व्यक्ति लगातार बीमार रहता है, तो रविवार के दिन 7 काली मिर्च के दाने और 1 लौंग को जलती हुई आग में डाल दें। इस उपाय को करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है और व्यक्ति की सेहत में सुधार होता है।

व्यापार में वृद्धि के लिए

व्यापार में लगातार नुकसान हो रहा हो या ग्राहक कम आ रहे हों, तो काली मिर्च का यह उपाय करें। प्रत्येक शनिवार को दुकान या कार्यालय में काली मिर्च के 7 दाने छिड़कें और उन्हें बिना मुड़े हुए दुकान से बाहर फेंक दें। इससे व्यापार में वृद्धि होगी और आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी।

बुरी शक्तियों से बचाव के लिए

घर में नकारात्मक ऊर्जा या बुरी शक्तियों का प्रभाव महसूस हो तो शनिवार या मंगलवार को 21 काली मिर्च के दाने जलते हुए अंगारों पर डालें और पूरे घर में उसका धुआं करें। इससे नकारात्मक शक्तियां दूर होती हैं और घर का वातावरण पवित्र व शांतिपूर्ण बनता है।

पारिवारिक कलह से बचने के लिए

घर में बार-बार झगड़े और कलह हो रहे हों, तो भोजन बनाते समय पहले तवे पर 3 काली मिर्च के दाने डालें और जब वे जल जाएं, तब बाकी भोजन बनाना शुरू करें। यह उपाय घर में प्रेम और सौहार्द बनाए रखता है और आपसी मतभेद समाप्त होते हैं।

बुरी नजर से वाहन की सुरक्षा के लिए

यदि वाहन बार-बार खराब हो जाता है या दुर्घटनाओं का शिकार हो रहा है, तो शनिवार के दिन 7 काली मिर्च और थोड़ा सा नमक लेकर वाहन पर 7 बार उतारकर किसी चौराहे पर फेंक दें। इससे वाहन सुरक्षित रहता है और दुर्घटनाओं का खतरा कम हो जाता है।

सूर्यदेव के बीज मंत्र के जाप से पहाड़ जैसी समस्याओं का भी हो जाता है अंत

समस्त देवी-देवताओं के पूर्ण मंत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले शब्दोच्चारण को बीज मंत्र कहा जाता है, इसीलिए इसे प्राण मंत्र भी पुकारते हैं, सनातन धर्म में सबसे प्रमुख बीज मंत्र ॐ है। नवग्रहों के बीज मंत्रों का जाप करने से उस ग्रह से संबंधित कार्य विशेष में बाधाएं समाप्त होकर, सफलता का परचम लहराता है। ज्योतिष में ग्रहों का राजा सूर्य जीवन में पद, प्रतिष्ठा और पदोन्नति प्रदान करता है। सूर्यदेव के बीज मंत्र के जाप करने से व्यक्ति को अनेक लाभ प्राप्त होते हैं, सूर्य आत्मा, उच्च पद, सरकारी नौकरी आदि का कारक है, अतः सूर्यदेव के आशीर्वाद से व्यक्ति को राजा तुल्य जीवन मिलता है, उच्च प्रशासनिक पद प्राप्त होता है। इससे उलट सूर्य ग्रह के नकारात्मक प्रभाव से व्यक्ति अभिमानी, आत्मकेन्द्रित, गुस्सैल हो जाता है, असाध्य रोग से पीड़ित होता है। प्रकाशवान समृद्धशाली जीवन के लिए सूर्यदेव का आशीर्वाद पाने के लिए नियमित रूप से सूर्यदेव के बीज मंत्र का जप करना चाहिए- ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः!

वास्तु दोष के कारण हो सकती है बीमारी!

वास्तु दोष के कारण हो वैसे तो कैंसर जैसी बड़ी बीमारी खराब लाइफस्टाइल का नतीजा होता हैं। फिर भी घर का गलत वास्तु भी इस बीमारी का जिम्मेदार होता हैं। इसीलिए समय रहते ही कैंसर के जिम्मेदार इन वास्तुदोष को सुधार लें, जिससे आने वाली जानलेवा बीमारी से बच सकें। ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा ने बताया कि वर्तमान में बन रहे घरों की बनावट पुराने जमाने की तरह आयताकार ना होकर अनियमित आकार की हो रही है, जिसमें घर का कोई कोना दबा होता है तो कोई कोना बाहर निकाला होता है। घर का कोई भाग ऊंचा तो कोई भाग नीचा रह जाता है। ऐसे अनियमित बनावट के कारण घर में सकारात्मक और नकारात्मक ऊर्जा के बीच असंतुलन पैदा हो जाता है। इसी कारण घर में रहने वाले लोगों की सेहत पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। ऐसे रोगों में कैंसर रोग भी शामिल है।

वास्तु विशेषज्ञ नीतिका शर्मा ने बताया कि किसी प्लॉट, मकान या फ्लैट को खरीदने से पहले वास्तु के बारे में उचित जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। किसी जगह का वास्तु सही होना बेहद जरूरी है। इसीलिए अधिकतर लोग वास्तु को ध्यान में रखकर ही प्लॉट वगैरह की खरीदारी करते हैं। वास्तु दोष इंसान की जिंदगी को तबाह करके रख देता है। किसी घर में वास्तु दोष होने पर परिवार के सदस्यों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है यह तो हम सभी जानते हैं, लेकिन भला वास्तु दोष से किसी को कैंसर भी हो सकता है यह बात वाकई में बेहद अजीब है।

घर की उत्तर पूर्व दिशा को कभी भी पूरी तरह से बंद ना करें, ऐसा करने से फेफड़े खराब हो सकते है और सीने के किसी भी हिस्से में कैंसर होने की संभावना हो जाती हैं। अगर नसों व गर्दन में कैंसर से बचना चाहते हैं तो घर की उत्तर-पूर्वी दिशा को ऊंचाई को कम करें। साथ ही घर का पश्चिमी दिशा दबी हुई नहीं होनी चाहिए। घर की दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम दिशा नीची होने पर ब्रेन कैंसर होने का खतरा बना रहता हैं। अगर घर की उत्तर दिशा सही और साफ नहीं होगी तो सीने में कैंसर होने की संभावना अधिक रहती हैं। यूट्स का कैंसर उत्तर-पूर्व, दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण दिशा दोषपूर्ण होने पर होता हैं।

कैंसर रोग और वास्तु का संबंध

आजकल जिस तरह के घर बन रहे हैं, ये पहले के घरों जैसे आयताकार नहीं होते हैं बल्कि आधुनिक समय के हिसाब से अनियमित आकार के होते हैं। ऐसे में वर्तमान दौर में बनने वाले घरों का कोई कोना या तो दबा होता है या फिर बाहर निकला होता है, घर का कोई भाग ऊंचा तो कोई भाग नीचा रह जाता है। इस तरह की बनावट अनियमित मानी जाती है। वास्तुशास्त्र की मानें तो इस वजह से घर में सकारात्मक और नकारात्मक ऊर्जा के बीच असंतुलन पैदा हो जाता है। इसी कारण घर में रहने वाले लोगों की सेहत पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। ऐसे रोगों में कैंसर रोग भी शामिल है।

कैंसर रोग का कारण

जिन लोगों को कैंसर होते हैं उनके घर में कम से काम दो वास्तु दोष जरूर होते हैं। इनमें एक वास्तुदोष ईशान कोण वाले भाग में जरूर होता है, जैसे- घर का ईशान कोण गोल होना, कटा हुआ होना, दबा हुआ होना या जरुरत से ज्यादा ईशान कोण का बढ़ा हुआ होना या घर की अन्य दिशाओं की तुलना में ईशान कोण का ऊँचा होना शामिल है। शरीर के किस में कैंसर होगा यह निर्भर करता है घर के दूसरे वास्तुदोष पर जो कि, घर के दक्षिण पश्चिम दिशा या आग्नेय, वायव्य और नैऋत्य कोण में कहीं होता है।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

ब्रेस्ट और गर्भाशय कैंसर

पूर्व आग्नेय भाग में भूमिगत पानी का स्रोत जैसे टंकी, बोर, कुंआ इत्यादि का होना या नीचा होना शामिल है। जबकि महिलाओं को गर्भाशय का कैंसर तब होता है जबकि घर के दक्षिण या दक्षिण नैऋत्य में भूमिगत पानी का स्रोत होता है। इसके अलावा दक्षिण या दक्षिण नैऋत्य का भाग किसी भी प्रकार से नीचा या बढ़ा हुआ होता है।

सिर, गले व मुंह का कैंसर

आवश्यकता से अधिक ऊंचा और बढ़ा हुआ ईशान कोण होना एवं पश्चिम दिशा का किसी भी प्रकार से अधिक नीचा होना।

आंत का कैंसर

पश्चिम नैऋत्य में भूमिगत पानी का स्रोत होना या किसी भी प्रकार से नीचा या बढ़ा हुआ होना आंत में कैंसर का कारण माना जाता है।

ब्लड कैंसर

नैऋत्य में भूमिगत पानी का स्रोत होना, नैऋत्य बहुत नीचा होना या बढ़ा हुआ होना, साथ ही अन्य दिशाएं ईशान कोण की तुलना में नीची होना। और अन्य दिशाओं की तुलना में ईशान कोण ऊंचा होने वास्तु विज्ञान के अनुसार ब्लड कैंसर का कारण माना जाता है।

ब्रेन कैंसर

वायव्य, उत्तर, ईशान व पूर्व दिशा का ऊंचा होना एवं आग्नेय, दक्षिण, नैऋत्य, पश्चिम में भूमिगत पानी का स्रोत होना या नीचा होना या फिर बढ़ा हुआ होना ब्रेन कैंसर की संभावना को बढ़ाता है।

कैंसर रोग में ग्रहों की होती है भूमिका

कैंसर रोग को कुंडली से समझने में कर्क राशि, चंद्र और मंगल इन सभी की भूमिका अहम होती हैं। हमारे शरीर में कैंसर के सभी प्रकार होने की आशंका रहती है जैसे कैंसर, महिलाओं में स्तन कैंसर, ल्यूकेमिया, फेफड़े का कैंसर और महिलाओं में गर्भाशय का कैंसर, पुरुषों में प्रोस्टेट कैंसर।

कैंसर से बचने के उपाय

कच्ची हल्दी का सेवन करना चाहिए। मसरी की दाल दान करना चाहिए। बिच्छु बूटी काले कपड़े में सिलकर सिरहाने रखें। चांदी के बर्तन खाने पीने में प्रयोग करें। मिट्टी की कुंजी में तेल भरकर नदी की रेत में दबाएं। आठ मुखी और नौ मुखी रुद्राक्ष लग्नेश के रत्न के साथ गले में पहने। यदि घर में कोई पहले से ही कैंसर का मरीज हो तो मेरी यह सलाह है कि, मरीज का योग्य डॉक्टर से उचित इलाज करवाते रहें। इलाज में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतें परन्तु साथ ही किसी योग्य वास्तु कन्सलटेन्ट को बुलाकर अपने घर को अवश्य दिखलायें ताकि घर में जो वास्तुदोष हैं उन्हें दूर कर दोषों से उत्पन्न होने वाली नकारात्मक ऊर्जा को दूर किया जा सके। वास्तुदोष दूर होने से मरीज पर दवाईयां अपना अच्छा प्रभाव देने लगती हैं। अतः जिन घरों में कैंसर के मरीज हैं उन्हें अपने घर के वास्तुदोषों को अवश्य दूर करवाना चाहिये ताकि मरीज अपना शेष जीवन आराम से व्यतीत कर सकें और कहीं इन्हीं वास्तुदोषों के कारण भविष्य में घर का कोई अन्य सदस्य कैंसर का शिकार न बने।

माधुरी नहीं हम आपके हैं कौन में निशा के लिए करिश्मा कपूर को कास्ट करना चाहते थे मेकर्स

सूरज बड़जात्या की फिल्म 'हम आपके हैं कौन', एक आइकॉनिक मूवी कही जाती है। फिल्म ने बॉलीवुड के दो सितारों को नई पहचान दी और उनके करियर का टर्निंग प्वाइंट साबित हुई। सलमान खान और माधुरी दीक्षित की जोड़ी को फिल्म में खूब पसंद किया गया। निशा के किरदार में माधुरी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। लेकिन क्या आप जानते हैं कि पहले सूरज बड़जात्या ने निशा के रोल के लिए किसी और एक्ट्रेस को चुना था। और उस एक्ट्रेस का नाम सुनकर आप यकीनन हैरान हो जाएंगे और कहेंगे कि ये भी निशा के लिए परफेक्ट चॉइस हो सकती थीं।

कपूर फैमिली की ये बेटी बनने वाली थीं 'निशा'

सूरज बड़जात्या फिल्म हम आपके हैं कौन के लिए सलमान खान के साथ करिश्मा कपूर को साइन करना चाहते थे। सूरज ने करिश्मा की फिल्म 'प्रेम कैदी' देखी थी, जिसमें उनका काम उन्हें बहुत पसंद आया था। ऐसे में सूरज उन्हें अपनी फिल्म में कास्ट करना चाहते थे। लेकिन आखिरकार करिश्मा की जगह माधुरी इस फिल्म में लीड रोल में नजर आईं और इसकी वजह थे सूरज के पिता राजकुमार बड़जात्या।

ऐसे हुई माधुरी की एंट्री

सूरज बड़जात्या ने खुद एक इंटरव्यू में बताया था कि जब उन्होंने करिश्मा कपूर को फिल्म में लेने की बात पिता से बताई तो उन्होंने उन्हें ऐसा करने से मना कर दिया। उनका कहना था कि करिश्मा की उम्र अभी काफी कम है, इसलिए उन्हें किसी और को इसके लिए चुनना चाहिए। इसके बाद फिल्म में माधुरी की एंट्री हुई जो उस वक्त टॉप एक्ट्रेस थीं। ऐसा भी कहा जाता है कि इस फिल्म में माधुरी ने सलमान खान से अधिक फीस ली थी।

मीना कुमारी की मौत ने बदली फिल्म पाकीजा की तकदीर

दो महीने पुरानी फिल्म देखने के लिए लगी लाइनें, आज भी नहीं इसका कोई तोड़

बॉलीवुड फिल्मों का हिट फॉर्मूला रहा है, फिल्म के अंत में दर्शकों के पसंदीदा हीरो या हीरोइन की मौत। जिसके बाद फिल्म को इमोशनल टच भी मिलता है, फिल्म और एक्टर दोनों को दर्शकों का खूब प्यार भी मिलता है। सिने इतिहास में एक फिल्म ऐसी भी मौजूद है, जिसकी रिलीज के चंद महीने बाद फिल्म की एक्ट्रेस इस दुनिया को अलविदा कह गई। उनकी मौत के बाद दर्शकों ने उनकी फिल्म को इतना प्यार दिया कि वो फिल्म हिंदी बॉक्स ऑफिस पर हमेशा हमेशा के लिए यादगार बन गई। खास तौर से अपनी शानदार स्टोरी और एक्ट्रेस की दिल को छू जाने वाली परफॉर्मेंस के चलते दर्शक इस फिल्म को कभी भूल नहीं पाए। क्या आप जानते हैं क्या है इस फिल्म का नाम।

हम जिस फिल्म की बात कर रहे हैं। उस फिल्म का नाम है पाकीजा। फिल्म के एक से बढ़ कर एक गाने और फिल्म के शानदार डायलॉग्स कभी भुलाए नहीं जा सकते। इस फिल्म में लीड रोल में मीना कुमारी थीं। पूरी फिल्म की कहानी उनके इर्द गिर्द ही घूमती है। पाकीजा मूवी में मीना कुमारी ने एक तवायफ का रोल अदा किया। फिल्म में राजकुमार और अशोक कुमार भी अहम भूमिका में नजर आए। इस फिल्म को हमेशा ही मीना कुमारी के नफासत भरे डांस और नायाब अदायगी के लिए याद किया जाता रहा है। फिल्म का एक डायलॉग आज भी दर्शकों की जुबान पर होता है- आपके पैर देखे, बहुत हसीन हैं।।ये फिल्म मीना कुमारी की सबसे यादगार फिल्म बन गई।

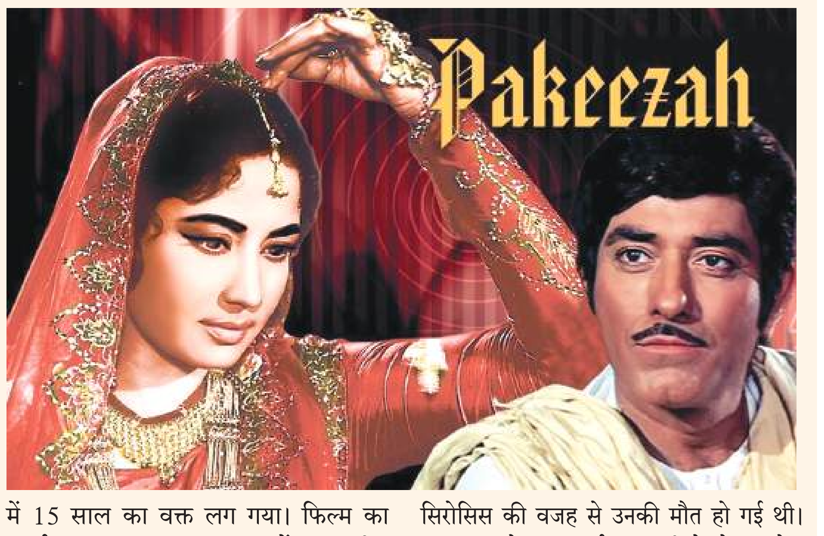

स फिल्म को बनने और फिर रिलीज होने में 15 साल का वक्त लग गया। फिल्म का मूहुर्त हुआ था, साल 1957 में। इस बीच मीना कुमारी और कमाल अमरोही की शादीशुदा जिंदगी में चल रहे तनाव की वजह से फिल्म की शूटिंग काफी समय के लिए रुकी रही। उसके बाद फिल्म जैसे तैसे फिर फ्लोर्स तक पहुंची। शूटिंग शुरू हुई। फिल्म रिलीज हुई 1972 में। लेकिन इसे तुरंत ही लोगों का प्यार मिलना शुरू नहीं हुआ। 31 मार्च 1972 को खबर आई कि मीना कुमारी इस दुनिया में नहीं रही। लिवर सिरोसिस की वजह से उनकी मौत हो गई थी। इस खबर के बाद दर्शक अपनी फेवरेट एक्ट्रेस की फिल्म देखने टूट पड़े और फिल्म को जबरदस्त कामयाबी हासिल हुई। इस तरह दो महीने पुरानी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कामयाबी हासिल की। ये फिल्म हिंदी सिनेमा के इतिहास की यादगार फिल्म बन गई। बताया जाता है कि फिल्म को एक करोड़ 50 लाख में बनाया गया था जबकि इसने छह करोड़ रुपये का कलेक्शन किया।

अभिनेत्री निमरत कौर ने महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाई

अभिनेत्री निमरत कौर ने हाल ही में महाकुंभ के पावन अवसर पर प्रयागराज के संगम में आस्था की डुबकी लगाई। अभिनेत्री ने बताया कि वह सिख परिवार से आती हैं। इसके बावजूद महाकुंभ में उन्हें जो अनुभव मिला उसे वह शब्दों में बयां नहीं कर सकतीं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर महाकुंभ से संबंधित तस्वीरों और वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने महाकुंभ को मंत्रमुग्ध कर देने वाला उत्सव बताया। अभिनेत्री ने लिखा, मुझे महाकुंभ में भाग लेने का सौभाग्य मिला, मैं इस अनुभव को शब्दों में बयां नहीं कर सकती।

अभिनेत्री ने बताया कि वह सिख परिवार से आती हैं। इस वजह से महाकुंभ उनके लिए एकदम नई चीज है। निमरत ने लिखा, सिख परिवार में पले-बढ़े होने के कारण, कुंभ मेले में स्नान का महत्व मेरे लिए एक नई अवधारणा है। महाकुंभ शानदार है और मुझे इस मंत्रमुग्ध कर देने वाले उत्सव की पौराणिक कथाओं और इतिहास में गहराई से उतरने का मौका मिला। महाकुंभ में दुनियाभर के लोगों को एक साथ आते देखा गया, जो अब तक का सबसे बड़ा नजारा है जिसे हमारी आंखें देख पा रही हैं। मैं महाकुंभ को लेकर लोगों की आस्था और भक्ति को देखकर अचरज में पड़ गई। महाकुंभ में सभी उम्र और पृष्ठभूमि के लोग पहुंच रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था की तारीफ करते हुए निमरत ने आगे लिखा, इस बड़े आयोजन को मैनेज करने के लिए पुलिस और स्थानीय प्रशासन के किए जा रहे सभी अथक प्रयासों के लिए मैं बहुत आभारी हूं। लंबे समय से काम की वजह से शायद 2-3 घंटे की नींद ही ले पा रही हूं। ऐसे में व्यस्त शेड्यूल के बीच कुछ भी करने के लिए अलौकिक क्षमताओं की आवश्यकता होती है। मैं विशेष रूप से 'गंगा टास्क फोर्स' को सलाम करती हूं, जिन्होंने मेरे अनुभव को पूरी तरह से शानदार बनाने के लिए अथक प्रयास किए।

अभिनेत्री ने बताया कि वह जब महाकुंभ जा रही थीं तब उन्होंने घबराहट जैसी दिक्कतें महसूस की थीं। हालांकि, वह सकारात्मकता के साथ लौटी हैं। उन्होंने कहा, महाकुंभ में जाते वक्त मैं उत्साह में तो थी मगर साथ में घबराहट और जिज्ञासा भी थी। हमारी संस्कृति, इतिहास और जो हम सभी को इस यात्रा में बांधता है, उस आस्था, प्रेरणा और गर्व की नई भावना के साथ वापस लौटी हूं। इसके साथ ही अभिनेत्री ने 'ओम नमो गंगायै विश्वरूपिणी नारायणी नमो नम:' और 'हर हर महादेव' भी लिखा।

सलाम-ए-इश्क में एक सीन करने के दौरान डर गईं थीं अंजना सुखानी

बोलीं- जबरदस्ती करना पड़ा

निखिल आडवाणी की फिल्म सलाम-ए-इश्क में नजर आईं अभिनेत्री अंजना सुखानी ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि फिल्म के सेट पर उनका अनुभव बहुत खराब रहा। अंजना ने कहा कि निखिल उनके साथ बहुत बुरे और स्ट्रिक्ट रहे। उन्होंने बताया कि बिना किसी पूर्व चेतावनी के लिए अनिल कपूर के साथ किसिंग सीन करने के लिए मजबूर किया गया।अंजना ने कहा कि उन्हें इस मांग को मानसिक रूप से समझने का कोई समय नहीं दिया गया और उनके आसपास के लोगों ने शायद यह मान लिया कि वे नई आईं हैं, इसलिए कुछ भी करने से मना नहीं करेगी। अंजना ने कहा कि वह रोना चाहती थीं और उन्हें ऐसा नहीं लगा कि उनके पास मना करने की शक्ति है इसलिए वह मान गईं।अंजना ने कहा कि जब कोई नया इंडस्ट्री में आता है, तो दूसरे लोग सोचते हैं कि वे उनके साथ बुरा व्यवहार करके बच सकते हैं क्योंकि उन्हें इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या स्टार किड्स के साथ भी ऐसा ही व्यवहार किया जाता है तो अंजना ने जबरदस्ती करवाए गए किसिंग सीन के बारे में बात की। अंजना ने कहा, मुझे किस के बारे में अंत तक नहीं बताया गया, जब तक कि हम सीन करने के लिए सेट पर नहीं गए, मुझे नहीं बताया गया। एक स्टार किड के साथ ऐसा नहीं होगा, है न?अंजना से इस बारे में सवाल उठाने को लेकर सवाल किए गए तो उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसा करने की स्थिति में थी। मैं घबराई हुई थी, अभिभूत थी, मेरे आस-पास कोई भी नहीं था जिससे मैं इस बारे में किसी से बात कर पाती। मुझे बस इतना बताया गया कि तुम्हें यही करना है।

मनोज कुमार के बेटे ने श्रीदेवी के साथ किया था डेब्यू

फ्लॉप पर फ्लॉप देने के बाद इंडस्ट्री छोड़ अब कैटरिंग बिजनेस चलाते हैं

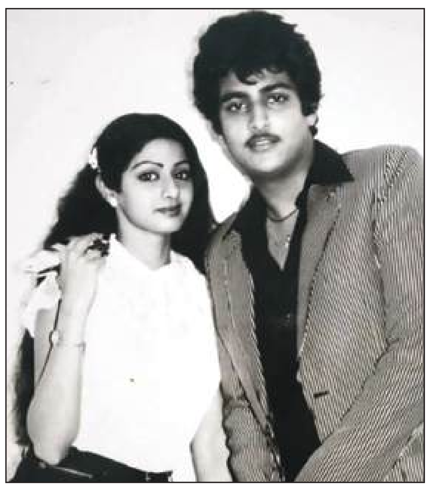

हिंदी सिनेमा का एक इतिहास यह भी रहा है कि जो लोग अपने समय के सुपरस्टार रहे थे, उनके बच्चे उतने ही बड़े फ्लॉप साबित हुए। इसमें राजेश खन्ना, देव आनंद, राजकुमार और राजेंद्र कुमार समेत कई स्टार्स शामिल हैं। इनमें से एक्टर एक वो भी है, जिसे भारत कुमार के नाम पहचाना जाता है। इस स्टार का नाम मनोज कुमार है। कुमार अपने समय के शानदार एक्टर रहे हैं और उन्होंने एक से एक हिट फिल्में दी हैं, लेकिन मनोज कुमार का नाम भी उन सुपरस्टार की लिस्ट में है, जिनके बच्चे सिल्वरस्क्रीन पर फ्लॉप साबित हुए। मनोज कुमार ने अपने बटे कुणाल गोस्वामी को फिल्मों में उतारा था। देखने में गुड लुकिंग कुणाल की हाइट 6.3 है। कुणाल गोस्वामी अपने फिल्मी करियर में एक भी हिट फिल्म नहीं दे पाए।

मनोज कुमार के बेटे का महा फ्लॉप करियर

कुणाल गोस्वामी ने अपने पिता की फिल्म क्रांति में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट काम कर अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद साल 1983 में उन्होंने फिल्म कलाकार (1983) से बतौर एक्टर फिल्मों में काम किया था। इस फिल्म का किशोर कुमार का गाया गाना 'नीले-नीले अंबर पर' आज भी हिट है। फिल्म कलाकार में कुणाल की हीरोइन श्रीदेवी बनी थी। फिल्म कलाकार बड़ी फ्लॉप साबित हुई और कुणाल ने फिल्में छोड़ बिजनेस करना शुरू कर दिया। कलाकार के बाद घुंघरू, दो गुलाब और पाप की कमाई जैसी फिल्मों में काम किया, लेकिन सभी फिल्में फ्लॉप साबित हुईं। इसके बाद कुणाल ने आखिरी बाजी में किस्मत आजमाई, लेकिन यह फिल्म भी फ्लॉप साबित हुई। आखिर में कुणाल ने पिता के प्रोडक्शन हाउस में फिल्म जय हिंद (1999) की, लेकिन वो भी फ्लॉप हो गई और प्रोडक्शन हाउस पर ताला लग गया।

अब कहां हैं मनोज कुमार के बेटे?

कुणाल गोस्वामी आज 63 साल के हैं और अपने परिवार के साथ रहते हैं। कुणाल गोस्वामी का एक बेटा कर्म गोस्वामी है। कुणाल ने साल 2005 में रिती से शादी रचाई थी। वहीं, कुणाल के भाई विशाल गोस्वामी है, जो फिल्म जय हिंद में काम कर चुके हैं। बता दें, मनोज कुमार ने फिल्म सहारा से 1958 डेब्यू किया था। मनोज ने अपने करियर में एक से एक हिट फिल्में दी हैं, जिसमें शहीद, गुमनाम, दो बदन, उपकार, नील कमल, पत्थर के सनम, मेरा नाम जोकर आदि फिल्में शामिल हैं। मनोज कुमार को आखिरी बार 1995 में आई फिल्म मैदान ए जंग में देखा गया था। बताया जाता है कि कुणाल गोस्वामी अब दिल्ली में कैटरिंग बिजनेस चलाते हैं।

राष्ट्रपति भवन में मनीष मल्होत्रा ने बिताया खास समय, सुनाया मां से जुड़ा किस्सा

फिल्म निर्माता और फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा राष्ट्रपति भवन पहुंचे, जहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। सोशल मीडिया पर यादगार शाम की झलक दिखाते हुए मल्होत्रा ने अपनी मां से जुड़ा किस्सा भी सुनाया।

इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए मनीष मल्होत्रा ने मां से जुड़ा किस्सा प्रशंसकों से साझा किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, मैं मां के साथ रहता हूं और जब भी मैं बाहर जाता हूं, तो उन्हें बताता हूं कि मैं यात्रा पर जा रहा हूं, तो वह मुझसे पूछती हैं कि मैं वापस कब आऊंगा, लेकिन आज सुबह उन्होंने मुझसे यह सवाल नहीं पूछा और मुझे देखकर मुस्कुरा दीं। मल्होत्रा ने इसके पीछे की वजह भी बताई। उन्होंने कहा, जब मैंने मां को बताया कि मैं दिल्ली जा रहा हूं और मुझे कतर राज्य के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी के सम्मान में राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में राजकीय भोज के लिए आमंत्रित किया गया है, तो वह मुझे देखकर मुस्कुरा दीं।

राष्ट्रपति भवन की तारीफ करते हुए मल्होत्रा ने पीएम मोदी और राष्ट्रपति का आभार भी जताया। उन्होंने लिखा, राष्ट्रपति भवन की भव्यता और सुंदरता से अभिभूत हूं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कतर राज्य के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी से मुलाकात का सौभाग्य मिला। एक खास यादगार शाम। वहीं, शेयर की गई तस्वीरों में सेलिब्रिटी डिजाइनर काले रंग की पोशाक में नजर आए। मनीष को यह निमंत्रण राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से कतर के अमीर शेख तमीम के सम्मान में दिया गया था। मल्होत्रा देश के जाने-माने फैशन डिजाइनर हैं और अक्सर बड़े मौकों पर उन्हें बुलाया जाता है। अप्रैल 2024 में भी वह प्रधानमंत्री मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में आयोजित बड़े कार्यक्रम का हिस्सा बने थे। उनके डिजाइन किए हुए बनारसी परिधानों को पहनकर मॉडल्स ने रैंप वॉक किया था। वह कार्यक्रम दशाश्वमेध घाट पर हुआ था, जहां दुनिया भर के नामी गिरामी शख्सियतें जुटी थीं।

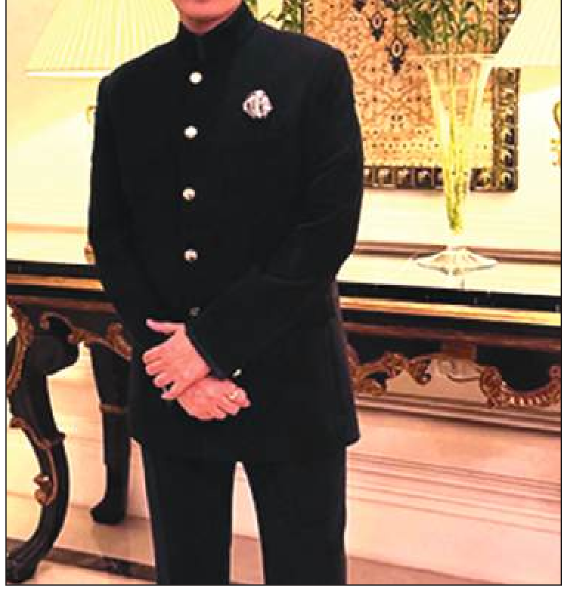

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। फूल देकर अपने प्यार का इज़हार करें। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। यह दिन शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक रहेगा। दिन के पहले भाग में ख़ुद को थोड़ा अलसाहट भरा महसूस कर सकते हैं, लेकिन अगर आप घर से बाहर निकलने की हिम्मत जुटाएँ तो काफ़ी काम किया जा सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अपने परिवार को बताकर और अपने कामों से जताकर महसूस कराते रहें कि आप उनकी कितनी परवाह करते हैं। इससे उन्हें ख़ुशी मिलेगी और इस ख़ुशी को दोगुना करने के लिए उनके साथ अच्छा वक़्त बिताएँ। आप आज प्रेमपूर्ण मनोभाव में होंगे, इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएँ। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। अपने अतिरिक्त धन को सुरक्षित जगह पर रखिए, जो आने वाले वक़्त में आप फिर पा सकें। आपके माता–पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। आज का दिन रोमांस से भरपूर होने की पूरी संभावना है। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी। मुमकिन है कि आपके माता–पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा। अपने घर से बाहर निकलते समय अपने जरूरी सामान को एक बार जरुर देख लें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज ख़ास दिन है,आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। रिश्तेदारों के यहाँ छोटी यात्रा आपके भागदौड़ भरे दिन में आराम और सुकून देने वाली साबित होगी। आपका महबूब आज आपको बड़ी ख़ूबसूरती से कुछ ख़ास करके चौंका सकता है। जो चीजें आपके लिए आवश्यक नहीं हैं उनपर आज अपना अधिकतर समय आप जाया कर सकते हैं। जो बात सच्ची होती हैं उन्हें कहने में आपके शब्द भी कम जाया होते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। परिवार के सदस्यों की अच्छी सलाह आपके मानसिक तनाव को कम करने में दवा की तरह असरदार साबित होगी। यदि आपको व्यस्त दिनचर्या के बाद भी अपने लिए समय मिल पा रहा है तो आपको इस समय का सदुपयोग करना सीखना चाहिए। ऐसा करके अपने भविष्य को आप सुधार सकते हैं। संभावना है कि आपके और आपके जीवनसाथी के बीच तनाव और बढ़ सकता है। इससे बचाव न करने की स्थिति में इसके दूरगामी परिणाम अच्छे नहीं होंगे। अपने भविष्य की योजना बनाने के लिए बिलकुल उपयुक्त दिन है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स से जुड़ी चीज़ों को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। आपको आज ही अपने प्रिय को दिल की बात बताने की ज़रूरत है, क्योंकि कल बहुत देर हो जाएगी। अपने समय की कीमत समझें, उन लोगों के बीच रहना जिनकी बातें आपके समझ में नहीं आती हैं गलत है। ऐसा करना भविष्य में आपको परेशानियों के अलावा कुछ नहीं देगा। आप अपने वैवाहिक जीवन की सारी ख़राब यादें भूल जाएंगे और आज का भरपूर लुत्फ़ लेंगे। ठंडा पानी पीना आज आपके स्वास्थ्य को खराब कर सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज कोई लेनदार आपके दरवाजे पर आ सकता है और आपसे पैसे उधार मांग सकता है। उन्हें पैसे लौटाकर आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। आपको सलाह दी जाती है कि उधार लेने से बचें। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज आप अपने प्रिय से अपने जज़्बात का इज़हार करने में मुश्किल महसूस करेंगे। ज़रूरतमंदों की मदद करने की आपकी ख़ासियत आपको सम्मान दिलाएगी। काम को करने से पहले ही उसके बारे में अच्छा बुरा न सोचें, बल्कि खुद को एकाग्र करने की कोशिश करें इससे सारे काम अच्छी तरह हो पाएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन की शुरुआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिताएँ। किसी ऐसे के साथ परस्पर संवाद की कमी जिसका आपको बहुत ख़याल है, आपको तनाव दे सकती है। आज खाली वक़्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। अपने जीवनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है। बिना किसी का साथ पाये भी आजके दिन का आप भरपूर आनंद उठा पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। शाम को दोस्तों के साथ घूमें–फिरें, क्योंकि यह आपके लिए इस वक़्त बहुत ज़रूरी है। सावधान रहें, क्योंकि प्यार में पड़ना आज के दिन आपके लिए दूसरी कठिनाइयाँ खड़ी कर सकता है। आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियों में जाएगा। सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। परिवार के साथ मिलकर किसी ज़रूरी फ़ैसले को अन्तिम रूप दिया जा सकता है। ऐसा करने के लिए यही सही वक़्त भी है। आगे चलकर यह निर्णय काफ़ी लाभदायक साबित होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के दिन निवेश करने से बचना चाहिए। आपको समझना चाहिए कि यह केवल समय की बर्बादी है और इससे कुछ हासिल नहीं होता है। बेहतर रहेगा कि आप अपनी यह आदत बदल दें। रोमांस के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन नहीं है,समय का पहिया बहुत तेजी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें। मुमकिन है कि आपका जीवनसाथी आज आपके लिए पर्याप्त समय न निकाल पाए। आज का दिन किसी भी धार्मिक स्थल के लिए समर्पित करना अपनी मानसिक शांति बनाए रखने का सर्वश्रेष्ठ साधन हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके तनाव और परेशानी की एक बड़ी वजह बचपन की मासूमियत को जीने की चाह है, इसलिए खुलकर जिएँ। जिन लोगों ने किसी अनजान शख़्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। घर के माहौल की वजह से आप उदास हो सकते हैं। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा। आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा। आपके पिता आज आपके लिए कोई तोहफा ला सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

एक आध्यात्मिक व्यक्ति आशीर्वाद की वर्षा करेगा और मन की शांति लेकर आएगा। हालाँकि धन आपकी मुट्ठियों से आसानी से सरक जाएगा, लेकिन आपके अच्छे सितारे तंगी नहीं आने देंगे। आज आपको दूसरों की ज़रूरतों पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। हालाँकि बच्चों को ज़्यादा छूट देना आपके लिए समस्या खड़ी कर सकता है। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। जीवन में सरलता तभी रहती है जब आपका व्यवहार सरल रहता है। आपको भी अपने व्यवहार में सरलता लाने की जरूरत है।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 20 फरवरी 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : फाल्गुन , कृष्ण पक्ष
तिथि : अष्टमी दोपहर 12:00 तक
नक्षत्र : अनुराधा सायं 03:54 तक
योग : व्याघात प्रात: 11:58 तक
करण : कौलव दोपहर 12:00 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 06:20 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 06:27 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:32 , सूर्यास्त 06:19 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:30 , सूर्यास्त 06:12 (विजयवाड़ा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : गण्डमूल सायं 03:55 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

अनासागर झील संरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

सरकार को अवमानना कार्रवाई की चेतावनी

अजमेर/नई दिल्ली,२० फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर स्थित ऐतिहासिक अनासागर झील की सुरक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए राज्य सरकार पर गंभीर टिप्पणियां की हैं। जस्टिस अभय ओखा और जस्टिस उज्ज्वल भूयान की पीठ ने सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि राज्य सरकार झील संरक्षण को लेकर बिल्कुल भी गंभीर नहीं है और यदि स्थिति नहीं सुधरी तो अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी।अदालत ने मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान की रिपोर्ट को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि हमें आदेशों का अनुपालन चाहिए, बहाने नहीं। साथ ही, न्यायालय ने इस बात पर नाराजगी जताई कि अधिकारी अदालत को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने सवाल उठाया कि अजमेर स्मार्ट सिटी लिमिटेड कौन होती है इस अदालत को निर्देश देने वाली? कोर्ट ने स्पष्ट किया कि NGT के २१ दिसंबर २०२२ के आदेश के बावजूद अनासागर झील के आसपास फुटपाथ और अन्य निर्माण कार्य कैसे हुए? अदालत ने आश्चर्य जताया कि अजमेर की प्राकृतिक सुंदरता को नष्ट कर स्मार्ट सिटी बनाने की कोशिश क्यों की जा रही है।

राज्य सरकार की ओर से पेश वकील ने दावा किया कि झील के आसपास अतिक्रमणों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने सवाल उठाया कि इसका क्या प्रमाण है और सेवन वंडर्स पार्क के खिलाफ क्या कदम उठाए गए?

कोर्ट ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार और अजमेर स्मार्ट सिटी लिमिटेड इसी तरह गुमराह करती रही तो हम अवमानना कार्यवाही शुरू करेंगे। इसके साथ ही, राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव को १७ मार्च २०२५ को व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होने का निर्देश दिया गया है।

इस मामले में याचिकाकर्ता अशोक मलिक स्वयं अदालत में पेश हुए, जबकि सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता शिव मंगल सिंह ने पैरवी की। अब १७ मार्च २०२५ को अगली सुनवाई होगी, जिसमें राज्य सरकार को जवाब देना होगा कि आखिर अनासागर झील की सुरक्षा को लेकर ठोस कदम क्यों नहीं उठाए गए?

मुख्यमंत्री दिल्ली में शपथ ग्रहण समारोह में हुए शामिल

जयपुर,२० फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरूवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। उन्होंने रेखा गुप्ता को पुष्प गुच्छ भेंट कर दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी।इस अवसर पर शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन की सरकार दिल्ली के विकास को नई दिशा और गति प्रदान करेगी।

७३ लाख महिलाएं उज्ज्वला योजना से लाभान्वित : खाद्य मंत्री

जयपुर,२० फरवरी (एजेंसियां)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने गुरुवार को विधानसभा में कहा कि देश की गरीब महिलाओं को पारंपरिक चूल्हों से निकलने वाले जहरीले धुएं से मुक्ति दिलाने के लिए वर्ष २०१६ में उज्ज्वला योजना प्रारंभ की गयी थी। इस योजना के तहत राज्य में जारी कुल एक करोड़ ८३ लाख ६८ हजार एलपीजी गैस कनेक्शन में से ७३ लाख ८२ हजार महिलाओं को उज्ज्वला योजना का लाभ दिया गया है।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि उज्ज्वला योजना की शुरूआत में देश में ५ करोड़ कनेक्शन प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया था। वर्तमान में इस योजना के माध्यम से १० करोड़ ३३ लाख एलपीजी कनेक्शन प्रदान किए जा चुके हैं।

संपर्क पोर्टल २.० को जल्द ही लॉन्च किया जाएगा

मुख्य सचिव ने परिवादों का निस्तारण समय पर करने के दिए निर्देश

जयपुर,२० फरवरी (एजेंसियां)। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने राजस्थान संपर्क पोर्टल पर दर्ज परिवादों के जल्द से जल्द निस्तारण की समीक्षा के लिए राज्य के सभी सम्भागीय आयुक्त और जिला कलेक्टर की वीसी के माध्यम से गुरूवार को बैठक ली। बैठक में उन्होंने जिलों के अधिकारियों से संपर्क पोर्टल की वस्तुस्थिति की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि संपर्क पोर्टल २.० को जल्द ही लाँच किया जाएगा। संपर्क पोर्टल पर जयपुर और जोधपुर के परिवादों की संख्या बहुत ज्यादा है जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। हालांकि ये जिले काफी बड़े भी हैं इसीलिए इसमें परिवादों के अधिक होने की संभावना रहती है। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिवादों के समाधान से आमजन में संतुष्टि का स्तर बढ़ना चाहिए। समाधान होने पर परिवादी से फीडबैक लें कि समाधान धरातल पर हुआ या नहीं। जिन प्रकरणों में बजट सीमा या नियम के विरूद्ध होने के कारण परिवादी को राहत नहीं दी जा सकती, ऐसे मामलों में परिवादी को स्पष्ट सूचित किया जाए। समाधान की समय सीमा भी कम करने के प्रयास किए जाने चाहिए। कोई भी परिवाद ६ महीने से ज्यादा समय तक पोर्टल पर पेंडिंग नहीं रहना चाहिए। निर्धारित समय सीमा का इंतजार न करते हुए पेंडिंग कार्य को जल्द से जल्द निपटाए ताकि समय पर आमजन को राहत मिले तथा जिले की रैंकंग में सुधार हो।

फोन टैपिंग पर सरकार का विधानसभा में जवाब

मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के फोन सर्विलांस पर नहीं

जयपुर,२० फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में फोन टैपिंग के मामले पर विधानसभा में गरमागरम बहस हुई, जहां गृहराज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने सरकार का पक्ष रखते हुए स्पष्ट किया कि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा का फोन सर्विलांस पर नहीं लिया गया है।गृहराज्य मंत्री ने सदन में कहा कि फोन सर्विलांस के लिए एक तय प्रक्रिया और कमेटी होती है, जिसकी अनुशंसा के बिना किसी का भी फोन टैप नहीं किया जा सकता। उन्होंने स्पष्ट किया कि नए कानूनों और नियमों के तहत फोन टैपिंग बिना उचित प्रक्रिया के संभव नहीं है।

सरकार के इस जवाब पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने संतोष जाहिर करते हुए कहा कि यदि सरकार ने फोन टैपिंग नहीं की, तो फिर सरकार पर आरोप लगाने वाले मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही? विपक्ष ने सवाल उठाया कि यदि मंत्री का दावा गलत था, तो सरकार उन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों नहीं कर रही?

टीकाराम जूली ने राइजिंग राजस्थान समारोह के दौरान की गई मंत्री किरोड़ीलाल मीणा की टिप्पणियों का हवाला देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को उनके प्रति अविश्वास था, इसीलिए उन्होंने यह मुद्दा उठाया था। उन्होंने सरकार पर सवाल दागते हुए कहा कि अगर मंत्री पर विश्वास नहीं था तो उनका इस्तीफा क्यों नहीं स्वीकार किया गया?सरकार की सफाई के बाद भी विपक्ष ने इस मुद्दे पर चर्चा जारी रखी और सदन में बहस तेज हो गई। इसके बाद विपक्ष ने सदन की चर्चा में पूरी तरह भाग लेना शुरू कर दिया। फोन टैपिंग का यह मुद्दा राजनीतिक तकरार का नया मोड़ बनता दिख रहा है।

दिल्ली की तरह हरियाणा निगम चुनाव में भी कांग्रेस का होगा सूपड़ा साफ : बराला

चंडीगढ़,२० फरवरी (एजेंसियां)। निकाय चुनाव को लेकर राज्यसभा सांसद एवं गुरुग्राम के चुनाव प्रभारी सुभाष बराला ने भाजपा कार्यालय गुरुकमल में गुरुग्राम और मानेसर नगर निगम चुनाव को लेकर वार्ड संयोजकों, महिला मोर्चा पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान चुनाव प्रभारी बराला ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत से नगर निगम चुनाव में भाजपा की बड़ी जीत होगी। सुभाष बराला ने कहा कि कार्यकर्ताओं का उत्साह और उनकी निष्ठा का संबल चुनाव जीतने में अधिक महत्व रखता है, इसलिए सभी एकजुट होकर चुनाव के मैदान में उतरें और भाजपा प्रत्याशियों की जीत को बड़ी जीत में बदलने का काम करें। इस मौके पर मंच पर मंत्री कृष्ण बेदी, जिला अध्यक्ष कमल यादव, प्रदेश सचिव गार्गी कक्कड़, विधायक मुकेश शर्मा, प्रदेश मीडिया प्रभारी अरविन्द सैनी, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी, एससी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सत्य प्रकाश जरावता, हरविन्द्र कोहली, मनीष गाडौली, अजीत यादव और निवर्तमान मेयर मधु आजाद आदि उपस्थित रहे।सुभाष बराला ने बैठक में गुरुग्राम और मानेसर क्षेत्र की चुनाव संबंधी पूरी जानकारी ली और जरूरी दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के बूते ही भाजपा इस मुकाम पर पहुंची है कि हरियाणा में तीसरी बार पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि आपस में समन्वय बनाकर जनता के बीच जाएं और ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने के लिए काम करें।

सांसद सुभाष बराला ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता अनुशासित कार्यकर्ता हैं, इसलिए चुनाव में छोटी से छोटी बातों का ध्यान रखें। जनता के बीच जाकर मोदी और नायब सरकार की उपलब्धियों को बताएं साथ ही सरकार की योजनाओं के बारे में भी जानकारी दें। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पिछले १० वर्षों से बिना भेदभाव किए जनहित में निर्णय लेकर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में भाजपा सरकार राज्य के विकास को नई ऊंचाईयों पर लेकर जा रही है।

हरियाणा में निकाय चुनाव से पहले कांग्रेस ने सात नेताओं को निकाला

चंडीगढ़,२० फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में निकाय चुनाव से पहले कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व ने गुरुवार को सात नेताओं को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष उदय भान द्वारा जारी आदेश के अनुसार, सात नेताओं को पार्टी के विरुद्ध गतिविधियों में लिप्त पाए जाने पर पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित करने की घोषणा की गई है।

उदय भान के अनुसार, नगर निगम चुनाव (२०२५) की चल रही प्रक्रिया के दौरान हाल ही में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त पाए जाने से संबंधित विभिन्न संचार माध्यमों से रिपोर्ट प्राप्त हुई थी। पार्टी ने कार्रवाई करते हुए तरलोचन सिंह, अशोक खुराना, प्रदीप चौधरी, मधु चौधरी, राम निवास रारा, हरविंदर और राम किशन सेन को पार्टी से छह साल के लिए निकाला है।

तरलोचन सिंह करनाल में जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष रहे हैं। हालांकि, उन्होंने भाजपा का दामन पहले ही थाम लिया था। अशोक खुराना के अलावा अन्य नेता कांग्रेस पार्टी में रहते हुए पार्टी को मजबूती प्रदान करने के लिए जिले के प्रमुख पदों पर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद कांग्रेस पार्टी निकाय चुनाव में पूरा जोर लगा रही है। प्रदेश की जिम्मेदारी संभाल रहे उदय भान लगातार कांग्रेस प्रत्याशियों के प्रचार में जुट गए हैं। हाल में वह फरीदाबाद में थे, जहां उन्होंने कांग्रेस की मेयर पद की प्रत्याशी के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, आज फरीदाबाद से नगर निगम चुनाव में कांग्रेस पार्टी की मेयर प्रत्याशी लता रानी और ४६ वार्डों के सदस्य प्रत्याशियों एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं के साथ महत्वपूर्ण बैठक कर चुनावी रणनीति पर चर्चा की। बैठक में सभी प्रत्याशी साथियों को बधाई दी और संकल्प लिया कि एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगे, जीतेंगे और फरीदाबाद के विकास की नई राह बनाएंगे।

वैश्विक निवेश को आकर्षित करने के लिए सक्रिय कदम उठाए : सैनी

चंडीगढ़,२० फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण निवेश सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठाने के निर्देश दिए । उन्होंने प्रदेश में औद्योगिक विकास को और गति देने के लिए, आवश्यकता अनुसार मौजूदा नीतियों को संशोधित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इससे न केवल अधिक निवेश आकर्षित होगा बल्कि रोजगार के और अधिक अवसर भी पैदा होंगे।

उन्होंने कहा कि हरियाणा ने पहले ही आईएमटी खरखौदा की सफलता के आधार पर राज्य भर में १० अत्याधुनिक औद्योगिक टाउनशिप स्थापित करने की योजना बनाई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में उद्योगों की स्थापना को सुविधाजनक बनाने और वैश्विक निवेश को आकर्षित करने के लिए सक्रिय कदम उठाए जाने चाहिए। इस संबंध में उन्होंने हरियाणा में एक अत्याधुनिक आईटी पार्क के निर्माण के साथ–साथ उद्योगों और एमएसएमई दोनों के लिए विशेष प्रोत्साहन देने का भी सुझाव दिया ताकि राज्य को निवेश के लिए अधिक आकर्षक स्थान बनाया जा सके।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा विनिर्माण को बढ़ावा देने और देश भर में एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदमों की भी सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी से सटा होने और मजबूत बुनियादी ढांचे के साथ, हरियाणा वैश्विक उद्यमों को आकर्षित करने वाले आर्थिक पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने के लिए बेहतर स्थिति में है। इसके अतिरिक्त, भारतीय प्रवासी भी हरियाणा में उद्यम स्थापित करने के इच्छुक हैं, जिससे आर्थिक विकास के लिए और अवसर उपलब्ध होंगे । उन्होंने सुझाया कि उद्योग विभाग और हरियाणा राज्य औद्योगिक और बुनियादी ढांचा विकास निगम ऐसे सभी उद्यमियों से संपर्क करते हुए हरियाणा राज्य में उनके निवेश को सुविधाजनक बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि समय पर कार्यान्वयन और परिणाम सुनिश्चित करने के लिए ये कार्य टारगेट बेस्ड होना चाहिए।

एक अलग बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को राज्य में एयरोस्पेस और रक्षा निवेश आकर्षित करने पर ध्यान केंद्रित करने का भी निर्देश दिया। हरियाणा राज्य को राष्ट्रीय एयरोस्पेस और रक्षा हब के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से एयरोस्पेस और रक्षा निवेश नीति को स्वीकृति दी गई है जिसका उद्देश्य इस क्षेत्र में अगले पांच वर्षों में १ बिलियन अमरीकी डालर के निवेश को आकर्षित करना है। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, एसीएस विजयेंद्र कुमार, उद्योग विभाग के प्रधान सचिव डी. सुरेश, नागरिक उड्डयन विभाग के प्रधान सचिव श्यामल मिश्रा, श्रम विभाग के प्रधान सचिव राजीव रंजन, मुख्यमंत्री के ओएसडी राज नेहरू सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

मैसूरु पुलिस स्टेशन हमला मामला

भड़काऊ भाषण देने के आरोप में मौलवी गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मैसूरु के एक पुलिस स्टेशन पर भीड़ द्वारा हमला करने के लिए कथित तौर पर नफरत फैलाने वाले भाषण देने के आरोप में एक इस्लामी धार्मिक शिक्षक को गिरफ्तार किया गया है। यह घटना दिल्ली विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी की हार के बारे में एक विवादास्पद सोशल मीडिया पोस्ट के बाद हुई।

गिरफ्तार किए गए व्यक्ति, मुफ्ती मुस्ताक मकबूली को हमले के 11 दिन बाद गुरुवार को सिटी सेंट्रल क्राइम ब्रांच (सीसीबी) ने हिरासत में ले लिया। पुलिस ने मकबूली का एक वीडियो क्लिप प्राप्त किया था जिसमें वह अत्यधिक भड़काऊ बयान दे रहा था, जो वायरल हो गया और स्थिति को और बिगाड़ दिया। विवाद तब शुरू हुआ जब मैसूरु के कल्याणनगर के सतीश उर्फ पांडुरंगा नामक एक व्यक्ति ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी, पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल सहित प्रमुख राजनीतिक हस्तियों का मजाक उड़ाते हुए एक संदेश पोस्ट किया। पोस्ट में एक विशिष्ट धार्मिक समूह को लक्षित करते हुए आपत्तिजनक सांप्रदायिक टिप्पणी भी की गई थी, जो सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गई। इसके कारण अल्पसंख्यक समुदाय का एक समूह उदयगिरी पुलिस स्टेशन के बाहर इकट्ठा हो गया और सतीश के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की। पुलिस और धार्मिक नेताओं द्वारा भीड़ को शांत करने के प्रयासों के बावजूद तनाव बढ़ता गया। भीड़ ने पुलिस स्टेशन पर पथराव करना शुरू कर दिया और पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) के सरकारी वाहन पर हमला किया। स्थिति अराजक हो गई और जवाब में पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। व्यवस्था बहाल करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया। स्थानीय राजनीतिक नेताओं के साथ वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भीड़ से अपील की और उन्हें आश्वासन दिया कि आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

आखिरकार, विरोध को नियंत्रित किया गया और भीड़ तितर-बितर हो गई। केंद्रीय खाद्य, सार्वजनिक वितरण और उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रहलाद जोशी ने हिंसक हमले की कड़ी निंदा की। घटना के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कर्नाटक में कानून और व्यवस्था की स्थिति दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है। मैसूरु में हुई हालिया घटना इसका स्पष्ट प्रमाण है। मैसूरु को कर्नाटक की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में जाना जाता है और यह मुख्यमंत्री का गृहनगर भी है। अगर ऐसी जगह पर भी उपद्रवी अराजकता फैला रहे हैं, तो यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति कितनी चरमरा गई है। जोशी ने उदयगिरी पुलिस स्टेशन पर हमले और पुलिस अधिकारियों पर हमले की भी निंदा की। उन्होंने कहा यह विडंबना है कि मुख्यमंत्री के शहर में इस तरह के दंगे हो रहे हैं। अधिकारियों ने अब घटना की जांच शुरू कर दी है, पुलिस यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है कि अशांति के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाए। मकबूली की गिरफ्तारी मामले में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है, क्योंकि अधिकारी मामले की जांच जारी रखे हुए हैं।

भाजपा सच्चाई सामने लाने के लिए मुडा मामले को आगे बढ़ाती रहेगी: विधायक श्रीवत्स

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा विधायक टी.एस. श्रीवत्स ने कहा कि भाजपा मुख्यमंत्री की पत्नी को 14 स्थलों के आवंटन में कथित अनियमितताओं के मामले को लड़ने के लिए कानूनी पहलुओं की तलाश जारी रखेगी, जबकि लोकायुक्त पुलिस ने सबूतों के अभाव का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री और तीन अन्य को क्लीन चिट दे दी है। विधायक ने गुरुवार को यहां संवाददाताओं से कहा हमें पता था कि लोकायुक्त पुलिस की जांच रिपोर्ट क्या होगी।

राज्य सरकार के अधीन काम करने वाला एक जांच अधिकारी मुख्यमंत्री के बारे में नकारात्मक रिपोर्ट कैसे दे सकता है? इसलिए, हमने सच्चाई सामने लाने के लिए आरोपों की सीबीआई जांच की मांग की थी। कथित मामले में सिद्धरामैया को क्लीन चिट मिलने पर प्रतिक्रिया देते हुए, श्रीवत्स ने लोकायुक्त पुलिस पर निशाना साधा और दावा किया कि उन्होंने पर्याप्त सबूत दिए हैं। उन्होंने कहा मैंने कई दस्ता-वेज जमा किए थे। जब कोई गड़बड़ी नहीं हुई थी, तो 14 स्थल मुडा को क्यों लौटा दिए गए। विधायक ने चारों आरोपियों से पूछताछ के तरीके पर आपत्ति जताते हुए कहा कि लोकायुक्त पुलिस मुडा में गायब 141 फाइलों के मामले की जांच कर सकती थी और मामले की जांच कर सकती थी। विधायक ने पूछा, पुलिस ने खुद ही गायब फाइलों के बारे में कहा। उन्हें कितने सबूतों की जरूरत थी? क्या सैटेलाइट तस्वीरें हमारे दावों को साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं थीं? श्रीवत्स ने कहा कि भाजपा सच्चाई सामने लाने के लिए मामले को आगे बढ़ाती रहेगी।

एनआईए ने किया खुलासा

जाली नोट का मास्टरमाइंड नेपाल में नहीं, मोतिहारी जिले में रहता है

मोतिहारी (एजेंसियां)।
जाली नोट के मामले में जिस वांटेड राजेश सहनी को नेपाल का निवासी समझकर रक्सौल बॉर्डर का सघन जांच की जा रही थी, वह मोतिहारी के संग्रामपुर के मुरलीचक गाँव का निवासी और एलएनटी कंपनी का फाइनेस कर्मी निकला। यह अहम खुलासा एनआईए की छापेमारी में हुआ है। बीते दिनों 5 सितंबर को मिल्ट्री इंटलीजेंस को खुफिया जानकारी मिली थी कि नेपाल से तीन लोग फेंक करेंसी लेकर रक्सौल के रास्ते जम्मू कश्मीर जाने वाले हैं। तब मोतिहारी पुलिस ने जिले के थाना क्षेत्र के जटवा पुल के पास इंजीनियर नजरे सद्दाम, मो वारिस एवं जाकिर हुसैन को गिरफ्तार किया था। पूछताछ के दौरान तीनों के बताया था कि नेपाल भोरे रहने वाले राजेश सहनी ने उक्त रुपये दिए हैं ।

उन रुपयों को कश्मीर के अनंतनाग में पॉल्ट्रीफार्म संचालक मुजफ्फर अहमद वाणी उर्फ सरफराज तक पहुँचना है। राजेश सहनी बिरगंज मुड़ली चौक का रहने वला है। अब देश की कई एजेंसियों के साथ मोतिहारी पुलिस राजेश सहनी को गिरफ्तार करने के लिए नेपाल बॉर्डर पर अलर्ट मोड पर रखी थी। उसके बाद जब यह हाइप्रोफाइल मामला एनआईए को ट्रांसफर हुआ तो एनआईए ने मोबाइल सर्विलांस, सीडीआर, एवं लोकेशन के आधार पर राजेश सहनी को ट्रेस कर लिया। वह मोतिहारी के संग्रामपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मुड़ली गांव निवासी शंभु सहनी का बेटा है। वह फिलहाल

वैशाली में एलएनटी फाइनेंस में काम करता है। इसका नेपाल के काठमाण्डु, बंग्लादेश और पाकिस्तान से भी कनेक्शन बताया जा रहा है।

राजेश सहनी ही इस फेंक करेंसी का मास्टरमाइंड था जो लगातार खुफिया एंजेसी को चकमा देने के लिए नजरे सद्दाम, मो वारिस और मो जाकिर हुसैन को जाली नोटों की डिलेवरी हमेशा से नेपाल या सीमावर्ती क्षेत्र के बॉर्डर पर जाकर करता था। इतना ही नहीं वह भारतीय एजेंसियों को चकमा देने के नियत से बॉर्डर क्षेत्र में वह मोबाइल का भी इस्तेमाल करता था, जिससे उसके मोबाइल का लोकेशन कभी भारत तो कभी नेपाल के आसपास दिखता था। खुफिया एजेंसियों को लगता था कि राजेश सहनी नेपाल का निवासी है। वहीं इस धंधे में शामिल लोगों को भी अपना पता हमेशा वीरगंज स्थित मुडली चौक बताता था, ताकि कभी उनके साथी पकड़े भी जाए तो उसका भेद ना खुले।

मोतिहारी के संग्रामपुर में एनआईए के डिप्टी एसपी अभय कुमार सिंह लीड कर रहे थे। स्वतंत्र गवाह के तौर पर एसबीआई के दो मैनेजर को एनआईए अपने साथ लेकर गई थी। राजेश सहनी के घर के तलाशी के दौरान एनआईए को मोबाइल, सिमकार्ड और कुछ पेपर मिले है। एनआईए की टीम सीज करके अपने साथ लेकर गई है। पिछले 5 सितंबर को मिले लीड पर एनआईए बिहार के भोजपुर, भागलपुर एवं मोतिहारी में एक साथ 5 जगहों पर छापेमारी की थी, जिसमें कई समान जप्त हुए है। इस मामले में नजरे सद्दाम, मो वारिस और जाकिर हुसैन मोतिहारी सेंट्रल जेल में बंद है। वही कश्मीर से गिरफ्तार कर लाया गया सरफराज अभी बेउर जेल पटना में बंद है। अब मुख्य शागिर्द सहनी की तलाश जारी है। राजेश सहनी के गिरफ्तारी के बाद ही नेपाल एवं रक्सौल बॉर्डर पर बैठे आकाओं की जानकारी मिल पाएंगी, जिसका एनआईए को बेसब्री से तलाश है।

अटल पांडेय हत्याकांड: दो और दोषियों को उम्रकैद की सजा

गोपालगंज (एजेंसियां)।
गोपालगंज जिले के विजयीपुर के चर्चित छात्र अटल पांडेय हत्याकांड में न्यायालय ने दो और अभियुक्तों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश-10 मानवेंद्र मिश्र की अदालत ने गुरुवार को सिकंदर मांझी और राकेश यादव को दोषी मानते हुए यह फैसला सुनाया। अभियोजन और बचाव पक्ष की दलीलों, प्रस्तुत सबूतों और गवाहों के बयान के आधार पर अदालत ने यह निर्णय लिया।

मामले की सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रामनाथ साहू और अभियोजन पक्ष से एपीपी अनिल शर्मा व जयराम साह ने अपनी दलीलें रखीं। अभियोजन पक्ष ने 10 गवाहों और चश्मदीदों के बयान दर्ज कराए, जबकि बचाव पक्ष ने भी अपनी ओर से दर्जनभर सबूतों को पेश किया।

मामले में अभियोजन ने एक पेन ड्राइव में मौजूद वीडियो फुटेज को भी कोर्ट में सबूत के तौर पर पेश किया, जिसमें अभियुक्तों की संलिप्तता को साबित किया गया।

राकेश यादव 23 सितंबर 2022 से और सिकंदर मांझी 28 जुलाई 2023 से जेल में बंद हैं। पटना हाईकोर्ट के निर्देश पर इस मामले में स्पीडी ट्रायल चलाया जा रहा था, जिससे जल्द न्याय सुनिश्चित हो सके।

इस हत्याकांड में अब भी दो और अभियुक्तों के खिलाफ सुनवाई जारी है। इनौस के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र पासवान और श्रीराम भगत के खिलाफ तीन फरवरी 2024 से अभियोजन सबूत पर सुनवाई हो रही है। अभियोजन पदाधिकारी अनिल शर्मा ने बताया कि इस मामले में भी स्पीडी ट्रायल के तहत जल्द फैसला सुनाने का आदेश दिया गया है।

जानकारी के मुताबिक, दो दिसंबर 2021 को विजयीपुर थाना क्षेत्र के कोरेया गांव में भूमि विवाद के चलते 16 वर्षीय छात्र अटल पांडेय की हत्या कर दी गई थी। अटल पांडेय लखनऊ में पढ़ाई कर रहा था और वह अपने पिता का इकलौता पुत्र था। घटना वाले दिन संजय पांडेय, सिंटू पांडेय और जगदंबा पांडेय के साथ मिलकर अभियुक्तों ने चाकू से जानलेवा हमला कर अटल पांडेय को गंभीर रूप से घायल कर दिया था। कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि हत्या की यह साजिश संपत्ति हड़पने के उद्देश्य से रची गई थी। इस दौरान अटल पांडेय को बचाने आए अन्य लोगों पर भी घातक हमला किया गया, जिसमें वे भी गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

इस हत्याकांड में छह जुलाई 2024 को अदालत ने तीन अन्य अभियुक्तों प्रेम खरवार, राजकुमार खरवार और अंगद विश्वकर्मा को दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। साथ ही तीनों अभियुक्तों पर एक-एक लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया था।

मुझे हराने वालों को भाजपा ने टिकट दिया तो मैं उन्हें हराऊंगा : आरके सिंह

पटना (एजेंसियां)।
बिहार के आरा संसदीय सीट से चुनाव हारने का मलाल अभी तक भाजपा के पूर्व केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह के दिल में कांटों की तरह चुभ रहा है। उनके मन में सबसे ज्यादा इस बात को लेकर चोट पहुंची है कि इस हार की वजह कोई दूसरा नहीं बल्कि अपने ही लोगों का षड्यंत्र है, जिसके वह शिकार हुए हैं। जी हां ये हम नहीं बल्कि आरा के पूर्व सांसद सह भाजपा के कद्दावर नेता पूर्व ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने एक कार्यक्रम के दौरान कही।

सभा के मंच से अपने क्षेत्र की जनता को बताते हुए आरके सिंह ने यहां तक कह डाला है कि जो-जो लोग मुझे हराने के षड्यंत्र में शामिल थे,अगर उन लोगों को पार्टी टिकट देती है तो हम उनके खिलाफ सामने आकर उन्हें हराएंगे। आरके सिंह ने पहली बार भोजपुरी पावर स्टार पवन सिंह का नाम लेकर उनके काराकाट सीट से चुनाव लड़ने पर भी बड़ी प्रतिक्रिया दी है। आरके सिंह ने कहा है कि पवन सिंह खड़े हुए थे, ये पवन सिंह की गलती नहीं थी, बल्कि यह भाजपा की गलती थी। भाजपा ने उनको कहा कि हम टिकट देंगे, आसनसोल से

टिकट भी दे दिया। इसके बाद वहां पर हल्ला हुआ तो फिर पार्टी ने कहा कि नहीं विड्रोल कर दीजिए और आप कहीं और से टिकट ले लीजिए। जब आरा से टिकट नहीं दिया तब वह अपने आप खड़े हो गए। वो वैसे खड़े नहीं हुए थे,ये आप लोग भी जानते हैं कि हम दो टूक बोलते हैं। पवन सिंह को हमारे पार्टी के लोगों के द्वारा पैसा देकर खड़ा कराया गया।.हमारे ही पार्टी के लोगों के द्वारा पैसा देकर और पीठ ठोंक कर हमारे खिलाफ पवन सिंह को खड़ा कराया गया था।

आरके सिंह ने कहा कि चुनाव में हमारे साथ पार्टी के अंदर के लोग ही दगाबाजी और गद्दारी किए हैं, जिसका हमें पता भी चल गया है। वो लोग इस लिए ऐसा किए क्योंकि बीच-बीच में ऐसी हवा बह रही थी कि हमारा मुख्यमंत्री कैसा हो आरके सिंह जैसा हो। इस बात से डरकर जो-जो लोग मुख्यमंत्री बनना चाहते थे,उनकी नजर में हम चढ़ गए और उन लोगों ने षड्यंत्र रचते हुए यहां के कुछ लोगों को इशारा कर दिया। इसके बाद यहां के लोगों को पोलिंग स्लो करवाना और किसी तरह हमको जीतने से रोकना था। उन्हें किसी भी हालत में ये षड्यंत्र को कायम रखना था, जिसमें राज्य के एक और दो नेता हैं जो ये काम के पीछे थे और वो किसको किसको हैंडल कर रहे थे वह भी हमें मालूम है। हमनें पार्टी के शीर्ष नेताओं से भी यह बात बोला था कि आप एक बार कह देंगे तो वो बैठ जाएगा,लेकिन किसी ने नहीं कहा कि पवन सिंह बैठ जाइये। इसका नतीजा यह हुआ कि कुशवाहा, राजपूत और ब्राह्मण का वोट कट गया। इसके वजह से जनता ने ऐसे पार्टी राजद और माले को वोट किया जो कहते थे भूरा बाल साफ़ करो। आज उसके पास कोई नहीं जाएगा।

आरके सिंह ने भाजपा में आने से पहले का अपना मकसद जाहिर करते हुए बताया कि वह भाजपा ज्वाइन करने से पहले अपना पार्टी बनाना चाहते थे, जिसमें वो भ्रष्ट नेता और भ्रष्ट लोगों के खिलाफ खड़ा रहना चाहतें थे। वह अपनी पार्टी में पढ़े-लिखे और इमानदार लोग ही रखना चाहते थे जो बिना भेद-भाव और जात-पात से ऊपर उठकर राजनीति करना चाहता हो।

आज देश में वैसा ही राजनीति होना चाहिए, जिसमें पढ़ें लिखे और चरित्रवान लोग आगे आएं तभी देश का विकास होगा और तभी हम महाशक्ति बन सकते हैं। आरके सिंह ने कहा कि जब तक हम लोग देश को चरित्रवान नहीं बनायेंगे और अपने कर्म चरित्र को नहीं सुधारेंगे तब तक आगे नहीं बढ़ेंगे।

एसपी ने सभी थानेदारों का वेतन रोका, 24 अधिकारियों का तबादला

सीतामढ़ी (एजेंसियां)।
सीतामढ़ी जिले के पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। एसपी अमित रंजन ने बड़ी कार्रवाई कर जिले के सभी थानेदारों के वेतन भुगतान पर रोक लगाने का आदेश दिया है। एसपी की इस सख्त कार्रवाई से यह स्पष्ट हो गया है कि वह लापरवाह पुलिस अधिकारियों को कतई बख्शने के मूड में नहीं हैं। इस निर्णय के बाद यह चर्चा जोरों पर है कि जल्द ही कई थानेदारों को उनके पद से हटाया जा सकता है। नए एसपी जिले की कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कुछ थानों में नए पुलिस अधिकारियों को नियुक्त कर सकते हैं।

जानकारी के मुताबिक, जिन थानाध्यक्षों पर कार्रवाई की गई है, उनमें नगर थानाध्यक्ष विनय प्रताप सिंह, महिंदवारा के रणवीर कुमार झा, रुन्नीसैदपुर के मुकेश कुमार, मेहसौल के फेराज हुसैन, रीगा के संजीव कुमार, मेजरगंज के ललित कुमार, बैरगनिया के रामाशंकर कुमार, सुरसंड के धनंजय कुमार पांडेय, नानपुर के अशोक कुमार, पुपरी के चंद्रभूषण कुमार सिंह, बाजपट्टी के सरोज कुमार और सोनबरसा के अंशु सुमन शामिल हैं।

एसपी अमित रंजन ने एक ही थाने में लंबे समय से तैनात 24 दारोगाओं का तबादला भी किया है। नगर थाने के अनुसंधान इकाई में कार्यरत मुकेश कुमार शर्मा को मेजरगंज, सोनबरसा के अवध किशोर राम को डुमरा, रुन्नीसैदपुर के मनीष कुमार को डुमरा, पुलिस केंद्र में तैनात राहुल कुमार को पुनौरा और सोनम कुमारी-1 को रुन्नीसैदपुर और सोनम कुमारी-2 को सहियारा भेजा गया है।

इसके अलावा अनुसंधान इकाई में सुधार लाने के लिए तीन थानों के अपर थानाध्यक्षों को बदला गया है। गाढ़ा के प्रवीण कुमार को रुन्नीसैदपुर, पुनौरा की कविता कुमारी को बैरगनिया और मेजरगंज के साकेन्द्र कुमार को रीगा थाना का नया अपर थानाध्यक्ष बनाया गया है।

जिन पुलिस अधिकारियों के वेतन पर रोक लगाई गई है, उनमें बेलसंड के धर्मेंद्र कुमार कुशवाहा, महिला थानाध्यक्ष श्वेता स्वराज, डुमरा के अमरेन्द्र कुमार, पुनौरा के आलोक कुमार, सुप्पी के विष्णुदेव कुमार, बेला के कुमार प्रभाकर, परिहार के राजकुमार गौतम, कन्हौली के सेंटू कुमार, चोरौत के सुखविंद्र नैन और बोखड़ा के त्रिपुरारी कुमार शामिल हैं।

एसपी अमित रंजन की इस सख्त कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई है। यह साफ हो गया है कि कर्तव्य के प्रति लापरवाह अधिकारियों को अब गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

मंडल कारा में कैदी की मौत

दरभंगा (एजेंसियां)।
समस्तीपुर मंडल कारा में एक विचाराधीन कैदी की मौत सदर अस्पताल में इलाज के दौरान हो गई। मृतक की पहचान समस्तीपुर शहर के काशीपुर वार्ड-34 निवासी 54 वर्षीय मनोज कुमार गुप्ता के रूप में हुई है, जो पेशे से किराना दुकानदार थे। खास बात यह है कि उनकी पत्नी पूनम गुप्ता भी उसी मामले में जेल में बंद हैं।

जानकारी के मुताबिक, मनोज गुप्ता को 15 फरवरी की सुबह नगर पुलिस ने कोर्ट के एक पुराने वारंट के आधार पर गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद मेडिकल जांच में फिट घोषित किए जाने के बाद उन्हें मंडल कारा भेज दिया गया था। लेकिन बुधवार शाम सीने में दर्द की शिकायत के बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद जेल प्रशासन ने उन्हें सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां देर रात उनकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, मनोज गुप्ता और उनकी पत्नी पूनम गुप्ता के खिलाफ वर्ष 2016 में दर्ज एक मामले में कोर्ट ने वारंट जारी किया था। इसी के आधार पर 15 फरवरी की सुबह करीब सात बजे पुलिस ने उन्हें उनके घर से गिरफ्तार किया और सुबह 11:00 बजे मेडिकल जांच कराने के बाद जेल भेज दिया गया। बुधवार शाम को मनोज गुप्ता ने जेल में सीने में दर्द की शिकायत की, जिसके बाद उन्हें जेल अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन जब उनकी हालत गंभीर होती गई, तो उन्हें सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां इलाज के दौरान देर रात उनकी मौत हो गई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com